खरगे का सरकार पर वार, बोले... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अपना नया यूट्यूब चैनल शुरू किया... 11

वर्ष - 01, अंक - 332 | गाजियाबाद / शुक्रवार 06 मार्च 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

दो बाइकों की सीधी भिड़ंत में डायल-112 के पायलट की मौत, एक घायल

सागर, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सागर जिले में गढ़ाकोटा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चनौआ के पास बुधवार रात दो बाइकों की आमने-सामने से हुई भीषण भिड़ंत में डायल-112 के पायलट (ड्राइवर) की जान चली गई। इस हादसे में दूसरी बाइक पर सवार युवक भी गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, सागर निवासी सौरभ तिवारी गढ़ाकोटा थाने की डायल-112 में पायलट के पद पर पदस्थ थे। बुधवार रात वह अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद बाइक से वापस सागर जा रहे थे। जैसे ही वह चनौआ स्थित गोवर्धन ढाबे के पास पहुंचे, सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए और दोनों सवार सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गए। सूचना मिलते ही गढ़ाकोटा पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान सौरभ तिवारी की मृत्यु हो गई। वहीं, दूसरी बाइक पर सवार हेमंत नामक युवक की स्थिति भी नाजुक बनी हुई है, जिसका इलाज चल रहा है। घटना के बाद पुलिस ने सौरभ के शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम कराया है।

बिहार में ग्रामीण सड़कों-पुलों की गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से अभियंताओं को दिया जा रहा प्रशिक्षण

पटना,(एजेंसी)। बिहार के ग्रामीण इलाकों में पक्की सड़कों और पुलों के दीर्घकालीन और गुणवत्तापूर्ण निर्माण पर सरकार विशेष ध्यान दे रही है। ग्रामीण कार्य विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जो योजना तैयार की है, उसमें केवल ढांचागत विस्तार ही नहीं, बल्कि निर्माण की गुणवत्ता और तकनीकी मजबूती को भी प्राथमिकता दी गई है। इसी दिशा में विभाग ने अपने अभियंताओं को आईआईटी पटना में विशेष प्रशिक्षण दिलाने की पहल शुरू की है।

ग्रामीण कार्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राज्य के सभी ग्रामीण पथ और पुल उच्च गुणवत्ता और आधुनिक तकनीकी मानकों के अनुरूप बनाए जाएं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत विभाग में कार्यरत नवनियुक्त 480 सहायक अभियंताओं (असैनिक) को चरणबद्ध तरीके से आईआईटी पटना में विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण के दौरान अभियंताओं को सड़कों और पुलों के निर्माण में अपनाई जाने वाली नई तकनीकों, गुणवत्ता नियंत्रण, निर्माण प्रक्रिया की निगरानी तथा तकनीकी मानकों के अनुरूप कार्य करने के तरीके सिखाए जा रहे हैं। इससे अभियंताओं की कार्यक्षमता बढ़ेगी और वे अपने-अपने क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से पूरा कर सकेंगे।

ईरान ने अमेरिकी हमले के शिकार 90 नौसैनिकों के शव उसे सौंपने का श्रीलंका से किया अनुरोध

कोलंबो, (एजेंसी)।

ईरान ने अपने युद्धपोत आईआरआईएस डेना पर हुए अमेरिकी हमले में मारे गए नौसैनिकों के शवों को सौंपने के लिए श्रीलंका से अनुरोध किया है ताकि वहां उनका अंतिम संस्कार किया जा सके। इस युद्धपोत पर 180 ईरानी नाविक सवार थे। अमेरिकी पनडुब्बी ने इस ईरानी युद्धपोत को निशाना बना कर श्रीलंका के तट पर डुबो दिया था। राहत अभियान चला रहे श्रीलंका ने कहा है कि 90 शव प्राप्त हो चुके हैं मगर इनकी संख्या बढ़ सकती है। इस बीच एक अन्य ईरानी जहाज के श्रीलंका में मौजूदगी की पुष्टि हुई है जिसने श्रीलंका की सरकार से उसके जलक्षेत्र में लंगर डालने की अनुमति मांगी है।

श्रीलंका के प्रमुख समाचार पत्र डेली मिरर के मुताबिक श्रीलंका के निकट हिंद महासागर में ईरानी नौसैनिक पोत आईआरआईएस डेना पर अमेरिकी पनडुब्बी के हमले में मारे गए 90 नौसैनिकों के शव ईरान ने अंतिम संस्कार के लिए उन्हें सौंपने का अनुरोध किया है। ये सभी शव फिलहाल श्रीलंका के करापितिया के राष्ट्रीय अस्पताल में रखे गए हैं।

श्रीलंका के उप स्वास्थ्य मंत्री हंसाका विजेमुनि ने कहा कि शवों को वापस ईरान भेजे जाने का अनुरोध मौजूदा सैन्य परिस्थितियों की वजह से जल्द शुरू नहीं किया जा सकता है। श्रीलंका मानक पोस्टमार्टम प्रक्रिया कर और आगे की कार्रवाई के लिए ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है। उन्होंने कहा कि श्रीलंका में फिलहाल इतनी बड़ी संख्या में शवों के लिए पर्याप्त कोल्ड स्टोरेज क्षमता नहीं है, जिसके चलते अतिरिक्त रेफ्रिजरेशन यूनिट खरीदे जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

उल्लेखनीय है कि ईरानी नौसेना का युद्धपोत आईआरआईएस डेना बुधवार सुबह करीब 5:08 बजे श्रीलंका के निकट अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में डूब गया। उस समय जहाज पर लगभग 180 लोग सवार थे।

ईरान की चेतावनी, अमेरिका को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी

ईरानी युद्धपोत पर अमेरिकी हमले के बाद ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने चेतावनी दी है कि अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में किसी जहाज को निशाना बनाने के लिए अमेरिका को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, "अमेरिका ने ईरान के तट से 2,000 मील दूर समुद्र में एक जघन्य अपराध किया है।"

श्रीलंका में मौजूद ईरानी युद्धपोत की हरसंभव सुरक्षा करेंगे: सरकार

ईरान और अमेरिका-इजराइल के सैन्य संघर्ष के बीच एक अन्य ईरानी युद्धपोत के श्रीलंका में मौजूदगी की पुष्टि हुई है। श्रीलंका सरकार के मुख्य सचेतक, मंत्री नलिंदा जयतिस्सा ने आज इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि श्रीलंका के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) में एक और ईरानी पोत मौजूद है। उन्होंने यह बात विपक्ष के नेता सजित प्रेमदासा द्वारा पूछे गए इस प्रश्न के उत्तर में कही कि क्या सरकार को श्रीलंकाई जलक्षेत्र में एक और ईरानी पोत की मौजूदगी की जानकारी है। मंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति, सुरक्षा परिषद् और सरकार इस मामले से अवगत हैं और सरकार पोत में सवार लोगों की सुरक्षा के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने संसद में इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने की बात कही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आईआरआईएस डेना पर अमेरिकी पनडुब्बी के हमले के बाद एक अन्य ईरानी जहाज ने अपनी सुरक्षा की उम्मीद में श्रीलंकाई सरकार से उसके जलक्षेत्र में लंगर डालने की मंजूरी मांगी है।

अमेरिकी पनडुब्बी ने इस युद्धपोत को निशाना बनाया था। अंतरराष्ट्रीय समुद्री समझौतों के तहत श्रीलंका नौसेना ने बचाव अभियान के दौरान 32 जीवित लोगों को बचाया, जिनका अभी भी करापितिया के राष्ट्रीय अस्पताल में इलाज चल रहा है।

दुबई में फंसे बांग्लादेश एयरलाइंस के 27 क्रू मेंबर को यूएस-बांग्ला की उड़ान ने स्वदेश पहुंचाया

ढाका, (एजेंसी)। यूएस-बांग्ला एयरलाइंस की एक उड़ान दुबई में 28 फरवरी से फंसे बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस के 27 फ्लाइट क्रू मेंबर्स को लेकर ढाका पहुंच गई। यह लोग पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष के बीच दुबई में फंसे हुए थे। इनके साथ सैकड़ों बांग्लादेशी यात्रियों को भी विशेष उड़ान से वापस लाया।

बांग्लादेश की आधिकारिक समाचार एजेंसी बीएसएस की रिपोर्ट के अनुसार बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस के क्रू मेंबर्स 28 फरवरी को युद्ध जैसे हालात शुरू होने के बाद से पिछले पांच दिनों से यूनाइटेड अरब अमीरात में फंसे हुए थे। इससे उनके परिवारों की चिंता बढ़ गई थी। यूएस-बांग्ला एयरलाइंस ने आज यहां एक बयान में कहा कि उसने इस इलाके में फंसे बांग्लादेशी नागरिकों की मदद के लिए अपनी मानवीय कोशिश के तहत उनकी वापसी में मदद की।

एयरलाइन के मुताबिक पश्चिम एशिया में बदलते हालात से प्रभावित बांग्लादेशियों को वापस लाने के लिए दुबई एयरपोर्ट अथॉरिटी से अनुमित लेकर दो विशेष उड़ान शुरू की गई हैं। आज 27 क्रू मेंबर्स समेत 378 यात्रियों को लेकर एक विशेष उड़ान ढाका के हजरत शाहजलाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतरी। ऐसी ही एक उड़ान के शुक्रवार सुबह ढाका पहुंचने की संभावना है।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम एशिया में सैन्य तनाव के चलते गुरुवार को ढाका हवाई अड्डे पर 34 उड़ान निरस्त कर दी गईं। पिछले छह दिनों में कुल 210 उड़ान निरस्त की जा चुकी हैं। इसकी पुष्टि बांग्लादेश सिविल एविएशन अथॉरिटी के अधिकारी कवसर महमूद ने की। उन्होंने कहा कि ईरान, इराक, कुवैत, यूनाइटेड अरब अमीरात, बहरीन, कतर और जॉर्डन ने अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए हैं।

दुबई-फुजैरा से दिल्ली पहुंची फ्लाइट्स, पैसेंजर्स बोले- UAE में टेंशन, यात्रियों ने बताए हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ दिनों से अमेरिकी-इस्त्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के कारण मध्य पूर्व में तनाव बढ़ गया है। इस तनाव के चलते हवाई यात्रा में लगातार रुकावटें आ रही थीं। इसी बीच, दुबई और फुजैरा से दिल्ली आने वाली उड़ानें इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंडिंग हुई।

दुबई से दिल्ली पहुंची एक उड़ान के यात्री ने बताया कि दुबई में हालात सामान्य थे। उन्होंने अमेरिकी दूतावास में धमाके की खबर सुनी थी लेकिन उसके अलावा सब कुछ सामान्य था। हालांकि, फुजैरा से आए एक अन्य यात्री ने अलग

जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमेरिकी दूतावास पर ड्रोन हमला हुआ था, जिसे रोककर नष्ट कर दिया गया। यात्री ने मिसाइल और सायरन की आवाजें भी सुनी थीं।

फुजैरा से आए एक और अन्य यात्री ने बताया कि वह काम से दुबई गए थे। उन्होंने कहा कि वहां हालात तनावपूर्ण थे और अमेरिकी दूतावास पर हमला हुआ था।

दसवीं की अंग्रेजी परीक्षा में 25 नकलची पकड़े, दो अधिकारियों पर हुई कार्रवाई

भिवानी (एजेंसी)। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की दसवीं कक्षा की अंग्रेजी परीक्षा में प्रदेशभर में 25 नकल के मामले सामने आए। परीक्षा ड्यूटी में कोताही पाए जाने पर एक उप केंद्र अधीक्षक और दो पर्यवेक्षकों को कार्यभार मुक्त किया गया। वीरवार को प्रदेश के 1,357 परीक्षा केंद्रों पर 2,87,844 परीक्षार्थियों ने अंग्रेजी विषय की परीक्षा दी।

बोर्ड प्रवक्ता ने बताया कि अध्यक्ष के उड़नदस्ते ने चरखी दादरी और नूंह के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। चरखी दादरी के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चांदवास में तीन नकल के मामले दर्ज हुए। वहीं, उप केंद्र अधीक्षक रणधीर सिंह को उसी स्कूल में नियुक्त होने के कारण परीक्षा ड्यूटी से मुक्त किया गया।

नूंह के प्रभाव वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय छछेड़ा-02 पर पर्यवेक्षक ताराचंद पीआरटी की ड्यूटी में कोताही मिलने पर उन्हें कार्यभार मुक्त किया गया। इसके अलावा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हथीन-1 (बी-1) से पर्यवेक्षक सुनीता रानी जेबीटी को भी ड्यूटी में लापरवाही के कारण मुक्त किया गया।

12वीं के इतिहास और जीव विज्ञान की परीक्षा

बोर्ड प्रवक्ता ने बताया कि छह मार्च को प्रदेश के 1,180 परीक्षा केंद्रों पर सीनियर सेकेंडरी की इतिहास और जीव विज्ञान विषय की परीक्षा आयोजित होगी। इसमें 1,45,775 परीक्षार्थी (छात्र और डीएलएड छात्र) शामिल होंगे।

बिहार में बदलने जा रहे सियासी समीकरण, पहली बार भाजपा के सीएम की संभावना

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में एक बड़े युग का समापन होने जा रहा है। महज 105 दिन पहले 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले नीतीश कुमार का बिहार की सत्ता छोड़ना राज्य में पीढ़ीगत बदलाव का अंतिम चरण है। उनके इस फैसले ने न केवल जदयू के भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि एनडीए की सबसे बड़ी पार्टी- भाजपा के लिए बिहार की राजनीति के समीकरणों को पूरी तरह बदल दिया है।

नीतीश कुमार राज्यसभा जा रहे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके खुद यह जानकारी दी है। नीतीश के राज्यसभा जाने का मतलब है राज्य की सत्ता में बहुत कुछ बदलने जा रहा है। राज्य में नई सरकार बनेगी। महज 105 दिन पहले दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले नीतीश नौवीं बार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएंगे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा के नामांकन की बात कहने के साथ ही यह तय हो गया है कि राज्य में सत्ता परिवर्तन होने जा रहा है। बीते नवंबर राज्य में हुए विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड बहुमत के साथ जीत मिली थी। 89 सीटें जीतकर भाजपा विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। इसके बाद भी चुनाव पूर्व किए वादे के मुताबिक, राज्य की बागडोर 85 सीटें जीतने वाले जदयू के नीतीश कुमार के हाथ में आई। नीतीश के सत्ता संभालने के महज 105 दिन बाद यह तय हो गया है कि बिहार में नीतीश राज का अंत होने जा रहा है। इसके साथ ही इस बात की भी संभावना जताई जा रही है कि राज्य में पहली बार भाजपा अपना मुख्यमंत्री बना सकती है।

1980 में अपने जन्म के साथ ही भाजपा को हिंदी भाषी राज्यों की पार्टी के रूप में पहचना मिली। बीते साढ़े चार दशक में पार्टी दो लोकसभा सीट से 300 से अधिक सीटें जीतने वाली पार्टी बन चुकी है। एक समय देश के 21 राज्यों में भाजपा और उसके सहयोगियों की सरकार रही। अभी भी पार्टी 20 राज्यों की सत्ता में हिस्सेदार है। इन सबके बावजूद हिंदी हार्टलैंड की पार्टी कही जाने वाली भाजपा देश के दूसरे सबसे बड़े हिंदी भाषी राज्य में अब तक अपना मुख्यमंत्री नहीं बना सकी है। इसके अलावा अन्य हिंदी भाषी राज्यों की बात करें तो यूपी, हरियाणा, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश की सत्ता में भाजपा दो या दो से ज्यादा बार से सत्ता में है। छत्तीसगढ़ और राजस्थान में पार्टी ने पांच साल बाद फिर से सत्ता में वापसी की है। राजधानी दिल्ली में भी 27 साल बाद पार्टी ने सत्ता में वापसी की है। वहीं, हिमाचल प्रदेश, झारखंड में भी पार्टी अपना मुख्यमंत्री बना चुकी है। बिहार इकलौता हिंदी भाषी राज्य है जहां भाजपा अब तक अपना मुख्यमंत्री बनने का इंतजार कर रही है।

बीस साल से बिहार की सत्ता में काबिज जदयू पहली बार बैक सीट पर होगी

पिछले बीस साल और चार चुनाव से बिहार की सत्ता की बागडोर जदयू के हाथ में है। अब अगर राज्य में भाजपा का मुख्यमंत्री बनता है तो जदयू के गठन के बाद यह पहली बार होगा जब जदयू सहयोगी के रूप में बिहार की सत्ता में होगी।

दूसरी बार जदयू का शीर्ष नेता बिहार की सत्ता का हिस्सेदार नहीं होगा

ये दूसरा मौका होगा जदयू सत्ता की हिस्सेदार तो रहेगी पर उनके शीर्ष नेता सत्ता का हिस्सा नहीं होंगे। इससे पहले 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद नीतीश ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और उनकी जगह जीतन राम मांझी राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। 20 मई 2014 को राज्य के मुख्यमंत्री बने जीतन राम मांझी 22 फरवरी 2015 तक इस पद पर रहे। इसके बाद नीतीश ने राज्य की बागडोर फिर से अपने हाथ में ले ली। तब से नीतीश ही पार्टी का सबसे बड़ा चेहरा और मुख्यमंत्री रहे हैं।

नौवीं बार कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएंगे नीतीश

नीतीश कुमार बीते दो दशक के बिहार की सत्ता का पर्याय बने हुए हैं। इस दौरान उनकी पार्टी राज्य की पहले नंबर की पार्टी रही हो या तीसरे नंबर की मुख्यमंत्री नीतीश ही बनते रहे। 2000 में पहली बार मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने वाले नीतीश का पहला कार्यकाल महज सात दिन का रहा था। इसके बाद 2005 में राज्य के मुख्यमंत्री बने नीतीश ने अपना दूसरा कार्यकाल पूरा किया। 2010 में उन्होंने प्रचंड जीत के साथ तीसरी बार शपथ ली, लेकिन कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए। दरअसल, भाजपा ने जब नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का चेहरा घोषित किया तो नीतीश ने अपनी राह बदल ली। लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी अकेले उतरी और बुरी तरह हारी। पार्टी को राज्य की 40 में से महज दो सीटों पर जीत मिली। इस हार के बाद नीतीश ने कुर्सी छोड़ दी और जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाया। महज नौ महीने बाद नीतीश ने फिर से सत्ता की बागडोर अपने हाथ में ले ली।

इसके बाद 2015 का विधानसभा चुनाव नीतीश ने अपने धुर विरोधी लालू यादव के साथ मिलकर लड़ा और एक बार फिर मुख्यमंत्री बने। 2017 में उन्होंने फिर से भाजपा का दामन थाम लिया और एक बार फिर राज्य की बागडोर संभाली। 2020 में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद फिर से नीतीश मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे, जबकि उनकी पार्टी सीटों के लिहाज से राज्य में तीसरे स्थान पर खिसक गई थी। 2022 में नीतीश ने फिर से लालू का साथ पकड़ा और फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। 2024 के लोकसभा चुनाव से ऐन पहले नीतीश फिर से भाजपा के साथ आ गए और फिर मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। 2025 में विधानसभा चुनाव के बाद नीतीश ने 10वीं बार राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। शपथ लेने महज 105 दिन बाद यह तय हो गया कि नीतीश नौवीं बार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएंगे। शायद ये आखिरी बार भी होगा।

बिहार की सियासत में पीढ़ीगत बदलाव

आपातकाल के दौर में बिहार की सियासत में कई युवा चेहरे उभरे। ये चेहरे दशकों तक बिहार की सियासत का पर्याय रहे। लालू प्रसाद यादव, सुशील मोदी, रामविलास पासवान, शरद यादव, नीतीश कुमार इनमें सबसे बड़े चेहरे बनकर उभरे। इन चेहरों में से रामविलास पासवान, सुशील मोदी और शरद यादव का निधन हो चुका है। लालू यादव चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराए जाने के बाद से सक्रिय सियासत से दूर हैं। अब इस पीढ़ी के आखिरी बड़े चेहरे नीतीश के दिल्ली जाने के साथ ही बिहार की सियासत में एक पीढ़ी का लगभग अंत हो जाएगा।

कांग्रेस मुख्यालय में राहुल गांधी के साथ खेली गई होली

नई दिल्ली (एजेंसी)। होली के अवसर पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दिल्ली के कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कार्यालय अकबर रोड पर होली खेली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव के नेतृत्व में पहुंचे कार्यकर्ताओं के साथ राहुल गांधी ने रंग-गुलाल लगाया और सभी ने उत्साह के साथ त्योहार मनाया। कार्यक्रम के दौरान पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं के लिए पकौड़े और गुजिया की व्यवस्था की गई थी। ढोल-नगाड़ों की थाप पर कार्यकर्ता नाचते-गाते नजर आए। देवेंद्र यादव भी ढोल-नगाड़ों के साथ उत्सव में शामिल हुए और कार्यकर्ताओं के साथ होली की खुशियां साझा कीं। राहुल गांधी करीब पैंतालीस मिनट तक कार्यकर्ताओं के बीच रहे और सभी को होली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट और वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में दिल्ली के विभिन्न जिलों से आए पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। होली समारोह के दौरान बाबरपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार जैन अपनी टीम के साथ विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र बने रहे। वे अपने समर्थकों के साथ रंग-बिरंगी पगड़ियां पहनकर पहुंचे थे और उनके साथ ढोल-नगाड़ों की टोली भी थी, जिसने पूरे कार्यक्रम का माहौल उत्सवमय बना दिया। इसके अलावा अन्य जिला अध्यक्ष महेंद्र भास्कर, आदेश भारद्वाज, दिनेश कुमार, सुमित शर्मा, मोहम्मद उस्मान, इंद्रजीत सिंह और सुरेंद्र कुमार भी अपनी-अपनी टीमों के साथ कार्यक्रम में मौजूद रहे। सभी ने मिलकर होली के पर्व को भाईचारे और उत्साह के साथ मनाया।

8 मार्च को मौजपुर-मजलिस पार्क मेट्रो विस्तार का उद्घाटन करेंगे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली मेट्रो के चौथे चरण के तहत मौजपुर से मजलिस पार्क तक पिंक लाइन मेट्रो विस्तार का उद्घाटन 8 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन बुराड़ी स्थित निरंकारी मैदान में किया जाएगा, जहां बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है। इस मेट्रो विस्तार के शुरू होने से यमुनापार क्षेत्र के लाखों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। इस मार्ग पर खजूरी खास, सोनिया विहार, भजनपुरा, यमुना विहार, सूरघाट, जगतपुर विलेज, झरोदा माजरा और बुराड़ी सहित कई महत्वपूर्ण स्टेशन बनाए गए हैं। इन स्टेशनों के शुरू होने से इन क्षेत्रों के लोगों को सीधे मेट्रो की सुविधा मिलेगी और उन्हें अन्य इलाकों तक पहुंचने के लिए लंबा सफर तय नहीं करना पड़ेगा। उत्तर-पूर्वी दिल्ली से सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि यह परियोजना उनके संसदीय क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि इस विस्तार से मेट्रो की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और यात्रियों को एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक पहुंचने में अधिक सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि यमुनापार में मेट्रो विस्तार लंबे समय से लोगों की मांग रही है और अब यह सपना साकार होने जा रहा है। इस परियोजना के शुरू होने से यातायात जाम की समस्या भी कम होने की उम्मीद है और लोगों को सुरक्षित तथा तेज सार्वजनिक परिवहन की सुविधा मिलेगी। मेट्रो के इस नए मार्ग के शुरू होने से खासतौर पर खजूरी, सोनिया विहार, भजनपुरा और बुराड़ी जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। सांसद मनोज तिवारी ने लोगों से अपील की कि वे 8 मार्च को आयोजित कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस महत्वपूर्ण अवसर के साक्षी बनें।

मादीपुर में भाजपा का होली मिलन समारोह आयोजित

नई दिल्ली (एजेंसी)। मादीपुर विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी की ओर से होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल हुए तथा सभी ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अनुसूचित जाति मोर्चा दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष मोहनलाल गिहारा और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुनीता कांगड़ा उपस्थित रहीं। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष चंद्रपाल बक्शी, कुणाल साहनी, प्रदीप यादव, महामंत्री सुनील शर्मा, महामंत्री नीरज और संजीव सोनकर सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहनलाल गिहारा ने कहा कि होली का पर्व आपसी भाईचारे, प्रेम और सद्भाव का प्रतीक है। यह त्योहार पूरे देश में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि इतिहास में वर्णित कथा के अनुसार सच्ची भक्ति और विश्वास रखने वाले भक्त को भगवान कभी अकेला नहीं छोड़ते। भक्त प्रह्लाद की भक्ति और आस्था इसका उदाहरण है, जब भगवान विष्णु ने उनकी हर संकट में रक्षा की और होलिका का घमंड नष्ट हुआ। उन्होंने कहा कि आज भी यह पर्व सच्चाई, भक्ति और सद्भाव का संदेश देता है और पूरे विश्व में मनाया जाता है। विशेष रूप से मथुरा और वृंदावन में होली का उत्सव देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। होली का त्योहार भारतीय संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाजों की जीवंत मिसाल है।

सदर बाजार की पांच मंजिला इमारत में लगी आग, दो की झुलसकर मौत, डीएनए से होगी पहचान

-उत्तरी दिल्ली के सदर बाजार स्थित 12 टूटी चौक पास लगी पांच जिला इमारत में आग

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरी दिल्ली के सदर बाजार स्थित 12 टूटी चौक पर बुधवार तड़के पांच मंजिला इमारत में आग लगने से दो लोगों की झुलसकर मौत हो गई। आग की सूचना मिलते ही पुलिस के अलावा दमकल दो दर्जन से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंची। इस बीच आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। करीब 24 घंटे बाद किसी तरह आग पर काबू पाया गया। मृतकों की शिनाख्त शंकर राय (55) राम विशेष (35) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक दोनों के शव इस कदर जल चुके थे कि उनकी पहचान भी संभव नहीं है। अब पुलिस परिजनों से डीएनए सैंपल लेकर शवों की पहचान करेगी। आग के दौरान पुलिस व दमकल कर्मियों ने छह लोगों को इमारत से सुरक्षित बाहर निकाला। रेस्क्यू के दौरान एक युवक के हाथ में कट लगने से वह जख्मी हो गया। उधर बुधवार रात रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान मौके पर मौजूद कुछ लोगों की भीड़ उग्र हो गई। इनका आरोप था कि इमारत में कई लोग और फंसे हैं, उनको बचाने के लिए कोई काम नहीं हो रहा। गुस्साई भीड़ ने बचाव दल पर पथराव कर दिया। हमले के दौरान दमकल की एक गाड़ी का सामने का शीशा टूट गया। बाद में पुलिस ने लोगों को खदेड़ा। सदर बाजार थाना पुलिस ने आग लगने के संबंध में मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की है। शुरुआती जांच के बाद आशंका व्यक्त की जा रही कि शार्ट सर्किट से आग लगी। क्राइम टीम व एफएसएल ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। हालांकि पुलिस आग की सही वजहों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। पुलिस के मुताबिक बुधवार तड़के 4.37 बजे पुलिस व दमकल विभाग को सूचना मिली कि तेलीवाड़ा, 12 टूटी चौक के पास बहादुरगढ़ रोड पर एक पांच मंजिला इमारत में आग लग गई है। सूचना मिलते ही शुरुआत में पांच गाड़ियों को भेजा गया। बाद में गाड़ियों को संख्या को और बढ़ा दिया गया। हादसे वाली इमारत करीब 250 गज में है। इमारत में ग्राउंड फ्लोर के अलावा ऊपर चार मंजिला है। पांचवीं मंजिल पर टिन शेड डालकर वहां माल रखा हुआ था, जबकि कुछ मजदूर छत पर डले टिन शेड में रहते भी थे। यहां अलग-अलग फ्लोर पर प्लास्टिक के खिलौने के गोदाम, रबर की बॉल, पर्स, चूड़ी और बिंदी के गोदाम बने हुए थे। हादसे के समय इमारत में कई ट्रक माल मौजूद था। आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते आग ने पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। घटनास्थल तक पहुंचने में दमकल कर्मियों को खासी दिक्कत हुई। बाद में करीब 25 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। इसमें हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म वाली गाड़ी भी शामिल है। उसकी मदद से ऊपरी मंजिलों पर पानी पहुंचा गया। बुधवार पूरे दिन चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शाम के समय चौथी मंजिल के टिन शेड से बुरी तरह जला हुआ एक शव बरामद हुआ। इसके बाद रात करीब 10 बजे दूसरा शव मिला। दोनों के शव बुरी तरह जल गए थे, पहचान मुश्किल थी।

लद्दाख बुद्ध विहार में फुट ओवर ब्रिज का शिलान्यास, मिलेगी सुरक्षित आवाजाही

-मुख्यमंत्री ने करीब तीन करोड़ रुपये की लागत से बनने फुट ओवर ब्रिज का किया शिलान्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कश्मीरी गेट स्थित आउटर रिंग रोड के पास लद्दाख बुद्ध विहार क्षेत्र में करीब तीन करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का शिलान्यास किया। इसके पूरा होने से लद्दाख बुद्ध विहार और मोनेस्ट्री मार्केट आने-जाने वाले लोगों को व्यस्त सड़क पार करने के लिए सुरक्षित सुविधा मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के निवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे कश्मीरी गेट और आउटर रिंग रोड के इस व्यस्त मार्ग पर फुट ओवर ब्रिज बनने से स्थानीय लोगों, श्रद्धालुओं व बाजार आने वाले लोगों को सड़क पार करने में काफी सुविधा होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस फुट ओवर ब्रिज का डिजाइन लद्दाखी वास्तुकला को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जिससे यह केवल एक यातायात सुविधा ही नहीं बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को भी दर्शाएगा।

उन्होंने कहा कि पुल में आधुनिक सुविधाओं के साथ लिफ्ट की व्यवस्था भी की जाएगी, ताकि बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और गर्भवती महिलाओं को भी आसानी से इसका उपयोग करने में सहूलियत मिल सके। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि लद्दाख बुद्ध विहार कॉलोनी से जुड़ी अन्य समस्याओं के समाधान के लिए भी सरकार गंभीरता से कार्य करेगी।

डीडीए उपाध्यक्ष से मिले रामवीर सिंह बिधूड़ी, मास्टर प्लान जल्द आने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली से सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर डीडीए के उपाध्यक्ष डॉ. एन. सरवन कुमार से मुलाकात की। इस बैठक में भाजपा विधायक करतार सिंह तंवर, गजेंद्र यादव और कुलदीप सोलंकी भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान दिल्ली के नए मास्टर प्लान और विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा की गई।

बैठक के बाद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बताया कि डीडीए उपाध्यक्ष ने आशा जताई है कि दिल्ली का नया मास्टर प्लान जल्द ही अधिसूचित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मास्टर प्लान-2041 का सभी को इंतजार है और इसके लागू होने से दिल्ली से जुड़ी कई समस्याओं का समाधान होगा। उन्होंने यह भी बताया कि डीडीए की ओर से लैंड पूलिंग और जीडीए नीति को लागू करने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी। रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बताया कि बैठक में डीडीए उपाध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि दक्षिण दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के सभी डीडीए पार्कों का विकास किया जाए और सामुदायिक केंद्रों को उन्नत बनाया जाए। इसके साथ ही ग्राम सभा की जमीन का उपयोग स्थानीय लोगों को नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बदरपुर विधानसभा क्षेत्र के नहर पार इलाके में स्थित हरीनगर, मीठापुर और जैतपुर वार्ड को 'ओ' जोन से हटाने की संभावना भी है। इसके अलावा दक्षिण दिल्ली के तेखंड गांव की उन दो कॉलोनियों में भी मालिकाना अधिकार देने और संपत्ति की रजिस्ट्री शुरू करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जिन्हें पहले ध्वस्तीकरण के आदेश दिए गए थे। इसके लिए डीडीए की ओर से इन गांवों में विशेष शिविर लगाए जाएंगे, जिससे स्थानीय लोगों को राहत मिलेगी।

लैंडफिल के कारण जहरीली हवा और दूषित पानी से दिल्ली में बीमारियां बढ़ीं: देवेंद्र यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली के भलस्वा, गाजीपुर और ओखला लैंडफिल स्थलों पर प्रतिदिन हजारों मीट्रिक टन कचरा डाले जाने से राजधानी की हवा जहरीली और भूमिगत जल अत्यंत दूषित हो गया है। उन्होंने कहा कि इन लैंडफिल स्थलों के आसपास रहने वाले लोगों को जहरीली हवा और दूषित पानी के कारण हृदय, फेफड़ों, त्वचा, खांसी, सांस फूलना और एलर्जी जैसी गंभीर बीमारियों के साथ-साथ मानसिक समस्याओं का भी सामना करना पड़ रहा है, लेकिन सरकार इस गंभीर समस्या पर ध्यान नहीं दे रही है।

देवेंद्र यादव ने कहा कि पिछले 12 वर्षों से आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की सरकारों की असंवेदनशीलता के कारण तीनों लैंडफिल स्थलों पर कचरे का भार कम होने के बजाय लगातार बढ़ता जा रहा है। उन्होंने बताया कि दिल्ली में प्रतिदिन लगभग 11,852 मीट्रिक टन कचरा उत्पन्न होता है, जिसमें से करीब 64 से 70 प्रतिशत का ही निस्तारण हो पाता है, जबकि शेष लगभग 4000 मीट्रिक टन कचरा प्रतिदिन लैंडफिल स्थलों पर डाला जा रहा है।

उन्होंने कहा कि लैंडफिल स्थलों पर लगने वाली आग से वायु प्रदूषण बढ़ता है और कचरे के सड़ने से निकलने वाला तरल पदार्थ जमीन में रिसकर भूमिगत जल को दूषित कर देता है। उन्होंने दावा किया कि इन लैंडफिल स्थलों के आसपास की कॉलोनियों में 11 स्थानों से लिए गए भूमिगत जल के नमूनों में पानी मानकों से कई गुना अधिक दूषित और जहरीला पाया गया है। उनके अनुसार दिल्ली का भूमिगत जल लगभग 15 गुना तक अशुद्ध हो चुका है, जो अत्यंत चिंता का विषय है।

देवेंद्र यादव ने बताया कि सामान्य परिस्थितियों में पानी में घुलित ठोस पदार्थ 500 मिलीग्राम, क्लोराइड 250 मिलीग्राम, कैल्शियम कार्बोनेट 200 मिलीग्राम और कैल्शियम 75 मिलीग्राम होना चाहिए, लेकिन गाजीपुर लैंडफिल के पास लिए गए नमूनों में टीडीएस 5120, क्लोराइड 1661, कैल्शियम कार्बोनेट 1436 और कैल्शियम 229 मिलीग्राम पाया गया। इसी तरह भलस्वा लैंडफिल के आसपास के नमूनों में टीडीएस 4100, क्लोराइड 1691, कैल्शियम कार्बोनेट 1536 और कैल्शियम 136 मिलीग्राम दर्ज किया गया, जबकि ओखला लैंडफिल के पास टीडीएस 3680, क्लोराइड 1491, कैल्शियम कार्बोनेट 1476 और कैल्शियम 192 मिलीग्राम पाया गया।

उन्होंने कहा कि जहरीली हवा और दूषित पानी के कारण क्षेत्रीय अस्पतालों में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जहां फरवरी का महीना आमतौर पर प्रदूषण के लिहाज से बेहतर रहता है, वहीं वर्ष 2026 में फरवरी का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 232 रहा, जो खतरनाक श्रेणी मंच आता है।

देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि सत्ता में आने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली की जनता से किए गए वादों को पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार लोगों को स्वच्छ हवा और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद तीनों कूड़े के पहाड़ कम नहीं हो रहे हैं और हर दिन इन पर अतिरिक्त भार बढ़ता जा रहा है। इसके कारण आसपास की कॉलोनियों के लोगों को धुएं और बदबू का सामना करना पड़ता है और उनकी जिंदगी कठिन हो गई है, लेकिन इस समस्या के समाधान के लिए सरकार के पास कोई ठोस योजना नहीं है।

'ऐसा कोई सगा नहीं जिसे भाजपा ने ठगा नहीं', सौरभ भारद्वाज का तीखा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने भारतीय जनता पार्टी की गठबंधन राजनीति को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपने सहयोगी दलों के साथ पहले राजनीतिक साझेदारी करती है और बाद में उन्हें कमजोर कर उनकी राजनीतिक जमीन पर कब्जा कर लेती है।

सौरभ भारद्वाज ने सामाजिक माध्यम मंच 'एक्स' पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा की राजनीति का एक ही सिद्धांत रहा है- ÷ऐसा कोई सगा नहीं, जिसको भाजपा ने ठगा नहीं।÷ उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा जिन दलों के साथ मिलकर आगे बढ़ती है, बाद में उन्हीं को भीतर से कमजोर कर देती है।

भारद्वाज ने कहा कि भाजपा जब किसी नए राज्य में अपनी राजनीतिक मौजूदगी मजबूत करना चाहती है तो वहां पहले क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन करती है। इसके बाद धीरे-धीरे उन्हीं दलों के नेताओं को तोड़कर या राजनीतिक रूप से कमजोर कर उनके जनाधार को अपने पक्ष में करने की कोशिश करती है। उन्होंने इसे 'दीमक की तरह भीतर से खत्म करने' की रणनीति बताया।

आम आदमी पार्टी के नेता ने देश के कई प्रमुख क्षेत्रीय नेताओं और दलों का उल्लेख करते हुए कहा कि कई ऐसे राजनीतिक सहयोगी रहे हैं जो कभी भाजपा के साथ खड़े थे, लेकिन समय के साथ राजनीतिक समीकरण बदल गए। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, महाराष्ट्र के नेता उद्धव ठाकरे, ओडिशा के नेता नवीन पटनायक, पंजाब में अकाली दल के नेतृत्व और जम्मू-कश्मीर में महबूबा मुफ्ती के साथ हुए राजनीतिक घटनाक्रमों का उदाहरण देते हुए भाजपा की गठबंधन नीति पर सवाल उठाए।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा के साथ लंबे समय तक सहयोग करने वाले कई दल आज राजनीतिक संकट या अलगाव की स्थिति में दिखाई देते हैं। उनका आरोप है कि भाजपा की रणनीति क्षेत्रीय दलों के प्रभाव को समाप्त कर देश की राजनीति में एकछत्र वर्चस्व स्थापित करने की है।

उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में भाजपा के साथ सत्ता में शामिल कुछ सहयोगी दलों को भी इस इतिहास से सबक लेना चाहिए। उनके अनुसार महाराष्ट्र में शिवसेना और पंजाब में अकाली दल जैसे पुराने सहयोगियों के साथ हुए राजनीतिक घटनाक्रम इस बात का उदाहरण हैं कि गठबंधन राजनीति में भाजपा का रुख समय के साथ बदलता रहा है।

हालांकि भाजपा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि कई क्षेत्रीय दल अपने आंतरिक मतभेदों और जनसमर्थन में कमी के कारण कमजोर हुए हैं। पार्टी के प्रवक्ताओं का कहना है कि इन राजनीतिक परिस्थितियों के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सौरभ भारद्वाज का यह बयान आगामी राजनीतिक समीकरणों और विपक्षी दलों की एकजुटता के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वहीं यह बयान गठबंधन राजनीति को लेकर चल रही बहस को भी एक बार फिर तेज कर सकता है।

असल समस्याओं से भाग रही है भाजपा, उनका एकमात्र काम केजरीवाल को गाली देना :आतिशी

-केजरीवाल की पेशी की कार्यवाही लाइव दिखाने की मांग, आतिशी ने सरकार को दी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की विधानसभा की विशेषाधिकार समिति के सामने होने वाली पेशी को लेकर सरकार को खुली चुनौती दी है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि यदि सरकार में हिम्मत है तो शुक्रवार को होने वाली पूरी कार्यवाही की सीधी प्रसारण के माध्यम से जनता को दिखाया जाए, ताकि दिल्ली के लोग सच्चाई जान सकें।

पार्टी मुख्यालय में विधायक संजीव झा के साथ आयोजित संवाददाता सम्मेलन में आतिशी ने कहा कि यदि पेशी की कार्यवाही का सीधा प्रसारण किया जाता है तो जनता के सामने यह स्पष्ट हो जाएगा कि सरकार के पास जनहित के मुद्दों की बजाय केवल अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगाने का ही एजेंडा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बिजली, पानी, सड़कों, विद्यालयों और अस्पतालों जैसे मुद्दों की अनदेखी कर रही है।

आतिशी ने कहा कि विशेषाधिकार समिति ने अरविंद केजरीवाल को उस कथित फांसीघर के मुद्दे पर तलब किया है, जो दिल्ली विधानसभा परिसर में होने का दावा किया गया था। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान विधानसभा भवन का नवीनीकरण कराया गया था। इस दौरान एक बंद कमरे को खोला गया, जहां से सुरंगनुमा रास्ता मिला और वहां रस्सियां, कांच की गोलियां तथा कुछ पुराने जूते और कपड़े भी पाए गए थे।

उनका कहना था कि जब इस स्थान की तुलना ब्रिटिश काल के दस्तावेजों से की गई तो संकेत मिले कि उस समय वहां मजिस्ट्रेट का न्यायालय संचालित होता था। न्यायालय के निर्णय के बाद कुछ कैदियों को वहां रखा जाता था। रस्सियों और अन्य वस्तुओं को देखकर यह आशंका व्यक्त की गई कि वह स्थान उन गुप्त स्थानों में से एक हो सकता है, जहां ब्रिटिश शासन के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों को चुपचाप दंडित किया जाता था।

आतिशी ने बताया कि उस समय विधानसभा ने निर्णय लिया था कि इस स्थान को आम लोगों के लिए खोला जाएगा, ताकि लोग ब्रिटिश शासन की कार्यप्रणाली के बारे में जान सकें। बाद में तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, तत्कालीन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, स्पीकर रामनिवास गोयल और उपाध्यक्ष राखी बिड़लान ने इसका उद्घाटन भी किया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि अब सरकार इस स्थान को फांसीघर मानने से इंकार कर रही है। आतिशी ने कहा कि सरकार का यह रुख समझ से परे है और ऐसा प्रतीत होता है कि इतिहास से जुड़े तथ्यों को नकारने की कोशिश की जा रही है। उनका कहना था कि जहां रस्सियां, गोलियां और पुराने कपड़े मिले हों, उस स्थान को साधारण विश्राम कक्ष बताना कई सवाल खड़े करता है।

आतिशी ने यह भी कहा कि सरकार को जनता से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजधानी में प्रदूषण, पानी की गुणवत्ता, सड़कों की स्थिति और निजी विद्यालयों की फीस जैसे मुद्दे गंभीर हैं, लेकिन इन पर चर्चा करने के बजाय राजनीतिक विवाद को प्राथमिकता दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने जनप्रतिनिधियों को काम करने के लिए चुना है और सरकार को उसी दिशा में ध्यान देना चाहिए। आम आदमी पार्टी ने मांग की है कि विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही पारदर्शिता के साथ जनता के सामने लाई जाए, ताकि पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके।

श्याम रंगीलोत्सव में होली परिवार मिलन समारोह आयोजित

नई दिल्ली (एजेंसी)। अग्रवाल सेवा संगठन दिल्ली प्रदेश की ओर से फागुन के पावन अवसर पर होली परिवार मिलन समारोह 卐श्री श्याम रंगीलोत्सव-2026卐 का भव्य आयोजन हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संस्था के सदस्य, उनके परिवार और समाज के लोग शामिल हुए तथा रंगों के इस पर्व को आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक संजय गोयल, विधायक डॉ. अनिल गोयल, पूर्व महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल और निगम पार्षद संदीप कपूर भी मौजूद रहे। अतिथियों ने संस्था के सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत बनाने का कार्य करते हैं। समारोह के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, संगीत और फूलों की होली ने माहौल को पूरी तरह उत्सवमय बना दिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। साथ ही लकी ड्रॉ के माध्यम से 20 ग्राम के 10 चांदी के सिक्कों का वितरण भी किया गया, जिससे कार्यक्रम में खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर संस्था की ओर से समाज के कुछ गणमान्य व्यक्तियों को 'श्याम रत्न' सम्मान से भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में संस्था के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों, सदस्यों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन भविष्य में भी समाज सेवा और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जोड़ने का कार्य करता रहेगा।

तेल की आपूर्ति ठप होने की आशंका से दिल्ली के कारोबारियों की चिंता बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान-इजरायल के बीच चल रहे युद्ध के लंबे समय तक खिंचने की आशंका के बीच अब इसका असर देश की अर्थव्यवस्था और उद्योग जगत पर पड़ने की चिंता बढ़ने लगी है। दिल्ली के व्यापारियों और उद्योगपतियों का मानना है कि यदि अंतरराष्ट्रीय हालात जल्द नहीं सुधरे तो कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आ सकती है, जिसका सीधा असर उत्पादन लागत, माल ढुलाई और बाजार में वस्तुओं की कीमतों पर पड़ेगा। व्यापारियों का कहना है कि त्योहारी सीजन से पहले अगर तेल के दाम बढ़ते हैं तो इसका असर उत्पादन से लेकर बाजार तक हर स्तर पर दिखाई देगा। उद्योगों में कच्चा माल लाने और तैयार माल को बाजार तक पहुंचाने में ट्रांसपोर्ट का बड़ा खर्च होता है, जो सीधे तौर पर डीजल और पेट्रोल की कीमतों पर निर्भर करता है। उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के अनुसार यदि तेल की कीमतों में बढ़ोतरी होती है तो माल ढुलाई का किराया भी बढ़ जाएगा। इससे फैक्ट्रियों में बनने वाले उत्पादों की लागत बढ़ेगी और कंपनियों को मजबूरी में उत्पादों के दाम बढ़ाने पड़ सकते हैं। इससे बाजार में महंगाई बढ़ने की संभावना है। दिल्ली के उद्योग संगठनों के पदाधिकारियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी भी युद्ध का असर सीधे अर्थव्यवस्था और उद्योगों पर पड़ता है। यदि ईरान-इजरायल युद्ध लंबा चलता है तो वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में अस्थिरता आ सकती है, जिसका प्रभाव भारत जैसे तेल आयात करने वाले देशों पर अधिक पड़ेगा। व्यापारिक संगठनों का कहना है कि उद्योग पहले से ही कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय तनाव और युद्ध से आर्थिक दबाव और बढ़ सकता है। त्योहारी सीजन उद्योगों और बाजार के लिए सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। इस दौरान मांग बढ़ने की उम्मीद रहती है, लेकिन अगर उत्पादन लागत और ट्रांसपोर्ट खर्च बढ़ते हैं तो इसका असर बिक्री पर भी पड़ सकता है। उद्योग प्रतिनिधियों ने कहा कि यदि युद्ध का दायरा खाड़ी देशों तक फैलता है तो वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित हो सकती है और कच्चे माल की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो सकती है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आयात करता है, इसलिए किसी भी तरह की आपूर्ति बाधित होने से देश की ऊर्जा जरूरतों पर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति और स्थिरता बेहद जरूरी है, ताकि वैश्विक बाजार और अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर कम हो सके।

रंगपुरी स्थित गोदाम में आग लगी, करोड़ों का सामान खाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-दक्षिण पश्चिमी दिल्ली में हवाई अड्डे के पास रंगपुरी इलाके में स्थित एक गोदाम में बृहस्पतिवार को आग लग गई। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। वसंतकुंज (साउथ) थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के बताया कि बृहस्पतिवार सुबह 10 बजकर 10 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद दमकल की कई गाड़ियां को मौके पर भेजा गया। उन्होंने कहा कि हमने आग बुझाने के लिए तुरंत दमकल की नौ गाड़ियां मौके पर भेजीं। आग में किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है। यह आग एक मालवाहक कंपनी के गोदाम में लगी, जहां देश और विदेश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले माल का भंडारण तथा प्रेषण किया जाता है। आग बहुत ज्यादा भीषण थी, जिसे बुझाने का अभियान जारी है। गोदाम के कर्मचारियों ने बताया कि होली के उत्सव के कारण सुबह गोदाम बंद था, तभी आग लग गई।

ग्रेटर नोएडा में 300 बेड वाले केडीएसजी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का उद्घाटन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया लोकार्पण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को ग्रेटर नोएडा (वेस्ट) के सेक्टर 10 में 300 बेड वाले केडीएसजी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने अस्पताल में स्थापित अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का निरीक्षण भी किया। यह अस्पताल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करने तथा तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्रों में उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह अस्पताल वर्ष 1983 की विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान कपिल देव और उद्योगपति सुनील कुमार गुप्ता द्वारा स्थापित किया गया है। मुख्यमंत्री ने इस पहल के लिए दोनों को बधाई देते हुए कहा कि इस अस्पताल की स्थापना से गौतमबुद्ध नगर जनपद के साथ साथ आसपास के जिलों और पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से देश के करोड़ों गरीब और जरूरतमंद परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि देश में लगभग 60 करोड़ लोग इस योजना का लाभ ले रहे हैं और उत्तर प्रदेश इसके प्रभावी क्रियान्वयन में अग्रणी राज्य बना हुआ है। प्रदेश में अब तक पांच करोड़ साठ लाख से अधिक गोल्डन कार्ड बनाए जा चुके हैं, जिनके माध्यम से पात्र लोग सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों में उपचार प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा की परिभाषा केवल आधुनिक सुविधाओं तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि

यह सस्ती, सुलभ और विश्वसनीय भी होनी चाहिए। मरीज जब चिकित्सक के पास जाता है तो वह विश्वास के साथ जाता है। चिकित्सक का व्यवहार, उसकी सलाह और सेवा भावना मरीज के मनोबल को बढ़ाती है। कई बार चिकित्सक का अच्छा व्यवहार ही मरीज की आधी बीमारी समाप्त कर देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 तक देश में केवल छह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान कार्यरत थे, जबकि आज देश में 23 से अधिक ऐसे संस्थान स्थापित हो चुके हैं। उत्तर प्रदेश में भी स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में केवल 17 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि वर्तमान में एक जनपद एक मेडिकल कॉलेज के लक्ष्य के तहत प्रदेश में 81 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि 300 बेड वाले इस अस्पताल के संचालन से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग एक हजार युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। इनमें चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, तकनीशियन और अन्य कर्मचारी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार आयुष्मान भारत योजना के साथ साथ शिक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं और अन्य कर्मचारियों को भी पांच लाख रुपये तक की नकद रहित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा रही है। इसके अतिरिक्त जरूरतमंद लोगों को मुख्यमंत्री राहत कोष से भी सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश की अर्थव्यवस्था में विकास के इंजन के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है। गौतमबुद्ध नगर में जल्द ही नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, जेवर शुरू होने जा रहा है, जो देश का सबसे बड़ा हवाई अड्डा होगा। इसके साथ ही मोबाइल निर्माण उद्योग, चिकित्सा उपकरण पार्क और अन्य औद्योगिक परियोजनाएं इस क्षेत्र में विकसित हो रही हैं। अस्पताल में अत्याधुनिक शल्य कक्ष, बहु विशेषता गहन चिकित्सा इकाई, कैथेटर प्रयोगशाला, आपातकालीन और आघात उपचार केंद्र तथा रेडियोलॉजी, पैथोलॉजी और न्यूक्लियर मेडिसिन से जुड़ी आधुनिक जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यहां हृदय रोग, कैंसर, तंत्रिका रोग, अस्थि रोग, पाचन तंत्र रोग और गहन चिकित्सा सहित कई विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध होंगी। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह, सांसद महेश शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, विधायक धीरेन्द्र सिंह, विधान परिषद सदस्य नरेन्द्र भाटी, भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसोदिया, जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, महानगर अध्यक्ष महेश चौहान सहित पुलिस, प्रशासन और अस्पताल प्रबंधन के अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क किनारे घायल मिला गुलदार, शेरकोट क्षेत्र में मची अफरातफरी

बिजनौर (शिखर समाचार) थाना शेरकोट क्षेत्र के ग्राम भनौटी में गुरुवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब रामगंगा मार्ग पर सड़क किनारे एक गुलदार घायल अवस्था में पड़ा मिला। घायल गुलदार को देखने के लिए मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई और पूरे क्षेत्र में अफरातफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि सुबह के समय मार्ग से गुजर रहे कुछ ग्रामीणों की नजर सड़क किनारे पड़े गुलदार पर पड़ी। पास जाकर देखने पर पता चला कि गुलदार बुरी तरह लहूलुहान था और चलने फिरने की स्थिति में नहीं था। यह खबर गांव में तेजी से फैल गई, जिसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। लोगों में भय और उत्सुकता दोनों का माहौल देखने को मिला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गुलदार बेहद कमजोर हालत में दिखाई दे रहा था और वह उठने का प्रयास भी नहीं कर पा रहा था। आशंका

जताई जा रही है कि किसी अन्य वन्यजीव के साथ आपसी संघर्ष के दौरान वह गंभीर रूप से घायल हुआ होगा। वहीं कुछ ग्रामीणों का मानना है कि जंगली सुअरों के झुंड के हमले में भी गुलदार घायल हो सकता है। हालांकि अभी तक इसके पीछे की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। घटना की सूचना तुरंत वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके के लिए रवाना हो गई और गुलदार को सुरक्षित रेस्क्यू करने की तैयारी शुरू कर दी गई। मौके पर मौजूद लोगों को गुलदार से दूरी बनाए रखने के लिए भी चेतावनी दी गई, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। डिप्टी रेंजर हरदेव सिंह ने बताया कि वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रही है। उन्होंने बताया कि घायल गुलदार को सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू कर उपचार के लिए वन्यजीव चिकित्सकों के पास भेजा जाएगा। टीम यह भी जांच करेगी कि गुलदार किस कारण से घायल हुआ है। वन विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे मौके पर भीड़ न लगाएं और वन्यजीवों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि गुलदार के घायल होने के पीछे असली कारण क्या है।

स्व. ओम कुमार द्विवेदी की 16वीं पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

शामली (शिखर समाचार) श्री मंदिर हनुमान टीला के संस्थापक प्रधान स्वर्गीय ओम कुमार द्विवेदी की 16वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए समाज के प्रति उनके योगदान को सराहा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सदर विधायक प्रसन्न चौधरी ने कहा कि समाज में बहुत कम लोग ऐसे होते हैं जिन्हें इस दुनिया से जाने के बाद भी लंबे समय तक याद किया जाता है। स्वर्गीय ओम कुमार द्विवेदी ऐसी ही प्रेरणादायी शख्सियत थे, जिन्होंने मंदिर हनुमान टीला के निर्माण और विकास के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

उन्होंने कहा कि उनके प्रयासों से निर्मित यह धार्मिक स्थल आज केवल शामली ही नहीं बल्कि पूरे जनपद और आसपास के क्षेत्रों के

लिए एक महत्वपूर्ण पहचान और आस्था का केंद्र बन चुका है। इस अमूल्य धरोहर को सुरक्षित रखना और इसे आगे बढ़ाना हम सभी का परम कर्तव्य है। उन्होंने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि सभी मिलकर इस पवित्र स्थल की गरिमा को बनाए रखने और इसे और विकसित करने का संकल्प लें।

इस अवसर पर मंदिर हनुमान टीला रामलीला रंगमंच के कलाकारों और भजन गायकों उत्तम नामदेव, पंडित दिनेश पाठक, लाल सिंह लचक और आदेश शर्मा ने विभिन्न भजनों के माध्यम से स्वर्गीय ओम कुमार द्विवेदी को भावपूर्ण स्वरांजलि अर्पित की। इससे पूर्व मंदिर के पंडित देवानंद पांडेय ने विधिवत पूजा अर्चना संपन्न कराई।

श्रद्धांजलि सभा में विजय कुमार द्विवेदी, शरद द्विवेदी, रमेश धीमान, प्रमोद नामदेव, अनुराग शर्मा, चंचल द्विवेदी, आमोद द्विवेदी, पीयूष द्विवेदी, मयंक द्विवेदी, अनुज गर्ग, कुलदीप पवार, प्रदीप पवार, मुकेश मैनेजर, भोला शर्मा, राकेश शर्मा, राजकुमार मित्तल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शामली पुलिस की सख्ती: एसपी एन पी सिंह ने हसनपुर लुहारी में पैदल गश्त कर परखी सुरक्षा व्यवस्था

शामली (शिखर समाचार) जनपद में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक एन पी सिंह ने थाना थानाभवन क्षेत्र के ग्राम हसनपुर लुहारी में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की स्थिति का निरीक्षण करते हुए पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

पैदल गश्त के दौरान गांव के संवेदनशील स्थानों, भीड़ भाड़ वाले इलाकों, मुख्य मार्गों तथा बाजार क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक ने मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों को क्षेत्र में सतर्कता बरतने और नियमित गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी प्रकार की अवांछनीय गतिविधि को समय रहते रोका जा सके।

गश्त के दौरान एसपी ने स्थानीय नागरिकों, गणमान्य व्यक्तियों तथा व्यापारियों से भी बातचीत की। उन्होंने आगामी त्योहारों को ध्यान

में रखते हुए सभी से शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने में आमजन का सहयोग बेहद महत्वपूर्ण है।

पुलिस अधीक्षक ने संबंधित थाना प्रभारी और पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों पर विशेष नजर रखी जाए। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक और उत्तेजक पोस्टों पर भी कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को दी जाए, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

एसपी एन पी सिंह ने आमजन से भी अपील की कि किसी भी आपात स्थिति या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत स्थानीय पुलिस को दें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनपद पुलिस क्षेत्र में शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

सरेशाम शिवालय हेल्थ केयर सेंटर के संचालक की निर्मम हत्या, नगीना में फैली सनसनी

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार) नगीना धामपुर रोड स्थित शिवालय हेल्थ केयर सेंटर के संचालक डॉक्टर की सरेशाम अज्ञात हमलावर द्वारा धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। घटना के बाद हमलावर हवाई फायर करता हुआ मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगीना धामपुर रोड पर टेलीफोन एक्सचेंज के निकट राजकुमार पुत्र अमर सिंह के मकान में शिवालय हेल्थ केयर सेंटर के नाम से एक अस्पताल संचालित है। इस अस्पताल का संचालन गाजियाबाद निवासी डॉक्टर राजकुमार (लगभग 45 वर्ष) कर रहे थे। बताया जाता है कि गुरुवार देर शाम डॉक्टर राजकुमार अपने केबिन में बैठे मरीजों को देख रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति अस्पताल में पहुंचा। अस्पताल के स्टाफ ने उसे गेट पर रोकने का प्रयास किया, लेकिन उसने यह कहते हुए कि उसे अपने मरीज का पर्चा डॉक्टर को दिखाना है, सीधे केबिन की ओर रुख कर लिया। केबिन में पहुंचते ही उसने अचानक धारदार हथियार से डॉक्टर पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में डॉक्टर के सीने पर दो गंभीर वार किए गए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर वहीं बेहोश होकर गिर पड़े। घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर हवाई फायरिंग करता हुआ मौके से फरार हो गया। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग और अस्पताल का स्टाफ मौके पर पहुंचे और डॉक्टर को लहूलुहान हालत में पड़ा देखा। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल डॉक्टर को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और गाजियाबाद में रह रहे उनके परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है तथा हमलावर की तलाश में जुट गई है। दिनदहाड़े हुई इस सनसनीखेज वारदात से नगीना क्षेत्र में दहशत और सनसनी का माहौल बना हुआ है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

नितिन मलिक के कार्यक्रम में खाप चौधरियों की मौजूदगी ने बढ़ाई चर्चा

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) फुगाना में आयोजित होली मिलन समारोह ने बुढ़ाना विधानसभा की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। भाजपा जिला उपाध्यक्ष नितिन मलिक द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सर्व समाज के हजारों लोग उपस्थित रहे। सामाजिक मेल मिलाप के इस आयोजन को राजनीतिक गलियारों में आगामी विधानसभा चुनाव की संभावित तैयारियों से जोड़कर भी देखा जा रहा है। फुगाना में मेरठ करनाल राजमार्ग पर स्थित एक बैंक्वेट हॉल में आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में सर्व समाज से जुटी भीड़ ने सामाजिक एकजुटता का संदेश दिया। समाज में सक्रिय भूमिका निभाने वाले कुशवाहा चौबीसी के अध्यक्ष घासीराम ठाकुर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। समारोह में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और आपसी भाईचारे के साथ होली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में नितिन

मलिक द्वारा क्षेत्र में गिरते जल स्तर की समस्या से निपटने के लिए चार बोरवेल लगवाने के प्रयासों की चर्चा भी रही। इसके साथ ही भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान के दौरान बुढ़ाना क्षेत्र से लगभग 15 हजार लोगों की ऑनलाइन सदस्यता कराए जाने का भी उल्लेख किया गया। आयोजन के दौरान कई सामाजिक संगठनों, ग्रामीण प्रतिनिधियों और क्षेत्र के गणमान्य लोगों की भागीदारी देखने को मिली। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा रालोद गठबंधन के मौजूदा समीकरणों के बीच बुढ़ाना विधानसभा सीट को लेकर गतिविधियां तेज हो रही हैं। ऐसे आयोजनों को संभावित दावेदारों की सक्रियता और जनसंपर्क बढ़ाने के प्रयास के रूप में भी देखा जा रहा है। एक मंच पर दिखे दो बड़ी खापों के चौधरी कार्यक्रम के दौरान जाट समाज की दो बड़ी खापों के चौधरी का एक मंच पर दिखाई देना भी चर्चा का विषय बना रहा। बालियान खाप के चौधरी नरेश टिकैत और गठवाला खाप के चौधरी राजेंद्र मलिक की एक साथ उपस्थिति को सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना गया। दोनों खापों के प्रमुखों का एक मंच पर आना सामाजिक संवाद, एकजुटता और आपसी सामंजस्य का संकेत माना जा रहा है।

समारोह में मौजूद लोगों ने इसे सामाजिक सौहार्द और भाईचारे को मजबूत करने वाला आयोजन बताया। वहीं राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि ऐसे आयोजनों के जरिए क्षेत्र में सामाजिक समीकरणों और राजनीतिक माहौल पर भी असर पड़ता है।

होली के दिन पुष्पावती पूठ गांव में दिनदहाड़े फायरिंग, 40 वर्षीय विजय केवट की हत्या

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र के पुष्पावती पूठ गांव में होली के दिन दिनदहाड़े फायरिंग की घटना में 40 वर्षीय विजय केवट की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार बुधवार दोपहर होली के दिन कुछ युवक बाइक से गांव में होली खेलने आए थे। इसी दौरान गांव में अनिल केवट की दुकान के सामने बाइक टकराने को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद के बाद आरोपी वहां से जाने लगे। इसी बीच अनिल के पिता विजय केवट को घटना की जानकारी मिली और वह मौके पर पहुंच गए। बताया जाता है कि विजय केवट ने गांव के नट मंदिर के पास आरोपियों को रोककर विवाद का कारण पूछा। इस दौरान आरोपियों ने अचानक विजय केवट पर फायरिंग कर दी। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल विजय को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक धीरज मलिक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। बाद में पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह और क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। गुरुवार को मृतक के परिजन और ग्रामीण थाना बहादुरगढ़ पहुंच गए और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। स्थिति को देखते हुए आसपास के थानों की पुलिस को भी बुलाया गया। क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह ने ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया और जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

शामली में दबंगों का कहर: घर में घुसकर महिलाओं से अभद्रता, विरोध करने पर धारदार हथियारों से हमला

शामली (शिखर समाचार) जनपद के आर्यपुरी मोहल्ले में बीती रात दबंगों द्वारा महिलाओं पर जानलेवा हमला किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ युवक जबरन एक घर में घुस आए और वहां मौजूद महिलाओं के साथ अश्लील व आपत्तिजनक हरकतें करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने देशी तमंचे और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। पीड़ित परिवार के अनुसार देर रात कुछ युवक घर में घुस आए और गाली गलौज करते हुए महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार करने लगे। जब महिलाओं और परिजनों ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने तमंचे लहराते हुए जान से मारने की धमकी दी और धारदार हथियारों से हमला बोल दिया। अचानक हुए इस हमले से घर में अफरा तफरी मच गई। हमले में महिलाओं सहित परिवार के अन्य सदस्य भी घायल हो गए। घायलों की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचने लगे, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद मोहल्ले में दहशत का माहौल बना हुआ है। पीड़ित पक्ष ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस को तहरीर दी है। उनका कहना है कि दबंगों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे देर रात घर में घुसकर महिलाओं से छेड़छाड़ और मारपीट जैसी वारदात को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में रोष है और स्थानीय नागरिकों ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

अशांत विश्व में अध्यात्म ही शांति का मार्ग : सतपाल महाराज

मुरादनगर (शिखर समाचार)। मानव उत्थान सेवा समिति के तत्वावधान में गंग नहर स्थित सतलोक आश्रम में होली के पावन पर्व पर आयोजित दो दिवसीय सत्संग एवं सद्भावना समारोह का समापन श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ। समारोह के समापन अवसर पर आध्यात्मिक गुरु सतपाल महाराज ने कहा कि वर्तमान समय में पूरा विश्व अशांति, तनाव और असंतोष के दौर से गुजर रहा है। ऐसे कठिन समय में अध्यात्म ही ऐसा मार्ग है, जो मनुष्य को वास्तविक शांति, प्रेम और सद्भाव का अनुभव कराता है।

सतपाल महाराज ने कहा कि आधुनिक जीवन में मनुष्य भौतिक उपलब्धियों की दौड़ में इतना व्यस्त हो गया है कि वह अपनी आत्मिक उन्नति को भूलता जा रहा है। उन्होंने

कहा कि जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए मनुष्य को अपने भीतर झांकने की आवश्यकता है। जब व्यक्ति ध्यान, भजन और सुमिरन के माध्यम से अध्यात्म से जुड़ता है, तभी उसे सच्ची आत्मिक शांति और संतोष की अनुभूति होती है।

उन्होंने कहा कि अध्यात्म केवल किसी एक धर्म या पंथ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समस्त मानवता के लिए शांति और प्रेम का संदेश देता है। यदि समाज में अध्यात्म की भावना को बढ़ावा दिया जाए तो आपसी वैमनस्य, हिंसा और तनाव जैसी समस्याओं का समाधान स्वतः ही संभव हो सकता है। इस अवसर पर

माता अमृता ने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों को अच्छे संस्कार देने की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि आज के परिवेश में अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को केवल भौतिक शिक्षा ही न दें, बल्कि उन्हें नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों से भी परिचित कराएं। माता अमृता ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को सत्संग और सकारात्मक आध्यात्मिक वातावरण से जोड़ें। इससे बच्चों में अनुशासन, मयार्दा, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों का विकास होगा, जो उन्हें जीवन में सही दिशा प्रदान करेगा।

कार्यक्रम की शुरूआत में गुरु महाराज, पूज्य माता एवं अन्य अतिथियों का संस्था के पदाधिकारियों द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इसके बाद सत्संग का आयोजन हुआ, जिसमें भजन गायकों ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देकर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालु भजनों और सत्संग के माध्यम से आध्यात्मिक आनंद में सराबोर दिखाई दिए। इस दौरान संस्था के यूथ विंग और कार्यकताओं ने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत आश्रम परिसर में विशेष सफाई अभियान भी चलाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संतोष यादव ने किया। समारोह में आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और अनुयायी उपस्थित रहे और सभी ने सत्संग का लाभ प्राप्त किया।

शंकराचार्य बोले-योगी के पास 6 दिन का समय बचा

गाय को राष्ट्रमाता घोषित करें; जो करना है कर लें, हम पीछे नहीं हटेंगे

वाराणसी (एजेंसी)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा- सीएम योगी के पास अभी 6 दिन का समय बचा है। वह गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित कर दें। अभी तक उनकी तरफ से कोई बयान नहीं आया है। उनके ही पार्टी के अन्य लोग समर्थन कर रहे हैं, लेकिन कोई खुलकर सामने नहीं आ रहा है। 7 मार्च को हनुमान चालीसा का पाठ कर वाराणसी से लखनऊ के लिए निकलेंगे। वहां पर सभी साधु संतों के सामने हम अपने फैसले सुनाएंगे। उन लोगों का चेहरा भी सामने लाएंगे, जो लोग हमारे इस अभियान में साथ हैं। शंकराचार्य ने गुरुवार को कहा- रास्ते में हमें जहां रोका जाएगा, हम कानून का पूरा साथ देंगे। उम्मीद है कि ये धर्म की यात्रा है, इसमें कोई बाधा नहीं आएगी। अपने निर्धारित मार्ग और कार्यक्रम के अनुसार ही लखनऊ के लिए बढ़ेंगे। हम अपने मार्ग पर निकलेंगे और जो भी निर्णय लेना होगा, वह अपने धर्म और परंपरा के अनुसार लेंगे। प्रशासन को जो करना है वह करे, लेकिन अपने तय कार्यक्रम से पीछे नहीं हटेंगे। शंकराचार्य ने बताया कि वह गाय और सनातन की रक्षा के लिए 11 मार्च को लखनऊ में सभा करेंगे। 6 मार्च को बड़े भगवान चिंता गणेश का पूजन पाठ होगा। इसी दिन वीर शिरोमणि छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती पर संकल्प लेंगे। फिर 7 मार्च की शाम संकट मोचन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ करेंगे। इसके बाद लखनऊ

यात्रा के लिए निकलेंगे। कई जिलों से होते हुए और रात्रि विश्राम करते हुए 10 मार्च को लखनऊ पहुंचेंगे। यहां 11 मार्च को शीतला अष्टमी पर काशीराम मैदान में गौ ध्वज प्रतिष्ठा किया जाएगा। इसके बाद धर्म युद्ध शुरू होगा, जो लोग भी गौ माता की रक्षा के लिए आना चाहते हैं, वह आएं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से उनके मठ में मुलाकात की। आशीर्वाद लेकर हाल के घटनाक्रम पर विस्तार से चर्चा की। अजय राय ने शंकराचार्य से कहा- अभी जब हम लखनऊ में थे, तब पुलिस ने हमें रास्ते में रोक दिया। प्रशासन ने मुझे आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी और होली का हवाला देकर रोक लिया। उन्होंने प्रशासन की ओर से जारी जिलाधिकारी का लेटर भी शंकराचार्य को दिखाया। कहा कि यह पत्र बताता है कि प्रशासन किस आधार पर लोगों को रोक रहा है।मुलाकात के बाद शंकराचार्य ने कहा- होली के बाद अजय राय हमसे मुलाकात करने आए थे। गंगा अभियान को लेकर कुछ चचाएं हुई। लेकिन, कोई बहुत बड़ी बात नहीं की गई है। यह एक मुलाकात थी। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का इस कार्यक्रम को लेकर एक बयान चर्चा में है। केशव ने कहा था कि शंकराचार्य लखनऊ आएंगे, तो रामभक्त के नाते स्वागत करेंगे। गाय को खरोंच तक नहीं लगती, राज्य माता का दर्जा देने की जरूरत नहीं। केशव के इस बयान पर शंकराचार्य ने कहा- जिसका जैसा संस्कार होता है, वह वैसा ही बयान देता है। अजय राय बोले- कांग्रेस कार्यकर्ता शंकराचार्य के साथ खड़े रहेंगे अजय राय ने कहा कि हम अपने शंकराचार्य से मुलाकात करने के लिए होली बाद पहुंचे थे। शंकराचार्य का जो भी आदेश होगा, हमारी पूरी कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी रहेगी। जो लोग गौ को अपनी मां मानते हैं, वह सभी लोग साथ रहेंगे। 11 मार्च को हम सभी लखनऊ में महाराज जी के साथ रहेंगे।

MBBS छात्र की लाश 30 मिनट रेलिंग से लटकी रही

गोरखपुर (एजेंसी)। बेकाबू फॉर्च्यूनर की टक्कर से स्कूटी सवार MBBS छात्र की मौत हो गई। छात्र होली पर दोस्त के घर गया था। रात में खाना खाकर हॉस्टल जा रहा था। ओवरब्रिज पर फॉर्च्यूनर ने स्कूटी में सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि छात्र हवा में उछला और 15 मीटर दूर ओवरब्रिज की रेलिंग से टकराकर औंधे मुंह लटक गया। आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे और ओवरब्रिज पर भीड़ लग गई। लोग वीडियो बनाते रहे, लेकिन किसी ने छात्र को रेलिंग से नहीं उतारा। 30 मिनट शव रेलिंग से लटका रहा। इसके बाद राहगीर की सूचना पर पुलिस पहुंची और छात्र को नीचे उतारा और जिला अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छात्र की मौत के बाद उसका दोस्त अस्पताल पहुंचा। शव देखकर फूट-फूटकर रोने लगा और कहने लगा डॉक्टर साहब, मेरे दोस्त को जिंदा कर दीजिए। हादसे के बाद प्रॉपर्टी डीलर गोल्डेन साहनी फॉर्च्यूनर लेकर फरार हो गया। पुलिस ने एक घंटे बाद उसे ट्रेस कर गिरफ्तार कर लिया। संतकबीरनगर के रहने वाले 22 साल के आकाश पांडेय बीआरडी मेडिकल कॉलेज के MBBS थर्ड ईयर के छात्र थे। घटना बुधवार रात 10 बजे शाहपुर थाना क्षेत्र के मोहद्दीपुर-कौवाबाग ओवरब्रिज पर हुई। आकाश पांडेय बुधवार को होली मनाने के बाद देर शाम दोस्त अनूप के घर गया था। वहां उसने रात का खाना खाया। रात 10 बजे वह वापस हॉस्टल जा रहा था, तभी मोहद्दीपुर-कौवाबाग ओवरब्रिज पर हादसा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बेकाबू फॉर्च्यूनर ने तीन-चार गाड़ियों को टक्कर मार दी। दूसरी गाड़ियों में हल्की टक्कर लगी, जबकि आकाश की स्कूटी में जोरदार टक्कर हुई। उसका हेलमेट दूर जा गिरा और वह गंभीर रूप से घायल होकर रेलिंग में अटक गया। हादसे के बाद आसपास के लोग पहुंचे, लेकिन किसी ने छात्र को अस्पताल नहीं पहुंचाया। इसी बीच, किसी राहगीर ने पुलिस को फोन कर सूचना दी। करीब 30 मिनट बाद पुलिस पहुंची और छात्र को रेलिंग से उतारा। एंबुलेंस से उसे मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छात्र की मौत की सूचना मिलते ही साथी डॉक्टर अस्पताल पहुंचे और हंगामा करने लगे। अफसरों ने कार्रवाई का आश्वासन देकर डॉक्टरों को शांत कराया।

बच्चा नहीं हुआ तो पत्नी की हत्या करके जान दी

मुरादाबाद (एजेंसी)। पति ने पत्नी की चाकू मारकर हत्या कर दी। बाद में उसी चाकू से खुद को जख्मी कर सुसाइड कर लिया। महिला के मायके वालों का कहना है कि पति-पत्नी को 9 साल से बच्चा नहीं हो रहा था। इस वजह से दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था। पति दूसरी शादी करने को कहता था तो पत्नी और भड़क जाती। पुलिस की शुरूआती पूछताछ में पता चला कि होली के दिन यानी बुधवार शाम को पेशे से इलेक्ट्रिशियन पति ने पत्नी से मायके चलने को कहा। रास्ते में एक जंगल में ले गया और चाकू से कई वार किए। महिला की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद उसने खुद को भी चाकू मार लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। घटना मझोला थाना क्षेत्र की है। पुलिस के मुताबिक, बुधवार शाम को सूचना मिली कि सोनकपुर फ्लाईओवर के पास जंगल में खून से लथपथ एक युवक घायल अवस्था में पड़ा है। पुलिस मौके पर पहुंची। खून से लथपथ युवक ने अपना नाम पता विनोद उर्फ विक्की निवासी नया गांव नवीन नगर बताया। उसे तुरंत

अस्पताल भिजवाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। स बीच पुलिस ने आसपास सर्च किया तो कुछ ही दूरी पर एक बाइक मिली। खून में सना एक चाकू मिला। आसपास खोजबीन करने पर जंगल में कुछ दूरी पर एक महिला का शव भी मिला। शरीर पर चाकू से वार करने के निशान थे। महिला की पहचान विनोद उर्फ विक्की की पत्नी ममता के रूप में हुई है।एसपी सिटी रण विजय सिंह ने बताया- परिजन से पूछताछ करने पर पता चला कि विनोद की 9 साल पहले से शादी हुई थी। उसके कोई बच्चे नहीं थे। इस बात को लेकर उनके बीच अक्सर झगड़ा होता था। बुधवार को विनोद अपनी पत्नी ममता को बाइक से लेकर ससुराल जाने के लिए निकला था। पता चला कि शहर में हरथला कालोनी में उसकी ससुराल है, लेकिन वह ससुराल न जाकर सोनकपुर फ्लाईओवर की तरफ चला गया। जंगल में जाकर उसने अपनी पत्नी पर चाकू से वार किए। उसकी हत्या करने के बाद उसी चाकू से खुद पर भी हमला किया। ममता के मायके वालों का आरोप है कि विनोद दूसरी शादी करना चाहता था। इसके लिए ममता को काफी समय से प्रताड़ित कर रहा था। ममता की मां शीला का कहना है कि बच्चे नहीं होने का लेकर दामाद विनोद और बेटी ममता के बीच विवाद होता था। कुछ दिन पहले दामाद ने ममता को 2 महीने के लिए हमारे पास छोड़ दिया था। दूसरी पत्नी की तलाश शुरू कर दी थी। स्टांप पर लिखकर दे दिया था कि मैं ममता को नहीं रखूंगा। इसके बाद पंचायत बुलाई गई। तब जाकर ममता को साथ रखा। पुलिस ने ममता के भाई की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया है। वहीं, विनोद के भाई राजकुमार का कहना है कि विनोद बुधवार को दोपहर करीब ढाई बजे विक्की घर से यह कहकर निकला था कि हरथला ससुराल में होली मिलने जा रहा हूं। इसके बाद उन्हें नहीं पता कि क्या हुआ। शाम को पुलिस की ओर से सूचना मिली कि एक्सीडेंट हुआ है। तुरंत अस्पताल पहुंचो। उसके बाद हम लोगों को घटना की जानकारी हुई। भाई और भाभी के बीच विवाद की बात गलत है। विनोद बच्चा गोद लेने पर सहमत हो गया था। उसने गोद लेने के लिए बच्चे की खोज भी शुरू कर दी थी।

बुलंदशहर में होली पर 12वीं की छात्रा से गैंगरेप

बुलंदशहर (एजेंसी)। होली पर मेला घूमने आई 12वीं की छात्रा के साथ गैंगरेप किया गया। खनन माफिया ने अपने दोस्त के साथ उठा लिया। फिर कार में डालकर उसे 8 किलोमीटर दूर जंगल में ले गया। उसके पीछे दूसरी कार से 2 और साथी वहां पहुंचे। चारों ने छात्रा के साथ बारी-बारी से रेप किया। छात्रा के बेहोश होने पर आरोपी उसे बदहवास हालत में जंगल में छोड़कर फरार हो गए। परिजन छात्रा को ढूंढते हुए जब जंगल पहुंचे तो वो बेहोशी की हालत में पड़ी मिली। उसे आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसका इमरजेंसी में इलाज चल रहा है। होश आने पर भी वह किसी से बात नहीं कर रही है। डॉक्टरों के अनुसार, छात्रा गहरे सदमे में है। उसकी काउंसिलिंग की जा रही है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने खनन माफिया समेत चारों आरोपियों पर केस दर्ज कर लिया।

जलती होलिका के बीच खड़ा रहा युवक

संभल में हाथ जोड़कर बोला- राम राम, होली मुबारक; कपड़े जले, गंभीर झुलसा

संभल (एजेंसी)। यूपी के संभल में होलिका दहन के दौरान एक युवक जलती हुई होलिका में जाकर खड़ा हो गया। आग में खड़े होकर सबको हाथ जोड़कर राम-राम करने लगा। मुबारक के नारे लगाने लगा। करीब 20 सेकेंड तक आग की लपटों के बीच हाथ जोड़े खड़ा रहा। इस दौरान भीड़ में से एक युवक ने जान पर खेल कर युवक को आग की लपटों से बाहर निकाला। तब तक युवक के आधे से ज्यादा कपड़े जल चुके थे। गंभीर रूप से झुलस चुका था। लोगों ने उसे नजदीकी सीएचसी पहुंचाया। जहां युवक का इलाज जारी है। युवक की पहचान बहजोई थाना क्षेत्र के गांव सिंगपुर निवासी वीरपाल (35) के रूप में हुई। परिजनों का कहना है- युवक की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। वह बिना बताए घर से निकला था। घटना 4 मार्च की सुबह की है, जिसका वीडियो आज सामने आया है। मामला जिला मुख्यालय

से 28 किलोमीटर दूर गुन्नौर थाना क्षेत्र के नंदरौली गांव का बताया जा रहा है।

गुन्नौर थाना क्षेत्र के नंदरौली गांव में 4 मार्च की सुबह होलिका दहन का कार्यक्रम चल रहा था। होली जलने के बाद लोग गन्ना भून रहे थे। परिक्रमा कर रहे थे। कई महिलाएं घरों की छतों से इस पूरे आयोजन का वीडियो और तस्वीरें बना रही थीं। माहौल पूरी तरह उत्सव का था। इसी दौरान सफेद कुर्ता-पायजामा पहने और सिर पर गमछा बांधे एक युवक पहुंचा। देखते ही देखते सैकड़ों लोगों की आंखों के सामने होलिका की ऊंची-ऊंची लपटों के बीच जाकर खड़ा हो गया। करीब 20 सेकेंड तक युवक आग की लपटों के बीच खड़ा रहा। हाथ जोड़कर लोगों को राम-राम बोलता रहा। दोनों हाथ हवा में उठाकर होली मुबारकबाद देने लगा। होलिका जलाने के लिए पहुंचे लोगों ने जब यह नजारा देखा तो दंग रह गए। भीड़ में से एक युवक ने जान पर खेलते हुए आग में जाकर युवक का हाथ खींचा और उसे लपटों से बाहर निकाल लिया। आग से बाहर निकलने के बाद युवक तेजी से भीड़ से दूर भागने लगा। तब तक युवक के कपड़े और शरीर के कई अंग बुरी तरह से झुलस चुके थे। लोगों ने एंबुलेंस 108 की मदद से युवक को गुन्नौर सीएचसी पहुंचाया, जहां युवक का इलाज जारी है। गांव वालों ने बताया- वीरपाल अपनी ससुराल होली मनाने के लिए आया हुआ था। ससुर मलखान ने बताया- वीरपाल खेती करता है। उसके दो बेटे हैं। उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। होली दहन के दौरान वह भी अन्य लोगों के साथ मौजूद था। अचानक जलती होली पर चढ़कर खड़ा हो गया।

संक्षिप्त डायरी

प्रेमी ने महिला नेता की लाश जंगल में जलाई

श्रावस्ती (एजेंसी)। किसान नेता आंचल मिश्रा की हत्या बॉयफ्रेंड ने की थी। पुलिस ने बुधवार को हत्याकांड का खुलासा कर दिया। पुलिस के मुताबिक, आंचल की ब्लैकमेलिंग से तंग आकर प्रेमी सूरज वर्मा ने जंगल में हत्या करके शव को जला दिया था। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी ने कबूलनामे में बताया- आंचल और उसके बीच करीब 5 महीने से अफेयर था। आंचल उससे पैसे मांगती थी। इनकार करने पर झूठे केस में फंसाने की धमकी देती थी। ब्लैकमेल करती थी। वह अपनी जमीन बेचकर आंचल को एक लाख रुपए दे चुका था। आरोपी ने बताया कि बार-बार पैसे मांगने और ब्लैकमेलिंग से तंग आकर उसने 17 फरवरी को आंचल मिश्रा को मिलने के बहाने जंगल में बुलाया। सूरज नशे में धुत था। उसने पहले आंचल के दुपट्टे से गला घोटकर उसकी हत्या कर दी। फिर सूखी पत्तियों से चेहरे को ढककर सिगरेट जलाने वाले लाइटर से आग लगा दी। इसके बाद वो वापस घर आ गया। बाद में जब उसका नशा उतरा तो देर रात आंचल को खोजने फिर से जंगल में गया, लेकिन उसे शव नहीं मिला। इसके बाद पति के साथ मिलकर आंचल को खोजने का नाटक करता रहा। सूरज ने आंचल के पति के साथ मिलकर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। बता दें कि आंचल 17 फरवरी को किसान यूनियन की बैठक में शामिल होने की बात कहकर घर से निकली थी और लापता हो गई थी। 3 मार्च को पुलिस ने जंगल में आंचल का कंकाल बरामद किया था। रीढ़ की हड्डी, जबड़ा आदि बिखरे पड़े थे। जले हुए कपड़े और जूता भी बरामद हुआ था। किसान नेता आंचल मिश्रा (25) की करीब 11 साल पहले शादी हुई थी। वह पति संतोष मिश्रा और 2 बच्चों के साथ बांसगढ़ी फत्तेपुर बनगई गांव में रहती थीं। उनके गांव के 2 किलोमीटर दूर जमुनहा भवनियापुर गांव में सूरज वर्मा रहता है। उसका संतोष के घर आना जाना था। आंचल मिश्रा किसान यूनियन अराजनैतिक महिला विंग की जिलाध्यक्ष थी। 17 फरवरी को भिनगा में किसान यूनियन की बैठक में शामिल होने की बात कहकर घर से निकली थीं। इसके बाद वह लापता हो गईं। काफी तलाश के बाद जब कोई सुराग नहीं मिला, तो पति संतोष सूरज के पास गया। आंचल को ढूंढने को हो। दोनों ने काफी तलाश की, लेकिन आंचल नहीं मिली।फिर संतोष और सूरज ने 19 फरवरी को मल्हीपुर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस जांच में 3 मार्च को आंचल की लोकेशन मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ककरदरी रेंज के जंगल में मिली। पुलिस मौके पर पहुंची तो शव की जगह आंचल का कंकाल बरामद हुआ। 50 मीटर के दायरे में आंचल की रीढ़ की हड्डी, जबड़े की हड्डी, जले हुए कपड़े, जूता आदि बिखरा पड़ा मिला। पुलिस ने शक के आधार पर आंचल के फोन की सीडीआर डीटेल निकाली तो अंतिम कॉल सूरज की मिली। घटना के दिन सूरज की मोबाइल लोकेशन भी जंगल की मिली। पुलिस ने सूरज को रापती बैराज के पास लक्ष्मनपुर कोठी से गिरफ्तार किया। पहले तो सूरज पुलिस को गुमराह करता रहा। पर कड़ाई से पूछने पर उसने हत्या की बात स्वीकार ली। छताछ के दौरान सूरज ने पुलिस को बताया- मैं पहले एक अखबार में पत्रकार था। आंचल के गांव से 2 किलोमीटर दूर मेरा गांव है। इसी दौरान एक कार्यक्रम में आंचल से मुलाकात हुई। दोस्ती हुई, फिर प्यार हो गया। 5 महीने से हमारा अफेयर चल रहा था।

हैप्पी होली कहने के विवाद में युवक की हत्या

लखनऊ (एजेंसी)। हैप्पी होली कहने के विवाद में युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पड़ोसी भाई-बहन ने उसके पेट में चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। गंभीर हालत में उसे ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना 4 मार्च, बुधवार शाम करीब 5 बजे दुबग्गा थाना क्षेत्र के बेगरिया गांव की है। मृतक की पहचान सूरज गौतम (22) के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी भाई-बहन को हिरासत में लेकर जाने लगी तो लोगों ने उन्हें पीटने की कोशिश की। थाने का घेराव करके पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। मृतक के पिता राजेंद्र गौतम ने बताया- मैं बुधवार शाम करीब 5 बजे मोहल्ले के निशु के साथ घर के सामने खड़ा था। इस दौरान निशु ने वहां से गुजर रहे गांव के मोहित तिवारी को हैप्पी होली बोल दिया। बाइक सवार मोहित ने इसका विरोध किया। जिस पर हम लोगों ने उससे माफी मांगी। बावजूद इसके उसने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। मेरे बेटे सूरज और शिवा बीच-बचाव करने आए। शोर-शराबा सुनकर मोहित की मां रंजना और गांव के अन्य लोग भी पहुंच गए। मोहित मेरे बेटे सूरज को किनारे ले गया। वहां अपनी बहन रंजना को आवाज देकर बुलाया। रंजना कुर्ते में चाकू छिपाकर आई। उसने सूरज के पेट में चाकू से 3 वार किया। फिर मोहित ने उससे चाकू लेकर सूरज पर कई वार किए। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी मोहित तिवारी और उसकी बहन शिवानी को हिरासत में ले लिया। उन्हें लेकर थाने जाने लगी। इस पर ग्रामीणों ने उन्हें पीटने की कोशिश की। पुलिस ने किसी तरह से उन्हें बचाया। इस दौरान ग्रामीणों की पुलिस के तीखी नोकझोंक हुई।वारदात को लेकर लोगों में काफी गुस्सा है। लोगों ने पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। गुस्साए लोग दुबग्गा थाना पहुंच गए। थाने का घेराव करके पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। थाने के सामने सड़क जाम करने की कोशिश की। पुलिस ने लोगों को बताया कि मोहित, उसकी मां रंजना और बहन शिवानी तीनों को हिरासत में ले लिया गया है। कार्रवाई की जा रही है। इसके बाद लोग शांत हुए। इंस्पेक्टर दुबग्गा श्रीकांत राय ने बताया कि मोहित, उसकी मां और बहन के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

अलीगढ़ में होली पर फायरिंग-पथराव, दरोगा का सिर फटा

अलीगढ़ (एजेंसी)। होली के दिन रंग खेलने को लेकर बवाल हो गया। पड़ियावाल गांव में दो पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई। फिर देखते ही देखते हालात बिगड़ गए। मारपीट होने लगी। एक पक्ष के युवक ने छत पर चढ़कर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। कुछ लोग छर्रे लगने से घायल हो गए। नाराज ग्रामीणों ने आरोपी का घर घेर लिया। पथराव करने लगे। गेट तोड़कर अंदर घुसने की कोशिश करने लगे। सूचना मिलने पर पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंची। घर को घेरकर लोगों को दूर करने लगी। इससे नाराज लोगों ने पुलिस पर भी पथराव कर दिया। दरोगा का सिर फट गया। मौके पर और पुलिस फोर्स बुलाई गई। बल-प्रयोग कर

भीड़ को खदेड़ा। फिर फायरिंग करने वाले युवक को पकड़ा। इसके आलावा, 12 उपद्रवियों को भी हिरासत में लिया। फिलहाल इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। घटना बुधवार को मडराक थाना क्षेत्र की है। पुलिस के अनुसार- मनीष वार्ष्णेय और कैलाश पड़ियावली गांव में रहते हैं। दोनों के घर अगल-बगल हैं। बुधवार दोपहर 3 बजे होली खेलने के दौरान महिलाओं में कहासुनी हो गई। रंग डालने को लेकर उनके बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि पुरुष भी आपस में कहासुनी करने लगे। इस बीच, कैलाश आपा खो बैठा। वह दौड़कर अपने घर की छत पर चढ़

गया। फायरिंग शुरू कर दी। छत से फायरिंग, पड़ोसी और राहगीर को लगी गोली गोली के छर्रे मनीष के सीने में लगे। वह जमीन पर गिर पड़ा। इसके बाद भी कैलाश ने फायरिंग बंद नहीं की। इस दौरान वहां से जसवंत नाम का एक राहगीर गुजर रहा था। उसके बाजू में भी छर्रे लगे। फायरिंग से गांव में हड़कंप मच गया। लोगों ने कैलाश का घर घेरकर पथराव कर दिया। पुलिस पर पथराव, दरोगा का सिर फटा लोगों का गुस्सा देखकर आरोपी ने खुद को घर के अंदर कैद कर लिया। लोग घर का दरवाजा तोड़ने की कोशिश करने लगे। इस बीच राहगीरों ने मडराक थाने की पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों को घर से दूर करने लगी। इस दौरान लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। इसमें एसएसआई धर्मपाल सिंह घायल हो गए। पुलिस ने बल प्रयोग कर उपद्रवियों को खदेड़ा हालात बिगड़ते देख एसएसपी नीरज जादौन को सूचना दी गई। थोड़ी देर बाद एसएसपी कई थानों की फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बल प्रयोग कर उपद्रवियों को खदेड़ा। आरोपी कैलाश को घेराबंदी कर हिरासत में लिया। उसके बाद घायलों को तत्काल आगरा रोड स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को सुरक्षा सत्यापन की मंजूरी, संचालन की दिशा में बढ़ा एक और कदम

नोएडा (शिखर समाचार) जेवर में निमार्णाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को संचालन शुरू होने से पहले मिलने वाली जरूरी औपचारिकताओं में एक बड़ी सफलता मिली है। विमानन सुरक्षा से जुड़ी विस्तृत जांच के बाद एयरपोर्ट को सुरक्षा सत्यापन की मंजूरी मिल गई है। इस स्वीकृति के साथ ही एयरपोर्ट के जल्द शुरू होने की उम्मीद और मजबूत हो गई है।

जानकारी के अनुसार, नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो की टीम ने हाल ही में एयरपोर्ट परिसर का निरीक्षण कर वहां की सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एयरपोर्ट की घेराबंदी, सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था, प्रवेश और निकास नियंत्रण, यात्री जांच प्रणाली, अग्निशमन व्यवस्था और आपातकालीन सुरक्षा प्रबंधों की जांच की गई। सभी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप पाए जाने के बाद एयरपोर्ट को सुरक्षा सत्यापन की मंजूरी प्रदान कर दी गई।

यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आर के सिंह ने बताया कि सुरक्षा सत्यापन की मंजूरी मिलना नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट परियोजना के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के निर्माण और संचालन से जुड़ी अन्य प्रक्रियाएं भी तेजी से पूरी की जा रही हैं। अब अगला चरण नागरिक उड्डयन महानिदेशालय से अंतिम लाइसेंस प्राप्त करने का है, जिसके बाद परीक्षण उड़ानों और अन्य तकनीकी परीक्षणों की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार और प्राधिकरण की प्राथमिकता है कि एयरपोर्ट को जल्द से जल्द चालू किया जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को हवाई यात्रा की आधुनिक सुविधाएं मिल सकें। एयरपोर्ट शुरू होने से दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लाखों लोगों को लाभ मिलेगा और क्षेत्र में निवेश, व्यापार, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा परियोजनाओं में शामिल है। इसके पहले चरण में प्रतिवर्ष करीब 1.2 करोड़ यात्रियों को संभालने की क्षमता विकसित की जा रही है। भविष्य में इसका विस्तार कर इसे देश के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों में शामिल करने की योजना है। एयरपोर्ट के शुरू होने से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पड़ने वाला दबाव भी कम होने की उम्मीद जताई जा रही है।

रूपवास गांव में 200 साल पुरानी बम नगाड़ा प्रतियोगिता, तेज आवाज और लंबी अवधि तक बजाने वाला होता है विजेता

दादरी (शिखर समाचार) होली के त्योहार को मनाने के तरीके भले ही समय के साथ बदलते जा रहे हों, लेकिन दादरी तहसील के रूपवास गांव में सदियों पुरानी परंपरा आज भी पूरे उत्साह के साथ निभाई जाती है। यहां करीब 200 वर्षों से होली के अवसर पर बम नगाड़ा बजाने की अनोखी प्रतियोगिता आयोजित की जाती है, जिसमें गांव के दो मोहल्लों के लोग हिस्सा लेते हैं। प्रतियोगिता का निर्णय गांव के गणमान्य लोग करते हैं और इसे देखने के लिए आसपास के कई गांवों से लोग पहुंचते हैं।

रूपवास गांव में होलिका पूजन की शुरूआत बम नगाड़े पर डंका बजाकर की जाती है। इसके बाद होलिका दहन के समय भी बम बजाकर ही अग्नि प्रज्वलित की जाती है। होली के दिन सुबह करीब सात बजे दोनों मोहल्लों के बीच बम प्रतियोगिता शुरू होती है। एक पक्ष का नेतृत्व ईश्वर सिंह, वीर सिंह और रतन सिंह करते हैं, जबकि दूसरे पक्ष से बलराज सिंह, विक्रम सिंह और सुरेंद्र सिंह नेतृत्व संभालते हैं। प्रतियोगिता की शुरूआत हे रे खेड़े तो है शीश नवाऊं के जयघोष के साथ दो-दो बम से की जाती है। धीरे धीरे दोनों पक्षों की ओर से आठ आठ बम बजने लगते हैं। इस दौरान लगभग दो सौ से अधिक घंटे भी बजाए जाते हैं। बम की तेज आवाज दूर दराज के गांवों तक सुनाई देती है। एक एक बम को दो से तीन लोग मिलकर बजाते हैं और देखते ही देखते यह प्रतियोगिता आपसी वर्चस्व की तरह रोमांचक बन जाती है। तेज गूंज और बमों की आवाज से माहौल जोश से भर उठता है। दोनों मोहल्लों के लोग एक दूसरे पर गुलाल उड़ाते हुए होली का आनंद लेते हैं। प्रतियोगिता के दौरान जो बम सबसे अधिक तेज आवाज और अधिक समय तक बजता है, उसे विजेता माना जाता है। करीब पांच घंटे तक लगातार चलने वाली इस प्रतियोगिता को बंद कराने के लिए कई बार प्रयास किए जाते हैं, लेकिन होलियारों का उत्साह कम नहीं होता। उनका कहना होता है कि हैटे से धर्म घटेगा, जिसके चलते बम बजाने का जोश और बढ़ जाता है। बमों की तेज आवाज सुनकर तिलपता, खेड़ी, बढ़पुरा, भनौता, कैलाशपुर, फूलपुर और आमका समेत आसपास के कई गांवों के लोग भी मौके पर पहुंच जाते हैं। अंत में गांव और आसपास से आए गणमान्य लोग दोनों पक्षों के बीच खड़े होकर होलियारों को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं देते हैं और लगभग पांच घंटे बाद प्रतियोगिता को शांतिपूर्वक समाप्त कराया जाता है। इस अवसर पर बलवीर आर्य, श्यौराज मुखिया, सुरेश प्रधान, भगवत सूबेदार, फकीर चंद, धर्मेंद्र प्रधान, भूले मुकद्दम, विजयपाल सिंह, महावीर, भीम सिंह, सतपाल सिंह, बाबूराम, सुखा सिंह, शेर सिंह पहलवान, संत राम, जयकरण सिंह, अशोक सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हेल्प वाय गॉड ट्रस्ट बनाएगी गरीब व असहाय लोगों के लिए आश्रम

जेवर (शिखर समाचार) जेवर क्षेत्र में गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों के लिए जल्द ही एक आश्रम स्थापित किया जाएगा। यह पहल हेल्प वाय गॉड ट्रस्ट द्वारा की जा रही है, जिसमें जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क भोजन, रहने की व्यवस्था और इलाज जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। गुरुवार को ट्रस्ट के अध्यक्ष और प्रसिद्ध यूट्यूबर संजय कुमार जेवर पहुंचे। यहां उन्होंने क्षेत्र के समाजसेवी लोगों से मुलाकात कर इस योजना को लेकर चर्चा की। इस दौरान समाजसेवी व अभिनेता विनय आमेरिया ने बताया कि हेल्प वाय गॉड ट्रस्ट लंबे समय से जरूरतमंद लोगों की सहायता के कार्यों में सक्रिय है।

उन्होंने बताया कि ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय कुमार गरीब परिवारों को राशन उपलब्ध कराने, दिव्यांगों को रिक्शा दिलाने, बेरोजगार युवाओं को रोजगार के लिए दुकान खुलवाने तथा गरीब बहन बेटियों के विवाह में सहयोग करने जैसे सामाजिक कार्य करते रहे हैं। उनके इन प्रयासों से कई जरूरतमंद परिवारों को मदद मिली है। जेवर प्रवास के दौरान संजय कुमार ने वरिष्ठ पत्रकार व समाजसेवी इनामुल हक फारुकी से भी मुलाकात की। दोनों के बीच क्षेत्र में गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए किए जाने वाले कार्यों पर विस्तार से चर्चा हुई। बातचीत के दौरान यह निर्णय लिया गया कि हेल्प वाय गॉड ट्रस्ट के माध्यम से जल्द ही क्षेत्र में गरीबों, असहायों, वृद्धों और अनाथों के लिए एक आश्रम का निर्माण कराया जाएगा। ट्रस्ट की इस पहल से ऐसे लोगों को सहारा मिलेगा जिनके पास रहने और खाने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। आश्रम में रहने वाले लोगों के लिए भोजन, आवास और प्राथमिक उपचार की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। स्थानीय लोगों और समाजसेवियों ने ट्रस्ट की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यदि यह योजना साकार होती है तो क्षेत्र के अनेक जरूरतमंद लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। वहीं संजय कुमार ने भी आश्वासन दिया कि ट्रस्ट समाज सेवा के कार्यों को आगे भी इसी तरह जारी रखेगा और जरूरतमंदों की हर संभव सहायता की जाएगी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे गाजियाबाद, संघ की बैठक में किया प्रतिभाग

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को गाजियाबाद पहुंचे और उन्होंने संघ की बैठक में प्रतिभाग किया। 2027 के चुनाव को लेकर यह बैठक अहम मानी गई और महत्वपूर्ण बैठक को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बैठक में शामिल हुए। उनके बैठक में शामिल होने के लिए गाजियाबाद में पुलिस ने पुख्ता इंतजाम किए हुए थे। मुख्यमंत्री नेहरू नगर स्थित सरस्वती विद्यालय पहुंचे, जहां पर उनके आगमन को लेकर रूट का डायवर्सन पहले से ही कर दिया गया था। मुख्यमंत्री गाजियाबाद में संघ की बैठक करके नोएडा के लिए रवाना हुए। आपको बता दे की मुख्यमंत्री की इस बैठक को लेकर गाजियाबाद पुलिस ने कई दिन पहले से ही तैयारी शुरू कर दी थी। बैठक को सुरक्षित और सफल बनाने के लिए नेहरू नगर से जुड़े मार्गों को पहले ही जाम मुक्त कर दिया गया था। मुख्यमंत्री का काफिला जाम में नहीं फंसे, इसको लेकर रूट डायवर्जन की व्यवस्था पहले ही कर दी कर गई थी। पुलिस के आला अधिकारी मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर लगातार कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर रहे थे, जिससे मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता किया जाए। मुख्यमंत्री का यह दौरा 2027 के चुनाव को लेकर बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह दौरा इसलिए भी किया गया है क्योंकि पिछले चुनाव में बीजेपी की काफी सीट कम हुई थी और इस बार के होने वाले चुनाव में बीजेपी अपने प्रत्याशियों को जिताते हुए सीटों की संख्या बढ़नी चाहती है। माना जा रहा है कि आगे भी मुख्यमंत्री कई कार्यक्रमों में शामिल होकर बीजेपी समर्थकों का उत्साह बढ़ाते हुए दिखाई देंगे।

झुग्गी झोपड़ियों के बच्चों के साथ मनाई होली, रंग-मिठाइयां बांटकर बांटी खुशियां

मोहाली/जीरकपुर (शिखर समाचार) नेशनल कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) मोहाली की टीम ने इस बार होली का पर्व सेवा और भाईचारे के साथ मनाया। टीम के सदस्यों ने बाल्टाना, जीरकपुर और मोहाली क्षेत्र की झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले करीब 200 बच्चों के साथ होली खेली और उन्हें रंग, मिठाइयां तथा खाने पीने का सामान वितरित किया। रंग और मिठाइयां पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी।

इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों ने झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं भी सुनीं और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर ज्योतिष आचार्य सरदार बख्शीश सिंह बावा ने कहा कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों की सेवा करना ही सच्चे अर्थों में त्योहार मनाना है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम आगे भी ऐसे सामाजिक कार्यों के माध्यम से जरूरतमंद लोगों की मदद करती रहेगी। साथ ही उन्होंने प्रशासन से अपील की कि झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए विशेष प्रयास किए जाएं, ताकि वे भी पढ़ लिखकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

कार्यक्रम में मनिंदर कौर मल्होत्रा (अध्यक्ष, महिला विंग जिला मोहाली), गुरशरण सिंह (उपाध्यक्ष), सुखमन सिंह, रामजोत सिंह, गुरनूर सिंह और ज्योत्सना (सचिव, एनसीपी जिला मोहाली) सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस सेवा कार्य ने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाकर समाज में सेवा, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया।

होली के रंग में घुला विवाद, दो पक्षों में मारपीट से कई घायल

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) थाना सिंभावली क्षेत्र के गांव नयाबांस में होली का रंग खेलते समय दो पक्षों के बीच विवाद हो गया, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। घटना में कई लोग घायल हो गए। पीड़ित दलित पक्ष की ओर से छह लोगों को नामजद करते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। जानकारी के अनुसार गांव नयाबांस निवासी एक व्यक्ति ने थाना सिंभावली में दी गई तहरीर में बताया कि होली के मौके पर दोपहर के समय उनके मोहल्ले में यादव समाज के मोन्टी, नरेंद्र, नन्नू, दीपक, सोनू और मिथुन अपने चार पांच अन्य साथियों के साथ पहुंचे और गाली गलौज व दुर्व्यवहार करने लगे। आरोप है कि जब उन्होंने अन्य लोगों को बुलाना शुरू किया तो इस दौरान उसकी चाची ने गाली देने से मना किया। तहरीर के अनुसार इसके बाद आरोपियों ने आक्रोशित होकर गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में एक युवती समेत मनीष, रवि, दीपक, आर्यन और शयोराज घायल हो गए। आरोप है कि हमलावरों ने मारपीट के दौरान अपमानित करते हुए कपड़े भी फाड़ दिए और जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। वहीं पीड़ित पक्ष ने थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। इस संबंध में सिंभावली पुलिस का कहना है कि दलित पक्ष की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और घटना की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है तथा जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वाहन चोरी करने वाले गैंग का थाना लोनी बॉर्डर पुलिस ने किया खुलासा, 4 अभियुक्त गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना लोनी बॉर्डर पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले गैंग का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने गैंग के 4 अभियुक्त सुधीर, अरबाज, अमित और समीर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की 10 मोटरसाइकिल, फर्जी नम्बर प्लेट, तथा कटी हुई मोटरसाइकिलों के पार्ट्स बरामद किए। थानाध्यक्ष लोनी बॉर्डर ने बताया कि यह गैंग दो पहिया वाहनों को टारगेट किया करता है। गैंग के चार सदस्यों को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया है। गैंग के सदस्य बाइक चोरी करने के बाद जुनैद मिस्त्री को बेच दिया करते थे। जुनैद बाइक के पुर्जे अलग-अलग करके आगे बेच दिया करता था। उन्होंने बताया कि पकड़े गए अभियुक्त जुनैद के खिलाफ 5 मुकदमे पंजीकृत है, वहीं पकड़े गए अन्य अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

एसआईआर संबंधी कार्य पूरा करने की कवायद तेज

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार एसआईआर (संक्षिप्त पुनरीक्षण) से संबंधित कार्य को समय पर पूरा करने के लिए प्रशासनिक स्तर पर कवायद तेज कर दी गई है। इसके तहत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) क्षेत्र में मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं और घर घर जाकर उन्हें आवश्यक जानकारी दे रहे हैं। इसी क्रम में कस्बे के मोहल्ला नई बस्ती में सभासद मौहम्मद सद्दाम मोहम्मद के आवास पर बीएलओ ने पहुंचकर मतदाताओं को एसआईआर से संबंधित प्रक्रिया की जानकारी दी। इस दौरान मतदाता सूची से जुड़े विभिन्न प्रपत्रों में आवश्यक सुधार भी किए गए और लोगों को सही जानकारी प्रदान की गई। बताया गया कि वर्तमान में एसआईआर की प्रक्रिया जारी है, जिसके अंतर्गत जारी किए गए नोटिसों का निस्तारण किया जा रहा है। इसके साथ ही मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने तथा मृतक या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने का कार्य भी किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि जिन मतदाताओं के नाम दो अलग अलग स्थानों की मतदाता सूची में दर्ज हैं, उन्हें एक स्थान से नाम हटवाने के लिए फॉर्म 7 भरना आवश्यक है। बीएलओ द्वारा मतदाताओं को इसके बारे में जागरूक किया जा रहा है ताकि मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाया जा सके। प्रशासन ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क कर मतदाता सूची में अपनी प्रविष्टि की जांच कर लें और यदि किसी प्रकार की त्रुटि हो तो निर्धारित प्रपत्र भरकर उसे समय रहते ठीक कराएं। इससे आगामी चुनावों के लिए मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन बनाने में मदद मिलेगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में संविदाकर्मी की मौत, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

शामली (शिखर समाचार) विकास भवन में तैनात एक संविदाकर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों द्वारा युवक को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार बाबरी क्षेत्र के गांव बुटराडी निवासी 35 वर्षीय सम्राट मलिक, पुत्र यशपाल मलिक, विकास भवन में संविदा कर्मचारी के रूप में कार्यरत था। बताया जा रहा है कि बुधवार को दुल्हैंडी के दिन वह घर से दोस्तों से मिलने के लिए गया था। देर शाम गांव के दो युवक उसे घर छोड़ने आए। उस समय वह नशे की हालत में था और उसके चेहरे पर चोट के निशान भी बताए जा रहे हैं। परिजनों के अनुसार त्यौहार के कारण उन्होंने अधिक नशा होने की बात समझकर उसे सुला दिया। गुरुवार सुबह तक जब वह नहीं जागा तो परिजनों ने उसे काफी जगाने की कोशिश की, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद परिजनों को शक हुआ और वे उसे तुरंत शामली के जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलने पर बाबरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा और उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मृतक अपने पीछे पत्नी और एक छोटे बेटे को छोड़ गया है। युवक की अचानक मौत से परिवार और गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

10 मार्च को होगी एचपीडीए की 75वीं बोर्ड बैठक, बजट व विकास प्रस्तावों पर होगी चर्चा

हापुड़ (शिखर समाचार) हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण (एचपीडीए) की 75वीं बोर्ड बैठक आगामी 10 मार्च को मेरठ कमिश्नरी में आयोजित की जाएगी। बैठक मंडलायुक्त भानू चन्द्र गोस्वामी की अध्यक्षता में दोपहर तीन बजे से होगी। बैठक को लेकर प्राधिकरण के अधिकारी तैयारियों में जुट गए हैं। प्राधिकरण के प्रभारी सचिव अमित कादियान ने बताया कि बोर्ड बैठक की तिथि निर्धारित होने के बाद से ही प्राधिकरण के अधिकारी और कर्मचारी एजेंडा तैयार करने में लगे हुए हैं। विभिन्न विभागों की ओर से प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं, जिन्हें बैठक में रखा जाएगा।

उन्होंने बताया कि बैठक में प्राधिकरण के बजट से जुड़े विषयों के साथ साथ हरिपुर आवासीय योजना के भूपरिवर्तन का प्रस्ताव भी रखा जाएगा। इसके अलावा जनपद के विकास से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर भी विचार विमर्श किया जाएगा।

हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. नितिन गौड़ ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बोर्ड बैठक से संबंधित सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं, ताकि बैठक सुचारु रूप से आयोजित हो सके। उन्होंने बताया कि एचपीडीए की 75वीं बोर्ड बैठक 10 मार्च को मेरठ कमिश्नरी में आयोजित होगी, जिसमें विभिन्न विकास योजनाओं से जुड़े अहम निर्णय लिए जा सकते हैं।

दादी सती मंदिर पर लगा आस्था का मेला, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने किया दर्शन

दादरी (शिखर समाचार) दुजाना गांव स्थित दादी सती मंदिर पर हर वर्ष की तरह इस बार भी मेले का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर पूजा अर्चना की और मेले का आनंद लिया।

दुजाना निवासी डॉ. भूपेंद्र नागर ने बताया कि दादी सती का मंदिर क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है और यहां सैकड़ों वर्षों से मेला लगता आ रहा है। उन्होंने बताया कि दादी सती का नाम रामकौर था और उनकी स्मृति में मंदिर समिति व ग्रामवासी हर वर्ष दुलहेंडी के अगले दिन इस स्थान पर मेले का आयोजन करते हैं।

इस मेले की खास बात यह भी रही है कि पूर्व में देश के कई बड़े नेता यहां आ चुके हैं। इनमें पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू इंदिरा गांधी अटल बिहारी वाजपेई और राजेश पायलट जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं।

मेले में खाने पीने, कपड़े और घर के सामान की सैकड़ों दुकानें लगीं। इसके अलावा बड़े बड़े झूले मेले का मुख्य आकर्षण रहे। बच्चों ने ऊंट की सवारी का भी भरपूर आनंद लिया।

मंदिर समिति के मोनू प्रधान ने बताया कि मेले की व्यवस्था समिति के लगभग 130 सदस्यों द्वारा संभाली जाती है, जो हर वर्ष श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हैं।

जबरन शराब मांगना युवकों को पड़ा महंगा, पुलिस ने किया मामला दर्ज

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार) दुकान बंद होने के समय जबरन शराब मांगना कुछ युवकों को महंगा पड़ गया। मना करने पर उन्होंने सेल्समैन के साथ मारपीट कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मामले में दुकान स्वामी की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ गाली गलौज और जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार शराब ठेका स्वामी और व्यापारी नेता मनोज कुछल पुत्र राजेंद्र कुछल निवासी गीता नगरी, शहर बिजनौर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके भाई अमित कुमार की एक कम्पोजिट शराब की दुकान कुड़ी, नहटौर चौराहा नगीना में स्थित है। एक मार्च की रात दुकान बंद करने के समय कुछ अज्ञात व्यक्ति दुकान पर पहुंचे और जबरदस्ती शराब व अन्य सामान मांगने लगे। दुकान पर तैनात सेल्समैन मोहित चौधरी ने दुकान बंद होने का हवाला देते हुए उन्हें शराब देने से मना कर दिया। इस पर आरोपियों ने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी और उसे जबरन दुकान से बाहर खींच लिया। आरोप है कि इसके बाद उन्होंने मोहित चौधरी के साथ बेरहमी से मारपीट की और जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया।

मारपीट के दौरान मोहित चौधरी की आंख में गंभीर चोट लग गई। हालत गंभीर होने के कारण उसे रात में ही आपातकालीन उपचार के लिए बाहर के अस्पताल में रेफर करना पड़ा। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

संपादकीय

ईरान युद्ध और ऊर्जा संकट : तेल गैस की कीमतों पर मंडराता वैश्विक खतरा

पश्चिम एशिया में ईरान को लेकर बढ़ता सैन्य तनाव अब केवल एक क्षेत्रीय राजनीतिक मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि इसका सीधा असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा बाजार पर पड़ने लगा है। वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की कीमतें हमेशा से भूराजनीतिक परिस्थितियों के प्रति बेहद संवेदनशील रही हैं और यही कारण है कि ईरान के आसपास बढ़ती सैन्य गतिविधियों ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता का माहौल पैदा कर दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो इसका प्रभाव केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि दुनिया के लगभग हर देश की अर्थव्यवस्था पर इसका असर देखने को मिलेगा।

दरअसल ईरान दुनिया के प्रमुख तेल और गैस उत्पादक देशों में से एक है। इसके अलावा यह क्षेत्र वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि फारस की खाड़ी से होकर दुनिया के बड़े हिस्से तक तेल और गैस की आपूर्ति होती है। विशेष रूप से हॉर्मुज जलडमरूमध्य वह समुद्री मार्ग है जहां से प्रतिदिन लाखों बैरल कच्चा तेल दुनिया के विभिन्न देशों तक पहुंचता है। यदि इस मार्ग में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न होती है या जहाजों की आवाजाही प्रभावित होती है तो इसका सीधा असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों पर पड़ता है। यही वजह है कि जैसे ही इस क्षेत्र में तनाव बढ़ता है, ऊर्जा बाजार में कीमतें तेजी से ऊपर जाने लगती हैं।

वर्तमान परिस्थिति में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। ईरान से जुड़े संघर्ष की खबरों के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी दर्ज की जा रही है। ऊर्जा कंपनियां और निवेशक इस आशंका से चिंतित हैं कि यदि युद्ध का दायरा बढ़ता है या समुद्री मार्ग असुरक्षित हो जाते हैं तो वैश्विक आपूर्ति बाधित हो सकती है। ऐसी स्थिति में मांग और आपूर्ति के बीच असंतुलन पैदा हो जाएगा, जिससे तेल की कीमतों में अचानक भारी उछाल आ सकता है।

इतिहास इस बात का गवाह रहा है कि पश्चिम एशिया में होने वाले किसी भी सैन्य संघर्ष का असर सबसे पहले तेल बाजार पर ही दिखाई देता है। 1970 के दशक का तेल संकट हो या खाड़ी युद्ध, हर बार ऊर्जा कीमतों में तेज वृद्धि ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को झटका दिया है। आज भी वही आशंका एक बार फिर सामने खड़ी दिखाई दे रही है। यदि यह संघर्ष और गहरा होता है या इसमें अन्य क्षेत्रीय शक्तियां भी शामिल हो जाती हैं, तो ऊर्जा बाजार में अस्थिरता और बढ़ सकती है।

तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का प्रभाव केवल पेट्रोल और डीजल तक सीमित नहीं रहता। इसका असर पूरे आर्थिक तंत्र पर पड़ता है। परिवहन लागत बढ़ने से वस्तुओं की कीमतें बढ़ जाती हैं, उद्योगों की उत्पादन लागत में वृद्धि होती है और महंगाई का दबाव बढ़ने लगता है। यही कारण है कि तेल की कीमतों को अक्सर वैश्विक अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण संकेतक माना जाता है। यदि लंबे समय तक कीमतें ऊंची बनी रहती हैं तो आर्थिक विकास की गति धीमी पड़ सकती है।

प्राकृतिक गैस के बाजार पर भी इसका असर पड़ने की संभावना है। पश्चिम एशिया के कई देश तरलीकृत प्राकृतिक गैस के बड़े निर्यातक हैं और एशिया तथा यूरोप के कई देशों की ऊर्जा जरूरतें इसी क्षेत्र से पूरी होती हैं। युद्ध की स्थिति में उत्पादन या परिवहन में बाधा आने पर गैस की कीमतें भी तेजी से बढ़ सकती हैं। इससे बिजली उत्पादन, उर्वरक उद्योग और कई अन्य क्षेत्रों पर भी प्रभाव पड़ सकता है।

भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो सकती है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा करता है और इसमें पश्चिम एशिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। यदि इस क्षेत्र में लंबे समय तक अस्थिरता बनी रहती है तो भारत का आयात बिल बढ़ सकता है और घरेलू स्तर पर ईंधन की कीमतों पर दबाव पड़ सकता है। इसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर भी दिखाई देगा और महंगाई का स्तर बढ़ सकता है।

~ मौलिक चिंतन ~

इज्जत और ज़िंदगी में एक बड़ी समानता है, दोनों ही जाने के बाद वापस नहीं आती हैं।

~~~~~~~~~

© विनय संकोची

ध्रुवीकृत विश्व में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता

(लेखक : डॉ. एम. चूबा आओ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी)

आज का वैश्विक परिदृश्य तेजी से ध्रुवीकृत होता जा रहा है। एक ओर अमेरिका, चीन और रूस जैसी महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा तीव्र हो रही है, तो दूसरी ओर यूक्रेन से लेकर पश्चिम एशिया तक के संघर्ष दुनिया के देशों पर किसी एक पक्ष का साथ देने का दबाव बना रहे हैं। ऐसे समय में भारत ने जिस नीति को दृढ़ता से अपनाया है, वह है रणनीतिक स्वायत्तता। यह ऐसी नीति है जो भारत को अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर स्वतंत्र और संतुलित निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है। दरअसल, यह केवल शीत युद्ध काल की पारंपरिक गुटनिरपेक्षता की पुनरावृत्ति नहीं है, बल्कि उससे कहीं अधिक परिपक्व और सक्रिय दृष्टिकोण है। आज भारत बहु-संतुलन (मल्टी अलाइनमेंट) की नीति पर काम कर रहा है। इसके तहत भारत विभिन्न देशों के साथ उनके गुणों और पारस्परिक हितों के आधार पर सहयोग करता है, लेकिन किसी एक गुट का स्थायी हिस्सा बनने से बचता है। इस नीति का मूल सिद्धांत स्पष्ट है भारत का राष्ट्रीय हित सर्वोपरि। रणनीतिक स्वायत्तता का अर्थ यह है कि भारत अपने सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी और संप्रभुता से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय स्वयं ले सके। एक ऐसे बहुध्रुवीय विश्व में, जहाँ वैश्विक शक्ति संतुलन लगातार बदल रहा है, यह नीति भारत को जोखिमों को संतुलित करने, निर्भरता के स्रोतों को विविध बनाने और अपने प्रभाव को मजबूत करने का अवसर देती है। भारत की वैश्विक साझेदारियों में इस नीति की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। भारत क्वाड जैसे मंचों के माध्यम से अमेरिका के साथ रक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग को मजबूत कर रहा है। वहीं दूसरी ओर रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र में दीर्घकालिक और भरोसेमंद साझेदारी बनाए हुए है। इसी के साथ, सीमा विवाद के बावजूद भारत चीन के साथ आर्थिक संबंधों को पूरी तरह समाप्त नहीं करता। यह संतुलित दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि कोई भी शक्ति भारत की विदेश नीति को प्रभावित या नियंत्रित न कर सके। पश्चिम एशिया में भारत की नीति इस रणनीतिक संतुलन का उत्कृष्ट उदाहरण है। भारत ने इजराइल के साथ अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुँचाया है। रक्षा क्षेत्र में संयुक्त रूप से विकसित बराक-8 मिसाइल प्रणाली, कृषि क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई तकनीक पर आधारित उत्कृष्टता केंद्र, जल प्रबंधन में आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग ये सभी इस साझेदारी के महत्वपूर्ण परिणाम हैं। इसके साथ ही भारत की क्षेत्रीय नीति संतुलित बनी हुई है। भारत संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ ऊर्जा, अवसंरचना और व्यापार के क्षेत्रों में मजबूत संबंध बनाए हुए है। वहीं भारत फिलिस्तीन के लिए दो राष्ट्र समाधान का समर्थन करता है और मानवीय सहायता भी प्रदान करता है। ईरान जैसे देशों के साथ भी भारत संवाद और सहयोग का रास्ता खुला रखता है।

भारत की यह कूटनीतिक शैली अक्सर डी हाइफनेशन नीति के रूप में देखी जाती है, जिसमें भारत अपने द्विपक्षीय संबंधों को अलग अलग आधारों पर आगे बढ़ाता है। इसका अर्थ यह है कि किसी एक देश के साथ संबंध मजबूत करने का मतलब यह नहीं होता कि दूसरे देश से दूरी बना ली जाए। यह व्यवहारिक कूटनीति भारत को क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के साथ साथ वैश्विक दक्षिण की आवाज के रूप में अपनी भूमिका मजबूत करने का अवसर देती है।आज के ध्रुवीकृत वैश्विक वातावरण में रणनीतिक स्वायत्तता भारत के लिए एक सुरक्षा कवच भी है और अवसरों का सेतु भी। यह नीति भारत को ऐसे निर्णय लेने की स्वतंत्रता देती है जो सीधे उसके नागरिकों के जीवन को प्रभावित करते हैं चाहे वह राष्ट्रीय सुरक्षा हो, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा हो या नवाचार के माध्यम से रोजगार के नए अवसर। जैसे जैसे वैश्विक विभाजन गहराता जा रहा है, भारत की यह स्वतंत्र और हित आधारित कूटनीति एक परिपक्व मार्ग प्रस्तुत करती है। यह न तो किसी से दूरी बनाने की नीति है और न ही अनिश्चितता की। बल्कि यह एक आत्मविश्वासी और संतुलित दृष्टिकोण है, जिसके माध्यम से भारत बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को विकास, शांति और समानता के हित में आकार देने का प्रयास कर रहा है।

बंद होते हवाई अड्डे: हवा हवाई होती हवाई चप्पल वालों की हवाई यात्रा

निर्मल रानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 में सूरत में पहली बार कहा था कि सरकार का लक्ष्य है कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई यात्रा करे। मोदी ने अक्टूबर 2025 में नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट उद्घाटन पर भी यही दोहराया कि 2014 से उनका सपना था कि हवाई चप्पल वाला भी हवाई सफर करे। बेशक प्रधानमंत्री का यह वक्तव्य गरीबों को हवाई यात्रा मुहैया कराने की सोच को दशार्ता है इसी मकसद से उड़ान योजना की शुरूआत की गयी थी। UDAN अर्थात उड़े देश का आम नागरिक। इस योजना का उद्देश्य छोटे शहरों, टियर-2 और टियर-3 इलाकों को हवाई संपर्क से जोड़ना और हवाई यात्रा को सस्ता बनाना था। आंकड़ों के मुताबिक 2014 में भारत में लगभग 74 सक्रिय हवाई अड्डे थे जिनकी संख्या 2026 के प्रारंभ तक बढ़कर 160-162 तक हो गयी। इनमें से उड़ान योजना के अंतर्गत एयरपोर्ट, हेलीपोर्ट और वॉटर एयरोड्रोम सहित 93 हवाई अड्डे या तो नए विकसित किये गये या फिर उन्हें पुनर्जीवित किया गया। इनमें से अधिकांश नए या अपग्रेडेड हवाई अड्डे देश के अनेक छोटे शहरों में हैं। गोया कुल मिलाकर गत 10-12 वर्षों में 90 से अधिक नए अथवा सक्रिय हवाई अड्डे जोड़े गए हैं। बताया जा रहा है कि सरकार का लक्ष्य 2047 तक देश भर में 400 से अधिक हवाई अड्डे बनाना है ताकि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई यात्रा कर सके अर्थात गरीबों का सस्ती हवाई यात्रा का सपना साकार किया जा सके।

परंतु पिछले दिनों देश के केवल एक ही राज्य उत्तर प्रदेश से प्राप्त खबरों के अनुसार 2021 के बाद उड़ान योजना के अंतर्गत शुरू किये गये 7 नए हवाई अड्डों में से 6 पर नियमित कामर्शियल उड़ानें बंद हो चुकी हैं। धार्मिक पर्यटन के चलते इस समय केवल अयोध्या स्थित महर्षि बाल्मीकि अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा ही सक्रिय है। हालाँकि अयोध्या का यह हवाई अड्डा भी आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा तो जरूर घोषित किया गया है परन्तु अंतर्राष्ट्रीय शब्द केवल नाम तक ही सीमित है। वास्तव में अयोध्या का यह महर्षि बाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा वर्तमान में केवल भारत के भीतर सीमित घरेलू उड़ानें ही संचालित करता है और अभी तक किसी दूसरे देश के लिए यहाँ से अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें शुरू नहीं हुई हैं। अलबत्ता यहाँ से संचालित कुछ स्वदेशी मार्गों जैसे कोलकाता, पटना आदि की उड़ानें भी अस्थायी रूप से बंद जरूर हो चुकी हैं। केवल उत्तर प्रदेश देश में जिन हवाई अड्डों से उड़ानों का संचालन फिलहाल बंद हो चुका है उनमें कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट, आजमगढ़ एयरपोर्ट, चित्रकूट एयरपोर्ट, श्रावस्ती एयरपोर्ट, मुरादाबाद एयरपोर्ट तथा अलीगढ़ एयरपोर्ट के नाम उल्लेखनीय हैं। इसी तरह पंजाब में पठानकोट व लुधियाना, सिक्किम में पेक्यांग, गुजरात के भावनगर, छत्तीसगढ़ का अंबिकापुर, ओड़ीसा का राउरकेला, मध्य प्रदेश का दतिया, कर्नाटक का कलबुर्गी व हिमाचल के शिमला के हवाई अड्डों के बंद होने की खबरें हैं। सैकड़ों करोड़ की लागत से बनाये गये यह हवाई अड्डे कहीं कम पैसेंजर ट्रैफिक के कारण अर्थात यात्रियों की कमी के चलते बंद करने पड़े तो कहीं खराब दृश्यता , इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम की कमी या एयरलाइंस कंपनियों की संचालन में रुचि न होने के कारण बंद करने पड़े। कहीं पास के बड़े हवाई अड्डों के कारण यात्री न मिलने की वजह से बंद कर दिये गए तो कुछ तकनीकी व इंफ्रास्ट्रक्चर समस्याओं जैसे छोटे एयरपोर्ट पर हैंगर, फ़्यूल , स्टाफ की कमी के कारण भी बंद हुये।

एक अनुमान के अनुसार UDAN के अंतर्गत बिना किसी उड़ान के ही इन 15 नॉन-ऑपरेशनल एयरपोर्ट्स के रखरखाव और सिक्योरिटी पर पिछले 8 वर्षों में लगभग 878-900 करोड़ रुपए खर्च किये जा चुके हुए हैं जबकि कुल UDAN एयरपोर्ट्स के विकास पर 4,600 करोड़ से भी अधिक खर्च होने का अनुमान है। परन्तु सरकार को इससे कोई लाभ नहीं हुआ। इसी तरह एयर पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इण्डिया AAI के 81 एयरपोर्ट्स पर पिछले 10 वर्षों में 10,853 करोड़ के कुल घाटे का अनुमान है। कहना गलत नहीं होगा कि इससे योजना की सफलता पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या बंद होने वाले हवाई अड्डों या घाटे में चलने वाले हवाई अड्डों को शुरू करते समय या इनकी योजना बनाते वक़्त क्या इस बात का सही आंकलन नहीं किया गया कि यह हवाई अड्डे भविष्य में सुचारु रूप से संचालित हो सकेंगे या नहीं? क्या वजह है कि कल की यह लोकलुभावन योजनायें आज मात्र सफेद हाथी बनकर रह गयी हैं ? एक सवाल यह भी है कि हवाई चप्पल वाले हवाई यात्रा करें जैसी लोकलुभावन बातें कर इस तरह की योजनायें केवल चुनावी लाभ लेने के कारण बनाई गयी थीं? साथ ही एक सवाल यह भी कि जिस देश में रेल व बस जैसी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्थाओं में सुधार की भारी जरूरत हो,जहां अभी तक ट्रेन में यात्रियों को समय पर आरक्षित सीटें उपलब्ध न हो पाती हों,हद तो यह है कि अनेक दूरगामी ट्रेन्स में पैर रखने,खड़े होने यहाँ तक कि यात्रियों के डिब्बों में घुस पाने तक की जगह न मिल पाती हो,जहां आज भी यात्री ट्रेन्स में लटककर और अपनी जान को जोखिम में डालकर यात्रा करने को मजबूर हों वहां इस तरह की शर्मसार कर देने वाली सार्वजनिक परिवहन व्यवस्थाओं में सुधार करने व इन्हें व्यवस्थित करने के बजाये ऐसे नये हवाई अड्डे बनाना जोकि शीघ्र ही बंद भी करने पड़ जायें,क्या ऐसा कदम जनता के पैसों की बबार्दी नहीं है? इन सबके अतिरिक्त यह भी माना जा रहा है कि बिना जरुरत के नये हवाई अड्डे शुरू करने के पीछे का एक मकसद इनके संचालन से सत्ता के नजदीकी समझे जाने वाले उद्योगपतियों व कार्पोरेट्स को आर्थिक लाभ पहुंचाना भी है।

बहरहाल देश में लगातार बंद होते जा रहे नव सांचालित हवाई अड्डे इस निष्कर्ष पर तो पहुँचने के लिये काफी हैं कि हवाई चप्पल वालों को हवाई यात्रा करने का जो लोकलुभावन ढिंढोरा पीटा जा रहा था वह फिलहाल हवा हवाई साबित होता जा रहा है।

राज्यसभा चुनाव 2026: बदलते समीकरण, नंबर गेम और बिहार की पांचवीं सीट पर सियासी शतरंज

कांतिलाल मांडोत

राज्यसभा के ये चुनाव केंद्र सरकार की विधायी क्षमता, विपक्ष की प्रतिरोध शक्ति और क्षेत्रीय दलों की सौदेबाजी क्षमता–तीनों को प्रभावित करेंगे। यदि अनुमान सही साबित होते हैं और एनडीए 145 के आसपास पहुंचता है, तो उच्च सदन में उसकी स्थिति पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ होगी। इसके विपरीत, विपक्ष को अपनी राजनीतिक रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करना पड़ेगा। इस प्रकार 2026 का राज्यसभा चुनाव केवल सीटों का फेरबदल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के अगले अध्याय की प्रस्तावना है।

साल 2026 का राज्यसभा चुनाव भारतीय राजनीति के लिए केवल नियमित संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि शक्ति संतुलन के पुनर्निर्धारण का वर्ष साबित हो सकता है। राज्यसभा की कुल 245 सीटों में से लगभग 72 से 75 सीटें वर्षभर में विभिन्न चरणों में रिक्त हो रही हैं। मार्च में 37 सीटों पर चुनाव प्रस्तावित हैं, जबकि शेष सीटों पर अप्रैल, जून, जुलाई और नवंबर में चुनाव होंगे। इन चुनावों का सीधा असर केंद्र की विधायी रणनीति और विपक्ष की प्रभावशीलता पर पड़ेगा, क्योंकि उच्च सदन में बहुमत का समीकरण कई महत्वपूर्ण विधेयकों की दिशा तय करता है।

फरवरी 2026 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सदन में भाजपा के पास 103 सीटें, कांग्रेस के पास 27, तृणमूल कांग्रेस के 12, आम आदमी पार्टी के 10, द्रमुक के 10, बीजद के 7, वाईएसआरसीपी के 5 और अन्नाद्रमुक के 7 सदस्य हैं। सात सदस्य नामित श्रेणी में हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की कुल ताकत लगभग 121 के आसपास मानी जा रही है, जबकि विपक्षी इंडिया ब्लॉक करीब 80 सीटों के साथ मौजूद है। मौजूदा विधानसभा संरचनाओं को देखते हुए अनुमान है कि एनडीए को 7 से 9 सीटों का शुद्ध लाभ मिल सकता है, जिससे उसकी संख्या 140 के पार जा सकती है। इसके विपरीत, विपक्षी गठबंधन को लगभग पांच सीटों का नुकसान संभव है।

मार्च में जिन 37 सीटों पर चुनाव होंगे, वे महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना से संबंधित हैं। इन राज्यों की विधानसभा संरचना ही परिणामों का आधार बनेगी। राज्यसभा के चुनाव प्रत्यक्ष जनमत से नहीं, बल्कि निर्वाचित विधायकों के वोट से होते हैं। प्रत्येक राज्य में सीटों की संख्या और विधायकों की कुल संख्या के आधार पर 'कोटा' तय किया जाता है। सूत्र है–कुल विधायक संख्या को (सीटें + 1) से भाग देकर उसमें एक जोड़ दिया जाता है। यही न्यूनतम मत संख्या है, जो किसी उम्मीदवार को प्रथम वरीयता के आधार पर जीत के लिए चाहिए।

बिहार का उदाहरण इस गणित को स्पष्ट करता है। वहां विधानसभा में 243 सदस्य हैं और इस चरण में पांच सीटों

पर चुनाव होना है। सूत्र के अनुसार 243 को 6 से भाग देने पर 40.5 आता है, उसमें एक जोड़ने पर कोटा 41.5 बनता है, जिसे व्यावहारिक रूप से 42 माना जाता है। एनडीए के पास 202 विधायक हैं। इस आधार पर वह चार सीटें सहजता से जीत सकता है, क्योंकि 202 को 42 से भाग देने पर चार पूर्ण कोटे बनते हैं। इसके बाद उसके पास 38 वोट शेष रहते हैं। पांचवीं सीट के लिए उसे कम से कम तीन अतिरिक्त विधायकों का समर्थन चाहिए। यही वह बिंदु है, जहां सियासी रणनीति और क्रॉस वोटिंग की संभावनाएं अहम हो जाती हैं। बिहार में एनडीए के घटक दलों में भाजपा के 89 और जदयू के 85 विधायक हैं। इसके अतिरिक्त लोजपा (रामविलास), हम और अन्य सहयोगियों को मिलाकर संख्या 202 तक पहुंचती है। दूसरी ओर महागठबंधन में राजद के 25, कांग्रेस के 6 और वामदलों के तीन विधायक हैं। इनके अलावा पांच विधायक एआईएमआईएम और एक विधायक बसपा का है, जो किसी खेमे में औपचारिक रूप से शामिल नहीं हैं। महागठबंधन की कुल संख्या 35 है, जो एक सीट के लिए भी पर्याप्त नहीं। यदि विपक्ष एआईएमआईएम और बसपा का समर्थन जुटा ले, तब भी उसे कोटा पूरा करने के लिए अतिरिक्त समर्थन की आवश्यकता रहेगी। इसीलिए बिहार में पांचवीं सीट का मुकाबला केवल गणित नहीं, बल्कि राजनीतिक विश्वास और रणनीतिक तालमेल का प्रश्न बन गया है।

एनडीए की रणनीति स्पष्ट है कि वह चार सुनिश्चित सीटों के बाद पांचवीं पर भी दांव लगाए। इसके लिए बसपा के विधायक, महागठबंधन से जुड़े कुछ असंतुष्ट चेहरों या निर्दलीय समर्थन पर नजर है। वहीं विपक्ष भी यह समझता है कि यदि वह एकजुट होकर एक ही उम्मीदवार उतारे और अतिरिक्त समर्थन सुनिश्चित करे तो मुकाबला दिलचस्प हो सकता है। किंतु यदि विपक्षी खेमे से एक से अधिक प्रत्याशी मैदान में आते हैं, तो प्रथम वरीयता के वोटों के बंटवारे से एनडीए को लाभ मिल सकता है।

राष्ट्रीय स्तर पर भी यही गणित कई राज्यों में दोहराया जा रहा है। महाराष्ट्र में हालिया विधानसभा परिणामों ने एनडीए को बढ़त दी है, जिससे वहां अतिरिक्त सीट मिलने की संभावना है। ओडिशा और आंध्र प्रदेश में भी क्षेत्रीय दलों की बदली ताकत का असर दिख सकता है। गुजरात और राजस्थान जैसे राज्यों में विधानसभा में भाजपा की स्थिति मजबूत होने से विपक्ष की सीटें घट सकती हैं। कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में सीमित नुकसान की आशंका भी जताई जा रही है, परंतु कुल मिलाकर संतुलन एनडीए के पक्ष में झुकता दिखाई देता है।

इन चुनावों का एक मानवीय और प्रतीकात्मक पहलू भी है। कई वरिष्ठ नेताओं का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। कुछ के लिए पुनर्निर्वाचन कठिन प्रतीत हो रहा है, क्योंकि उनकी पार्टियों की विधानसभा शक्ति घटी है। राज्यसभा अक्सर उन नेताओं के लिए मंच रही है जो प्रत्यक्ष चुनाव नहीं लड़ते, किंतु राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय रहते हैं। यदि विधानसभा गणित अनुकूल न रहा, तो कई अनुभवी चेहरों की वापसी असंभव हो सकती है। यह बदलाव केवल संख्या का नहीं, बल्कि संसदीय विमर्श की दिशा का भी संकेत होगा।

सत्य आकलन यह दशार्ता है कि राज्यसभा का चुनाव पूर्णतः अंकगणितीय प्रक्रिया है, किंतु राजनीति इसे जीवंत बना देती है। जहां संख्या स्पष्ट है, वहां परिणाम लगभग तय होते हैं; जहां अंतर कम है, वहां रणनीति निर्णायक हो जाती है। 2026 का परिदृश्य बताता है कि एनडीए अपनी बढ़त को और मजबूत करने की स्थिति में है, जबकि विपक्ष को समन्वित रणनीति और आंतरिक एकता पर अधिक ध्यान देना होगा। विशेषकर बिहार जैसे राज्यों में पांचवीं सीट का संघर्ष यह सिद्ध करेगा कि भारतीय संसदीय राजनीति में एक-एक विधायक का महत्व कितना अधिक है।

अंततः, राज्यसभा के ये चुनाव केंद्र सरकार की विधायी क्षमता, विपक्ष की प्रतिरोध शक्ति और क्षेत्रीय दलों की सौदेबाजी क्षमता–तीनों को प्रभावित करेंगे। यदि अनुमान सही साबित होते हैं और एनडीए 145 के आसपास पहुंचता है, तो उच्च सदन में उसकी स्थिति पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ होगी। इसके विपरीत, विपक्ष को अपनी राजनीतिक रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करना पड़ेगा। इस प्रकार 2026 का राज्यसभा चुनाव केवल सीटों का फेरबदल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के अगले अध्याय की प्रस्तावना है।
~~~~~~~~~

चेहरे की खूबसूरती बढ़ाती नेक ब्यूटी

वैसे तो आप अपने रूप-सौंदर्य का पूरा ख्याल रखती हैं लेकिन अक्सर नेक ब्यूटी यानी गले की सुंदरता पर उतना ध्यान नहीं जाता, जितना कि देना चाहिए। गले की सुंदरता व साफ-सफाई भी उतनी ही जरूरी है जितनी कि चेहरे व हाथ-पांव की। तो आइए जानते हैं कुछ जरूरी टिप्स जिससे गले की खूबसूरती भी बढ़ाई जा सके।

दाग-धब्बों के लिए

गले पर किसी भी प्रकार के दाग-धब्बे हों तो इसके लिए खीरा या ककड़ी को अच्छी तरह से पीस कर पेस्ट बना लें। इसमें अब थोड़ा-सा दही मिलाकर गर्दन पर लगाएं। इससे सारे दाग दूर हो जाएंगे और रंगत में भी निखार आएगा। ऐसा कम से कम 15 दिनों तक एक दिन छोड़ जरूर करे।

टैनिंग हटाने के लिए

गर्मियों में टैनिंग या कालेपन को हटाने के लिए वैसे तो संस्क्रीन लगाने की सलाह दी जाती है लेकिन कई और भी तरीकों से इसे कम किया जा सकता है। रात भर भीगी मसूर की दाल को पीसकर उसमें शहद मिलाएं। इस पेस्ट को नहाने से पहले 15-20 मिनट तक लगाए रखें और फिर धो लें। इससे गले का कालापन दूर होगा व चमक भी आएगी।

बरकरार रहेगी चमक

आपको दाग-धब्बे या टैनिंग जैसी शिकायत नहीं भी है तो भी देखभाल की जरूरत तो होती ही है। देखभाल नहीं करने पर त्वचा अपनी प्राकृतिक चमक व आकर्षण खो देती है। इसके लिए एक ग्लीसरीन व नींबू के रस का मिश्रण बनाकर रात को सेने से पहले गले पर लगाएं। सुबह इसे कुनकुने पानी से धो लें। इससे त्वचा का आकर्षण बरकरार रहेगा।

कुछ जरूरी टिप्स

- हफ्ते में कम से कम एक बार प्राकृतिक तेल से गर्दन की मसाज जरूर करें। चाहे तो अच्छी कंपनी की मसाज क्रीम का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।
- चेहरे पर लगाने के लिए जो भी फेस पैक इस्तेमाल करें, उसे गर्दन पर भी जरूर लगाएं।
- कभी रूखापन महसूस होने पर जैतून का तेल लगाएं। हल्के हाथों से थोड़ी देर मसाज करने से खुश्की दूर होती है।
- इसके अलावा गले की सुंदरता को बढ़ाने के लिए डेलीकेट चेन पेंडेंट, मोतियों का हार या डिजाइनर नेकलेस का चुनाव भी कर सकती हैं।

फ्रेंच कनेक्शन

सामग्री : 2 छोटे प्याज बारीक कटे हुए, 1 टमाटर बारीक कटा हुआ, थोड़ा-सा ऑरीगेनो (हर्ब्स) और तुलसी की पत्तियां. 4 टुकड़े काले जैतून, लाल मिर्च पाउडर, 1 टीस्पून जैतून तेल, 50 ग्राम मौजरैला चीज, 6 स्लाइस इटालियानो क्रस्टी ब्रेड (इटालियन ब्रेड), नमक व काली मिर्च पाउडर स्वादानुसार।

विधि: सभी सब्जियों को बारीक काट लें। इसमें जैतून तेल, ऑरीगेनो, तुलसी की पत्तियां, नमक व काली मिर्च मिला लें। इटालियानो क्रस्टी ब्रेड के ऊपर इस तैयार किए गए मसाले को लगाएं। चीज डालकर बेक करें और सालसा सॉस के साथ सर्व करें।

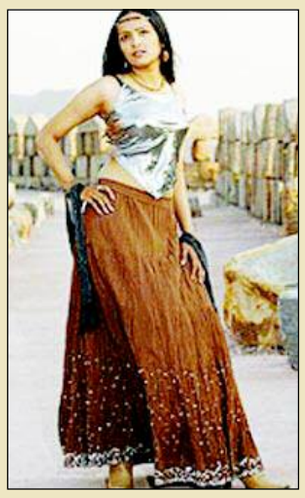

स्कर्ट्स आर इन

कपड़े, रंग और मौसम का लंबा ताल्लुक रहा है, स्कर्ट्स भी इससे अछूते नहीं हैं। ठंड के मौसम में यदि जींस पहनकर आप बोर हो गई हो तो लांग स्कर्ट एक बेहतर विकल्प है। एक समय था जब स्कर्ट्स के नाम पर सादा सा घेरदार स्टाइल का कपड़ा होता था, आजकल स्कर्ट्स कूल लुक में सामने आ रही हैं। इनके नए लुक पर एक नजर..

स्प्रे स्कर्ट्स- स्प्रे पेंट का तरीका कागज से अब कपड़ों पर भी पकड़ बनाता नजर आ रहा है। लोकल से लेकर नामी इंटरनेशनल ब्रांड्स ने इन्हें अपनाकर स्कर्ट्स के जरिये नया लुक दिया है। आपके लिए इसे पहनने का इससे अच्छा सीजन नहीं हो सकता।

वेस्ट अप- पिछले साल की लो राइज या लो वेस्ट कपड़ों की जगह इस बार वेस्ट अप ने ली है। इस स्टाइल के लांग और शॉर्ट स्कर्ट्स दोनों ही काफी पसंद किए जा रहे हैं। टॉमी हिलफिगर ने भी अपनी वेस्ट अप रेंज बाजार में उतारी है।

ट्यूलिप- मिस सिक्सटी ने कई शानदार नामों की स्कर्ट रेंज उतारी है, इसमें लोर्ना, कैटराइन, जैंक्विल जैसे नाम शामिल हैं। फैशन राइटर सुजाता अस्सूमल के अनुसार जो लोग अपने फिगर को परफेक्ट लुक देना चाहते हैं वो टज्यूलिप स्कर्ट्स जरूर ट्राय करें।

रंगों की बहार- डिजाइनर सुरीली गोयल के कलेक्शन में यलो, रेड और कई चटकदार रंगों का संगम है। इन रंगों को वीकएंड, हॉलीडे ट्रिप या हल्के-फुल्के फंक्शंस में भी पहना जा सकता है। फ्लोरल प्रिंट के रंगीन स्कर्ट भी हर सीजन में पसंद किए जाते हैं।

ब्लैक एंड व्हाइट- कुछ लोग कलरफुल कपड़े पसंद करते हैं तो कुछ का ऑल टाइम फेवरेट ब्लैक एंड व्हाइट होता है। इन दो रंगों के साथ ऑरेंज और ग्रीन रंगों का बढ़िया कांबिनेशन बनता है। डिजाइनर फाल्गुनी पीकॉक कहती हैं कि कैजुअल या डेनिम स्कर्ट का व्हाइट शर्ट के साथ भी बढ़िया कांबिनेशन बनता है। हर मौसम में यह स्कर्ट मुफीद हैं।

मेक अप ब्रश का सही इस्तेमाल

चेहरा कैनवास के समान है जिसपर मेकअप के बहाने आप तरह-तरह के रंग भरती हैं। इससे ना सिर्फ आप स्वयं को खूबसूरत बनाती हैं बल्कि नया लुक भी दे सकती हैं, लेकिन यह सब अच्छी तूलिका (ब्रश) के बिना संभव नहीं। मेकअप के लिए अक्सर महिलाएं सही ब्रश का इस्तेमाल नहीं करतीं। चेहरे के हर भाग का मेकअप करने के लिए अलग तरह के ब्रश मौजूद हैं, बस जरूरत है उनके बारे में सही जानकारी की। आइए जानें,

कंसीलर ब्रश

इस ब्रश का मुंह चौड़ा और किनारे पतले होने चाहिए। मार्केट में यह कई शेप व साइज में उपलब्ध हैं। जिसे पकड़ने में आपको आसानी हो वही ब्रश खरीदें। कंसीलर ब्रश ब्लेंड करने के लिए परफेक्ट है।

पाउडर ब्रश

इसके लिए गोल, लंबा व घने बालों वाला ब्रश लें। यह लूज पॉवडर व कॉम्पेक्ट लगाने के लिए बेहतरीन है। चेहरे व गर्दन पर लगे अतिरिक्त पॉवडर को भी इससे साफ व एक समान कर सकते हैं।

फाउंडेशन ब्रश

इसका ऊपरी हिस्सा पतला व सपाट हो। ब्रश लंबा और चौड़ा हो। फाउंडेशन ब्रश से क्रीमी व लिक्विड फाउंडेशन लगाने में आसानी होती है।

ब्लशर ब्रश

यह ऊपर से बड़ा व चौड़ा होना चाहिए। इसके बालों में हल्का पतलापन चल सकता है। चीकबोंस व गालों को उभार देने के लिए यह उपयुक्त है।

स्लांट ब्रश

स्लांट ब्रश छोटा, पतला व थोड़ा एंगल्ड (मुड़ा हुआ) होना चाहिए। इसमें मुलायम व सख्त दोनों प्रकार के ब्रश आते हैं। ये त्वचा की हल्की व बारीक रेखाओं या झुर्रियों को बेहतर तरीके से छुपाते हैं। आंखों व आई-ब्रो के आसपास ब्लेंड करने के लिए यह ब्रश परफेक्ट है।

आई शैडो ब्रश

आई शैडो के लिए बड़े आकार का ब्रश हो लेकिन न ज्यादा मोटा और न ज्यादा पतला। प्लेन किनारों के साथ यह ऊपर से चौड़ा हो और आंखों के आसपास इस्तेमाल करने के लिए ब्रिसल्स मुलायम। इस ब्रश का उपयोग पलकों पर कलर को ब्लेंड करने के लिए करते हैं।

लिप ब्रश

हमेशा पतला, छोटा और फ्लैट किनारी का लिप ब्रश उपयोग करें। इसे लिप लाइनर या लिपस्टिक, दोनों लगाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। लाइनर का ब्रश एकदम बारीक व लिपस्टिक के लिए थोड़ा मोटा ब्रश ठीक रहेगा।

जरूरी टिप्स

- खरीदते वक्त ध्यान रखें कि हर कंपनी के ब्रश का साइज अलग-अलग होता है।
- प्राकृकि बालों से बने ब्रश परफेक्ट होते हैं।
- इन्हें लंबे समय तक इस्तेमाल करते रहने के लिए उपयोग के बाद सौम्य शैंपू या पानी से धो कर साफ कर लें।
- इसे कभी गीला ना छोड़ें।

घरेलू फेस पैक बढ़ाएं सौंदर्य

- तैलीय त्वचा की महिलाओं के लिए चंदन और मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक बहुत उपयोगी है। इस पैक को बनाने के लिए आप मुल्तानी मिट्टी व चंदन पाऊडर को समान मात्रा में लें और उसमें गुलाब जल मिलाकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं, लाभ होगा।
- त्वचा के कालेपन को दूर करने के लिए संतरे के रस में थोड़ी-सी मुल्तानी मिट्टी, चंदन पाऊडर व हल्दी को मिलाकर उसका पेस्ट चेहरे पर लगाएं। कुछ ही सप्ताह में आप देखेंगी कि आपकी त्वचा में आश्चर्यजनक निखार आ गया है।
- चेहरे की त्वचा को निखारने के लिए पपीते के गूदे में चंदन पाऊडर व मुल्तानी मिट्टी मिलाकर उसका पैक चेहरे पर लगाएं।
- पुदीने को पीस कर उसमें थोड़ी-सी पिसी हल्दी और बेसन मिलाकर इसका पैक चेहरे पर लगाएं। यह फेस पैक त्वचा को कांतिमय बनाने में बहुत उपयोगी है।
- शुष्क त्वचा पर संतरे के रस में शहद मिलाकर त्वचा पर सूखने तक लगाएं, लाभ होगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-4-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-2-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-3-5-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 3819

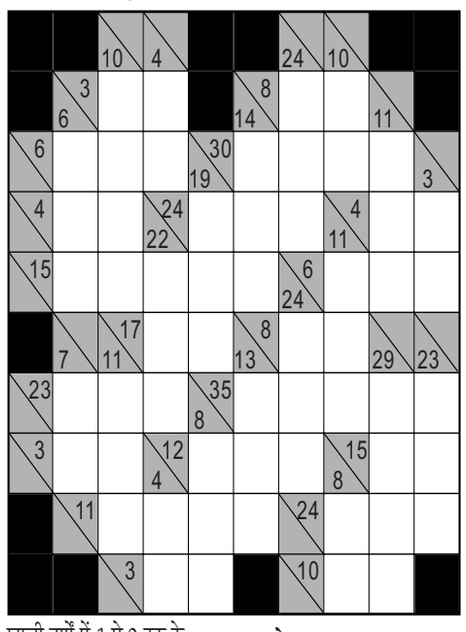

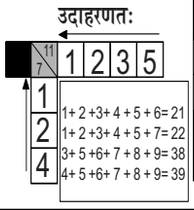

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

11 → 1 2 3 5; 7 ↓ 1 2 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3818 का हल

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधीश (एक बूढ़े चोर से)- तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुमने दिनदहाड़े चोरी की? तुम्हे पकड़े जाने जरा भी डर नहीं लगा।

कटघरे में खड़ा बूढ़ा चोर बोला- क्या करूँ सरकार! आजकल मुझे रात में बहुत नींद आती है, इसलिए मैंने दिन में दिनदहाड़े चोरी कर ली।

□ □ □

पुलिस इंस्पेक्टर (रमन से)- नालायक...! तुम इते गिरे हुए हो कि केवल पाँच सौ रुपए के लिए इस बुजुर्ग व्यक्ति का सिर फोड़ दिया?

रमन हवलदार- और क्या करता साहब... मजबूरी है! ऐसे ही तो बूँद-बूँद से घड़ा भरता है हुजूर।

□ □ □

न्यूक्लियर फैमिली में रहने वाला चंपू अपने पिता से बोलता है, पापा-पापा मैं भी अपनी शादी में आइटम गर्ल को डाँस करवाऊँगा।

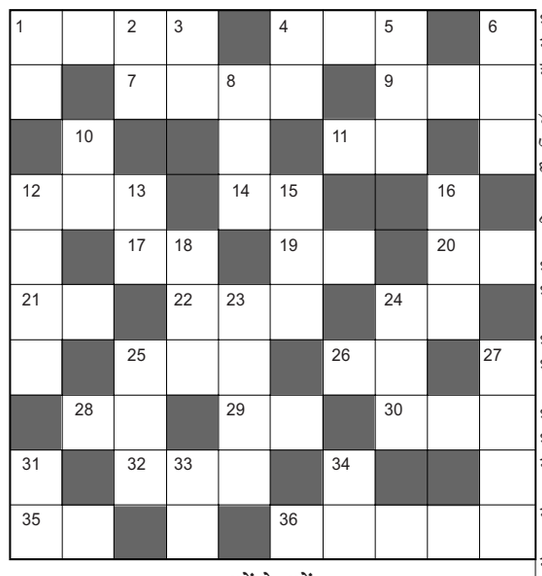

पापा- बेवकूफ क्या बकता है, यह तमाशा किस गधे की शादी में देख लिया?

चंपू- आपकी शादी के वीडियो में।

पापा- अबे नालायक अपनी मौसी और बुआ को नहीं पहचानता!!

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3819

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी ?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3818

सूडोकु -3819

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3818 का हल

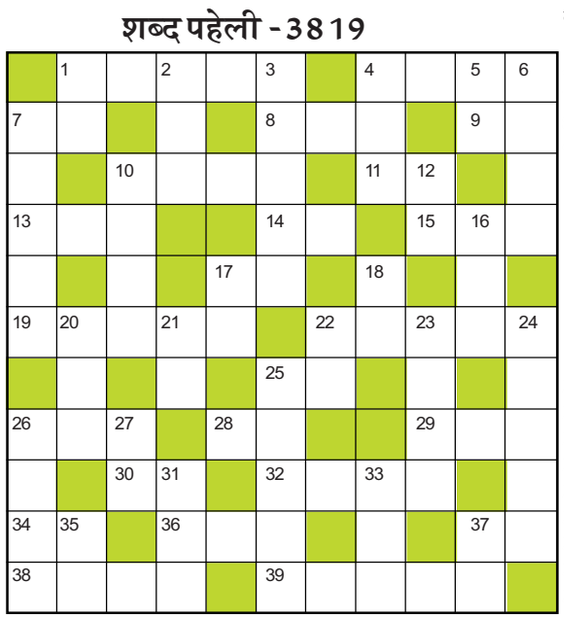

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली -3819

बाएँ से दाएँ

1.दयालु.उदार-5
4.गगन,आकाश-4
7.सरिता-2
8.चोगा,गाऊन-3
9.छुट्टी,अवकाश-2
10.आबे हयात,काबा कूप-4
11.रिहा-2
13.खाना,भोजन करना-3
14.जिद-2
15.हिम्मत,बल-3
17.कारागार-2
19.रइसे आजम,सूरी-5
22.दुत्कारना,डांटना-5
25.सराबोर-2
26.भोर,सवेरा-3
28.मूल्य,कीमत-2
29.महीन,बहुत छोटा-3
30.फूंक,दम,सुट्टा -2
32.झंकार,प्रतिध्वनि-4
34.उष्णता,ज्वर-2
36.ओट,चिलमन-3
37.छोटा टुकड़ा-2
38.सराबोर,सना हुआ-4
39.निर्माता,रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.कैदी,बंधक-2
2.मुलायम-3
3.यात्री पोत,तैरता होटल-5
4.उर्दू में अभिवादन-3
5.पिटाई,चोट-2
6.नाजुकता-4
7.नया जीवन-5
10.मर्यादा-4
12.खाली,रिक्त-2
16.लाईन,पंक्ति-3
17.गर्मी का महीना-2
18.उदर-2
20.दीनहीन,दरिद्र-3
21.लश्कर,फौज-2
22.नष्ट,अद्वैतभाव-2
23.व्यवसाय,धंधा-4
24.नाम रखना -2,3
25.होशियार-5
26.सुर आलाप-2,2
27.अधिकार-2
31.प्रतिज्ञा-3
33.आकांक्षा,अभिलाषा-3
35.राह,मार्ग-2
37.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली -3818 का हल

जियो को दुनिया का पहला बड़ा टोकन सर्विस प्रोवाइडर बनने का लक्ष्य

टेलीकॉम सेक्टर में एआई केवल एक अपग्रेड नहीं, बल्कि बड़ा बदलाव है

नई दिल्ली ।

जियो प्लेटफॉर्म्स के एक ग्रुप अे धिकारी ने बार्सिलोना में आयोजित मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस में बताया कि कंपनी आने वाले समय में दुनिया का पहला बड़ा टोकन सर्विस प्रोवाइडर बनने का लक्ष्य रखती है। उन्होंने कहा कि टेलीकॉम सेक्टर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) केवल एक अपग्रेड नहीं, बल्कि बड़ा बदलाव है। जो कंपनियां एआई को तेजी से अपनाएंगी, वही भविष्य में सफल होंगी। ग्रुप अे धिकारी के अनुसार, टेलीकॉम इंडस्ट्री में पहले कमाई कॉल मिनट्स से होती थी, फिर डेटा से। अब भविष्य में यह मॉडल टोकन आधारित हो सकता है। जियो इस नए मॉडल को अपनाने और टोकन इकोनॉमी का हिस्सा बनने में अग्रणी बनना चाहता है। उनका कहना है कि कंपनी केवल टोकन पाइप बनने का लक्ष्य नहीं रखती, बल्कि टोकन बनाने और पूरे टोकनोमिक्स सिस्टम में सक्रिय भूमिका निभाना चाहती है। उन्होंने कहा कि जियो ने पहले भी भारत में कम कीमत पर सेवाएं देने में सफलता हासिल की है। कंपनी के पास 52.5 करोड़ से ज्यादा ग्राहक हैं और डेटा की कीमत लगभग 9 सेंट प्रति जीबी है, जो दुनिया में सबसे कम है। भविष्य में जियो टोकन आधारित सेवाओं को भी कम कीमत पर उपलब्ध कराना चाहता है। एआई के आने के बाद टेलीकॉम नेटवर्क और डिजिटल डिवाइस पूरी तरह बदल जाएंगे। जियो सिर्फ इंटरनेट कनेक्टिविटी देने वाली कंपनी नहीं बनना चाहता, बल्कि एआई इकोसिस्टम का अहम हिस्सा बनना चाहता है। इसके लिए कंपनी एक इंटेलिजेंस आर्किटेक्चर तैयार कर रही है, जिसमें भरोसेमंद एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और स्मार्ट डिवाइस मुख्य भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि 2026 तक दुनिया में एआई पर 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा निवेश होने की उम्मीद है, जिसमें बड़े टेक प्लेटफॉर्म्स लगभग 810 बिलियन डॉलर खर्च करेंगे। एआई के आने से नई अर्थव्यवस्था और नए कारोबार के अवसर पैदा होंगे। स्केलबल टोकन एआई में जानकारी की छोटी इकाई है।

पश्चिम एशिया में तनाव से भारत में रसोई गैस संकट की आशंका

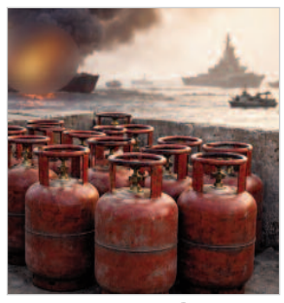

- भारत के पास फिलहाल एलपीजी का लगभग 30 दिनों का भंडार मौजूद

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध और तनाव के कारण भारत में रसोई गैस (एलपीजी)की आपूर्ति पर खतरा पैदा हो गया है। खाड़ी क्षेत्र में जारी संघर्ष के कारण गैस से भरे कई जहाज स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज के पास फंस गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर मार्च में आने वाले एलपीजी जहाज जल्द भारत के लिए रवाना नहीं होते हैं, तो देश में रसोई गैस की गंभीर कमी हो सकती है। इसका सीधा असर करोड़ों परिवारों पर पड़ सकता है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी खरीदार है और अपनी 90 प्रतिशत से अधिक जरूरतें पश्चिम एशिया से पूरी करता है। हाल के वर्षों में भारत ने अमेरिका से भी लंबी अवधि का समझौता किया है, लेकिन वहां से आने वाली मात्रा अभी कम है और भाड़ा अधिक है। विशेषज्ञों के अनुसार अगर अभी अमेरिका से एलपीजी खरीदी भी जाए, तो वह अप्रैल से पहले भारत नहीं पहुंच पाएगी। बाजार विश्लेषकों के अनुसार भारत के पास एलपीजी के लिए अन्य सप्लायर खोजने के विकल्प सीमित हैं। कुछ अतिरिक्त गैस अमेरिका, रूस या अर्जेंटीना से मिल सकती है, लेकिन मात्रा कम होगी और यह वैश्विक कीमतों और जहाजों की उपलब्धता पर निर्भर करेगा। सरकारी अधिकारियों के अनुसार भारत के पास फिलहाल एलपीजी का लगभग 30 दिनों का भंडार मौजूद है। यदि खाड़ी क्षेत्र में तनाव लंबे समय तक बना रहा, तो सप्लाई पर दबाव बढ़ सकता है। भारतीय रिफाइनरी कंपनियों ने सरकार के साथ आपात योजना पर चर्चा की है। देश की सबसे बड़ी एलएनजी आयातक कंपनी पेट्रोनेट एलएनजी ने कतर से आने वाली गैस पर फोर्स मेजर घोषित किया है, जिससे ग्राहकों को मिलने वाली गैस में करीब 50 प्रतिशत कटौती हुई है।

तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का स्टॉक लगभग आठ हफ्तों का है, इसलिए तेल की तत्काल कमी की संभावना कम है। हालांकि, अगर समुद्री मार्ग लंबी अवधि तक बंद रहे, तो तेल सप्लाई भी प्रभावित हो सकती है।

वाहन बिक्री में उछाल, फरवरी 2026 में 26 फीसदी बढ़ी

कुल बिक्री 24,09,362 इकाई रही, जो फरवरी 2025 में 19,17,934 इकाई थी

नई दिल्ली ।

वाहन डीलरों के संगठन फाडा ने गुरुवार को बताया कि फरवरी 2026 में भारत में वाहनों की घरेलू खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर 26 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। कुल बिक्री 24,09,362 इकाई रही, जो फरवरी 2025 में 19,17,934 इकाई थी। फाडा के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि जीएसटी सुधार, बेहतर मांग और बाजार का भरोसा सभी श्रेणियों के बेहतर प्रदर्शन के प्रमुख कारण रहे। शहरी और ग्रामीण बाजारों में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। दोपहिया वाहनों की बिक्री 17,00,505 इकाई रही, जो पिछले साल 13,60,155 इकाई थी, यानी 25 फीसदी वृद्धि। तिपहिया वाहनों की बिक्री में 24 फीसदी, यात्री वाहनों में 26 फीसदी और वाणिज्यिक वाहनों में 29 फीसदी की वृद्धि हुई। यात्री वाहनों की बिक्री पिछले साल के 3,13,015 इकाई से बढ़कर 3,94,768 इकाई तक पहुंच गई। अे धिकारी ने बताया कि छह में पांच श्रेणियों ने अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की। शहरी बाजारों में बिक्री 21 फीसदी बढ़ी, जबकि ग्रामीण बाजारों में 34 फीसदी का उछाल देखा गया। ग्रामीण क्षेत्रों में यह वृद्धि खासतौर पर छोटी कारों और दोपहिया वाहनों की मजबूत मांग को दर्शाती है। फाडा ने बताया कि ग्रामीण नकदी में सुधार (अच्छी फसल के बाद), आकर्षक विपणन योजनाएं और जीएसटी संशोधनों के बाद बेहतर मूल्य निर्धारण ने बिक्री में बढ़ोतरी में मदद की। अे धिकारी ने कहा कि यह आंकड़ा पूरे वाहन उद्योग के लिए उत्साहजनक संकेत है और यह दर्शाता है कि बाजार में मांग लगातार मजबूत बनी हुई है।

कतर से एलएनजी सप्लाई में संकट, सीएनजी हो सकती है महंगी

- कतर की एलएनजी सुविधाओं पर ईरानी ड्रोन हमलों से उत्पादन अस्थायी रूप से बंद

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच कतर की एलएनजी सुविधाओं पर ईरानी ड्रोन हमलों के कारण उत्पादन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। रस लाफान और मेसईद स्थित एनएनजी संयंत्रों में हमलों के बाद कतरएनर्जी ने बताया कि एलएनजी और उससे जुड़े उत्पादों का उत्पादन फिलहाल बंद है। भारत हर साल लगभग 27 मिलियन टन एनएनजी आयात करता है, जिसमें से करीब 40 प्रतिशत गैस कतर से आती है। पेट्रोनेट एलएनजी के कतर से 8.5 मिलियन टन की लंबी अवधि की खरीद समझौता भी प्रभावित हुआ है। सुरक्षा कारणों से जहाज कतर तक नहीं पहुंच पा रहे हैं और पेट्रोनेट एलएनजी ने कतरएनर्जी को फोर्स मेजर नोटिस जारी किया है। सप्लाई संकट के कारण शहर गैस कंपनियों और सीएनजी वितरण में लगभग 40 प्रतिशत तक कटौती हुई है। शहर गैस कंपनियों के संगठन एसीई ने सरकारी कंपनी गैल को पत्र लिखकर चिंता जताई है। अगर सस्ती कतर गैस की जगह महंगी स्पॉट मार्केट गैस खरीदनी पड़ी तो सीएनजी और शहर गैस की कीमतें बढ़ सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय स्पॉट मार्केट में एलएनजी की कीमत बढ़कर लगभग 25 डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट हो गई है, जो लंबे अनुबंध की कीमत से दोगुनी है। स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से

गुजरने वाला यह मार्ग दुनिया के करीब एक-तिहाई समुद्री तेल और 20 प्रतिशत एलएनजी निर्यात के लिए अहम है। भारत के लिए भी यह मार्ग महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश के लगभग 50 प्रतिशत कच्चे तेल और 54 प्रतिशत एलएनजी इसी रास्ते से आते हैं।

मिडिल ईस्ट तनाव के बीच कच्चा तेल 83 डॉलर प्रति बैरल के पार

- देश के पास लगभग 25 दिनों का कच्चे तेल का भंडार

नई दिल्ली ।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में दो प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई। दरअसल इरान द्वारा रणनीतिक समुद्री मार्ग स्ट्रेट आफ होमुर्ज को बंद किए जाने से वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस मार्ग से दुनिया के बड़े हिस्से में तेल की सप्लाई होती है, इसलिए इसके बंद होने का असर तुरंत बाजार पर दिखाई दिया। गुरुवार को शुरुआती कारोबार में इंटरकान्टीनेंटन एक्सचेंज पर बेंचमार्क क्रूड का अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 2.43 प्रतिशत बढ़कर 83.26 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं न्यूयार्क मर्केन्टाइल एक्सचेंज (एनवाईमेक्स) पर वेस्ट इंटरमी डियट क्रूड आयल का अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 2.63 प्रतिशत बढ़कर 76.63 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक कंटेनर जहाज पर प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ, जिससे जहाज को नुकसान पहुंचा है। इस घटना के बाद तेल आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है, जिसके चलते बाजार में कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर भारत जैसे बड़े आयातक देशों पर पड़ सकता है। अनुमान है कि यदि कच्चे तेल की कीमत पूरे वर्ष के लिए प्रति बैरल एक डॉलर बढ़ती है, तो भारत का आयात बिल करीब

16,000 करोड़ रुपये तक बढ़ सकता है। हालांकि सरकारी सूत्रों के मुताबिक, भारत फिलहाल अपेक्षाकृत सुरक्षित स्थिति में है। देश के पास लगभग 25 दिनों का कच्चे तेल का भंडार और करीब 25 दिनों के पेट्रोलियम उत्पादों का स्टॉक मौजूद है, जिसमें समुद्र मार्ग से आ रहा तेल भी शामिल है। भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का 85 प्रतिशत से अधिक आयात करता है। इनमें से लगभग 50 प्रतिशत तेल मिडिल ईस्ट के देशों से आता है। हालांकि हाल के वर्षों में भारत ने रसिया, यूनाइटेड स्टेट अऔर अफ्रीकी देशों से आयात बढ़ाकर ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने की कोशिश की है।

टाटा मोटर्स तीन नई इलेक्ट्रिक कारें करेगी लॉन्च

नईदिल्ली । साल 2026 में टाटा मोटर्स तीन नई इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करने जा रही है, जिनमें टाटा टियागो ईवी फेसलिफ्ट, टाटा अविन्या और टाटा सिएरा ईवी शामिल हैं। ये तीनों मॉडल अलग-अलग सेगमेंट को टारगेट करते हैं किफायती हैचबैक, प्रीमियम कॉन्सेप्ट-बेस्ड एसयूवी और मिड-साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी। इन लॉन्च से देश का इलेक्ट्रिक वाहन बाजार और मजबूत होगा, खासतौर पर तब जब ई-केंद्रित और तकनीकी रूप से एडवांस्ड वाहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है। टाटा टियागो ईवी फेसलिफ्ट देश की लोकप्रिय किफायती इलेक्ट्रिक हैचबैक का अपडेटेड वर्जन होगा। स्पाई तस्वीरों के अनुसार, इसमें नए डिजाइन वाली लाइट्स, अपडेटेड फ्रंट ग्रिल, रिवाइज्ड बंपर और नई टेललाइट्स देखने को मिलेंगी। संभव है कि इसमें बड़ा बैटरी पैक मिले, जिससे रेंज 250-300 किमी तक पहुंच सकती है। सनरूफ, 360-डिग्री कैमरा और बेहतर इंफोटेनमेंट जैसे फीचर्स इसे और आकर्षक बनाएंगे। यह शहर में रोजमर्रा की ड्राइविंग के लिए एक बेहतर विकल्प बनेगी। वहीं, टाटा अविन्या कंपनी की प्रीमियम ईवी लाइनअप का हिस्सा होगी, जो जेन-3 प्लेटफॉर्म पर आधारित है। इसके 2026 के मध्य तक बाजार में आने की उम्मीद है।

चीन ने घटाया आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य, घरेलू मांग बढ़ाने योजना लागू

- वैश्विक और घरेलू आर्थिक दबावों के बीच लिया गया यह फैसला

बीजिंग । चीन ने इस साल अपनी आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य घटाकर 4.5 से 5 फीसदी कर दिया है। यह पहला मौका है जब पिछले तीन वर्षों तक लगातार 5 फीसदी का लक्ष्य रखने के बाद सरकार ने इसे संशोधित किया। यह कदम वैश्विक और घरेलू आर्थिक दबावों के बीच लिया गया है। अमेरिका द्वारा लगाए गए जवाबी शुल्क, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और बढ़ते वैश्विक आर्थिक संकट ने चीन की निर्यात-आधारित वृद्धि पर दबाव डाला है। पिछले साल निर्यात मजबूत रहने के बावजूद घरेलू खपत धीमी रही, जिससे आर्थिक संतुलन चुनौतीपूर्ण हो गया। चीन की संपत्ति बाजार में मंदी और धीमी घरेलू मांग ने सरकार को वृद्धि लक्ष्य घटाने पर मजबूर किया। देश का जीडीपी पिछले साल 5 फीसदी की दर से बढ़कर 20.01 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचा। प्रीमियर ली कियांग ने नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) में रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि इस साल सरकार का लक्ष्य 4.5-5 फीसदी जीडीपी वृद्धि लगभग 5.5 फीसदी शहरी बेरोजगारी, 1.2 करोड़ से अधिक नए शहरी रोजगार और 2 फीसदी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक वृद्धि हासिल करना है। उन्होंने बताया कि शहरी और ग्रामीण निवासियों की आय बढ़ाने के लिए नई योजना लागू की जाएगी। इसके तहत 250 अरब युआन (36.17 अरब डॉलर) के विशेष ट्रेजरी बॉन्ड और 100 अरब युआन का विशेष राजकोषीय-वित्तीय समन्वय कोष घरेलू मांग विस्तार के लिए बनाया जाएगा।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर पर जेएम फाइनेंशियल ने बाय रेटिंग बरकरार रखी

नई दिल्ली ।

जेएम फाइनेंशियल ने रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के शेयर पर बाय रेटिंग को बरकरार रखा है। ब्रोकरेज ने स्टॉक का टारगेट प्राइस 1,730 रुपए तय किया है, जो वर्तमान कीमत 1,345 रुपए से करीब 29 फीसदी ऊपर है। इसका मतलब है कि निवेशकों को शेयर में अपसाइड रिटर्न का मौका मिल सकता है। शेयर इस हफ्ते लगभग 4 फीसदी गिरा है और पिछले एक महीने में करीब 8 फीसदी की कमजोरी देखी गई। बुधवार को शेयर 1,345 रुपए पर बंद हुए। गुरुवार सुबह बीएसई पर शेयर 1,383.30 रुपए पर 2.81 फीसदी बढ़त के साथ खुले, जो कंपनी के लिए सकारात्मक संकेत है। ब्रोकरेज के अनुसार मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली शेयर में गिरावट के मुख्य कारण रहे। द्ववदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी दिसंबर 2025 में 21.1 फीसदी थी, जो मार्च 2021 में 28.3 फीसदी थी। इसी वजह से शेयर की कीमत ब्रोकरेज के बेयर केस वैल्यूएशन 1,275 रुपए के करीब आ गई। कच्चे तेल और एलएनजी की कीमत में वृद्धि से रिलायंस के ऑयल-टू-केमिकल्स (ओ2सी) कारोबार पर नकारात्मक असर नहीं होगा। इसके अलावा डीजल मार्जिन और पेट्रोकेमिकल कारोबार के मार्जिन में सुधार की संभावना है। मजबूत रिफाइनिंग मार्जिन के कारण कंपनी को निकट अवधि में फायदा होने की उम्मीद है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 899, निफ्टी 285 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 899.71 अंक बढ़कर 80,015.90 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 285.40 अंक उछलकर 24,765.90 पर बंद हुआ। बाजार में तेजी डिफेंस शेयरों के कारण आई है। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस 2.55 फीसदी बढ़ है जबकि निफ्टी मेटल 2.29 फीसदी), निफ्टी पीएसई 2.22 फीसदी, निफ्टी इन्फ्रा 2.21 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.10 फीसदी, निफ्टी कमोडिटीज 2.05 फीसदी और निफ्टी एनर्जी 1.92 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। केवल निफ्टी आईटी इंडेक्स ही 0.59 फीसदी टूटकर बंद हुआ। लार्जकैप के साथ ही आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 867.40 फीसदी की तेजी के साथ 57,792.55 और निफ्टी स्मॉलकैप 257.30 अंक बढ़कर 16,538.80 पर था। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स पैक में अदाणी पोर्ट्स, एलएंडटी, एनटीपीसी, बीईएल, इंडिगो, एमएंडएम, पावर ग्रिड, मारुति सुजुकी, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, सन फार्मा, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, टाइटन, ट्रेंट, एशियन पेंट्स और भारती एयरटेल सबसे अधिक लाभ वाले शेयर थे। वहीं टेक महिंद्रा, एचसीएल , एचयूएल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, इन्फोसिस, टीसीएस, आईटीसी और एक्सिस बैंक के शेयर नुकसान में रहे। बाजार जानकारों के अनुसार शेयर बाजार

में तेजी निचले स्तरों पर निवेशकों की खरीदारी से आई है। निवेशकों ने मेटल, सरकारी शेयरों और इन्फ्रा से जुड़े शेयरों में काफी खरीदारी की है। इसके अलावा, वैश्विक बाजारों में तेजी के कारण भी घरेलू बाजार उछला है। इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बीच बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत हुई। बाजार को हैवीवेट शेयरों में आई खरीदारी से समर्थन मिला। सुबह सेंसेक्स 79,530 अंक पर खुला। इससे पहले बुधवार को सेंसेक्स 79,116 अंक पर बंद हुआ था.। इसी तरह निफ्टी भी बढ़त के साथ खुला। निफ्टी-50 24,615 अंक के स्तर पर खुला और सुबह की शुरुआत के बाद यह 76.75 अंक की बढ़त के साथ 24,572 अंक पर कारोबार कर रहा था। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार एशियाई बाजारों की मजबूती और चुनिंदा बड़े शेयरों में खरीदारी ने बाजार की शुरुआत को सकारात्मक बनाया। हालांकि, निवेशकों की नजर अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी बनी हुई है। खासकर ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता पैदा की है। इसके साथ ही कच्चे तेल की कीमतों में उछाल भी बाजार के लिए चिंता का विषय बना हुआ है।

न्यूयॉर्क न्यायालय ने ट्रंप टैरिफ रद्द किए, कंपनियों को रिफंड का आदेश

वाशिंगटन । न्यूयॉर्क के संघीय न्यायाधीश रिचर्ड ईटन ने कहा कि जो कंपनियां पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट द्वारा रद्द किए गए आयात शुल्क का भुगतान कर चुकी हैं, वे अब रिफंड की हकदार हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पाया था कि राष्ट्रपति*डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आईईईपीए (अंतरराष्ट्रीय आपातकाल आर्थिक शक्ति कानून) के तहत लगाए गए शुल्क असंवैधानिक थे। न्यायाधीश ईटन ने कहा कि वह केवल आईईईपीए शुल्क के रिफंड से जुड़े मामलों की सुनवाई करेंगे। इस फैसले से कंपनियों को रिफंड प्रक्रिया में स्पष्टता मिली है, जो सुप्रीम कोर्ट के 20 फरवरी के फैसले में नहीं दी गई थी। यह फैसला ट्रंप प्रशासन के लिए कानूनी और वित्तीय चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। कंपनियों के लिए यह राहत है, क्योंकि अब वे पहले भुगतान किए गए भारी शुल्क वापस प्राप्त कर सकेंगे।

एनएचएआई प्रायोजित आरआईआईटी का 6,000 करोड़ का आईपीओ लॉन्च

नई दिल्ली । भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा प्रायोजित राजमार्ग इंफ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आरआईआईटी) ने अपने पहले आईपीओ के लिए 99-100 रुपए प्रति यूनिट का मूल्य दायरा तय किया है। कुल आईपीओ का आकार 6,000 करोड़ रुपये तक है। सार्वजनिक निवेशक के लिए आवेदन 11 मार्च से खुलेंगे और 13 मार्च को बंद होंगे। एंकर निवेशकों के लिए बोली 10 मार्च को लगेगी। इस इन्विट का उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्ग संपत्तियों की मौद्रिकरण क्षमता का लाभ उठाना है। यह मुख्य रूप से खुदरा और घरेलू निवेशकों को लक्षित करता है और दीर्घकालिक उच्च गुणवत्ता वाला निवेश विकल्प प्रदान करता है। विशेषज्ञों के अनुसार यह पहल राष्ट्रीय राजमार्ग बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। निवेशकों को एक स्थिर और दीर्घकालिक रिटर्न का अवसर मिलेगा, जबकि एनएचएआई अपनी संपत्तियों को प्रभावी ढंग से मौद्रीकृत कर पाएगा।

दुनिया के केंद्रीय बैंकों की सोना खरीद में जनवरी में बड़ी गिरावट

- सोने की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव और कुछ मौसमी कारणों के चलते केंद्रीय बैंकों ने इस बार सावधानी बरती

नई दिल्ली । जनवरी 2026 में दुनिया के केंद्रीय बैंकों की सोना खरीद में अचानक गिरावट देखने को मिली। पिछले 12 महीनों में औसतन हर महीने लगभग 27 टन सोना खरीदा जा रहा था, लेकिन जनवरी में यह आंकड़ा घटकर केवल 5 टन रह गया। विशेषज्ञों का कहना है कि सोने की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव और कुछ मौसमी कारणों के चलते केंद्रीय बैंकों ने इस बार सावधानी बरती। इस दौरान उज्बेकिस्तान सबसे बड़ा खरीदार बना। देश के केंद्रीय बैंक ने 9 टन सोना खरीदा, जिससे कुल भंडार बढ़कर 399 टन हो गया। अब देश के विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी 86 फीसदी तक पहुंच गई है, जबकि 2020 में यह सिर्फ 57 फीसदी थी। बाजार के विशेषज्ञों के अनुसार यह कदम उज्बेकिस्तान की मुद्रा सुरक्षा और भंडार स्थिरता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। मलेशिया के केंद्रीय बैंक ने भी 3 टन सोना खरीदा। इसके साथ ही देश का कुल सोना भंडार 42 टन हो गया, जो उसके कुल विदेशी मुद्रा भंडार का लगभग 5 फीसदी है। यह मलेशिया की 2018 के बाद पहली सोना खरीद है, जो संकेत देती है कि देश अपने भंडार में विविधता और सुरक्षा बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। चीन के केंद्रीय बैंक ने जनवरी में 1 टन सोना खरीदा। यह लगातार 15वें महीने की खरीद है। इसके चलते चीन के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी लगभग 10 फीसदी के करीब पहुंच गई है। चीन की यह निरंतर खरीदारी वैश्विक बाजार में स्थिरता और लंबे समय तक निवेश की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। वहीं रूस इस दौरान सबसे बड़ा विक्रेता रहा। रूस के केंद्रीय बैंक ने अपने भंडार से 9 टन सोना बेच दिया। इसके अलावा बुल्गारिया ने यूरो अपनाने के बाद 2 टन सोना यूरोपीय सेंट्रल बैंक को ट्रांसफर किया। केडिया एडवाइजरी के अनुसार, डॉलर के मुकाबले रुपया दबाव में रह सकता है और यूएसडी/आईएनआर का स्तर 94.20 तक पहुंच सकता है। मजबूत डॉलर, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और अमेरिका-भारत के ब्याज दरों का अंतर रुपये पर दबाव डाल सकता है।

निफ्टी में दबाव जारी, निवेशकों में बढ़ी सावधानी

नई दिल्ली । भारतीय शेयर बाजार बुधवार को कमजोर वैश्विक संकेतों और बढ़ती भू-राजनीतिक चिंताओं से दबाव में खुला। निफ्टी पूरे कारोबारी सत्र में सीमित दायरे में ही रहा। दिन भर हल्की रिकवरी की कोशिशों के बावजूद निफ्टी 24,480.50 के स्तर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद के मुकाबले लगभग 1.55 फीसदी की गिरावट है। बाजार के अधिकांश प्रमुख सेक्टर कमजोर रहे। मेटल, रियल्टी और एनर्जी सेक्टर में तेज बिकवाली देखने को मिली। इसके विपरीत, आईटी सेक्टर ने कुछ मजबूती दिखाई। मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक भी 2 फीसदी से अधिक टूटे जिससे निवेशकों की चिंता और बढ़ गई। बाजार का दबाव कई कारकों से बना। वैश्विक बाजारों से नकारात्मक संकेत, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और भू-राजनीतिक अनिश्चितता निवेशकों के भरोसे को प्रभावित कर रही हैं। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली और रुपये में उतार-चढ़ाव ने बाजार की धारणा को कमजोर किया। रेलिगेयर ब्रोकिंग के अनुसार निफ्टी का 24,600 सपोर्ट टूटना चिंता का संकेत है। उनका कहना है कि अब अगला बड़ा सपोर्ट 24,050 के आसपास है। यदि बाजार में सुधार होता है, तो 24,600-24,800 का दायरा मजबूत रेजिस्टेंस बन सकता है। इंडिया वीआईएक्स में 50 फीसदी से अधिक उछाल ने बाजार में बढ़ती घबराहट को भी दर्शाया।

तांबे की कीमतें घटकर 1,224 रुपए प्रति किलो पहुंची

नई दिल्ली । गुरुवार को घरेलू हाजिर बाजार में मांग सुस्त रहने के कारण तांबे की वायदा कीमतों में गिरावट आई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में अप्रैल डिलीवरी के लिए तांबा 6.25 रुपये या 0.51 प्रतिशत घटकर **1,224 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ। तांबे के वायदा कारोबार में कुल 208 लॉट का लेन-देन हुआ। कारोबारियों ने कहा कि वायदा बाजार में कीमतों पर दबाव देखा गया। विशेषज्ञों का कहना है कि उपभोक्ता उद्योगों की ओर से घरेलू मांग कमजोर होने के कारण तांबे की कीमतों में कमी आई। बाजार में सुस्त मांग और निवेशकों की सतर्कता ने वायदा कारोबार को प्रभावित किया।

सचिन के बेटे अर्जुन की शादी में पारंपरिक परिधाओं में नजर आये धोनी और साक्षी

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और उनकी पत्नी साक्षी धोनी गुरुवार को यहां महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंडोक की शादी में शामिल हुए। धोनी और साक्षी इस समारोह में स्टाइलिश अंदाज में नजर आये। शादी में धोनी के अलावा कई और दिग्गज खिलाड़ी भी शादी में शामिल हुए।

धोनी ने शादी समारोह में पारंपरिक परिधानों में सबका ध्यान खींचा। वह हल्के बेज-ब्लश सिल्क कुर्ते में अपने ही अंदाज में दिखे। जिसमें बीच और कफ पर बारीक रेशम और ज़रदोज़ी की कढ़ाई की गई थी। हल्के हरे, लाल और सुनहरे रंग के हल्के फूलों से उनका ये कुर्ता और भी क्लासिक भारतीय अंदाज दिखा रहा था। उन्होंने क्रिस्प सफेद चूड़ीदार ट्राउज़र के साथ लुक को साफ और सिंपल रखा, जिससे कुर्ते की कारीगरी उभर कर सामने आई। वहीं साक्षी ने आइवरी अनारकली-स्टाइल सूट पहना था, जिसके बॉर्डर पर कलमकारी से प्रेरित फूलों की बेलें और मोर के डिज़ाइन थे, जो शाही चार्म दिखा रहा था। उनके हल्के सोने के बॉर्डर वाले शीयर दुपट्टे, लेयर्ड गोल्ड ज्वेलरी और भारी सजावट वाले गोल्ड पोटली बैग ने स्टाइल के साथ ही पारंपरिक अंदाज दिखाया। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान और उनकी पत्नी सफा बेग भी पारंपरिक कपड़ों में दिखे। इरफान हल्के क्रीम रंग के थ्री-पीस सूट में बहुत खूबसूरत लग रहे हैं, जिसमें फिटेड ब्लेज़र, मैचिंग वेस्टकोट और स्लिम ट्राउज़र हैं। इसे बिना बटन वाली सफेद शर्ट और पॉलिश किए हुए भूरे जूतों के साथ कैजुअली स्टाइल किया गया है, जो एक मॉडर्न और आरामदायक लुक देता है।

वहीं सफा ने एक शानदार ब्लश पिंक गाउन, एक बड़ी ट्यूल स्कर्ट और बारीक सजी हुई स्लीव्स में कॉम्प्लिमेंट किया। उनका शीयर मैचिंग हिजाब, लेडी डायर बैग और डायमंड चोकर लुक को पूरा कर रहे हैं, जिससे एक सॉफ्ट, रोमांटिक लुक बन रहा है जो इरफान के स्ट्रक्चर्ड आउटफिट के साथ मिलकर अलग ही अंदाज दिखा रहा था। साथ में, वे एक पेस्टल और न्यूट्रल पैलेट में अच्छे लग रहे हैं, जो कपल गोल्स की निशानी है। अर्जुन तेंदुलकर की शादी के जश्न में कई और क्रिकेटर भी परिवार सहित शामिल हुए। इसमें पूर्व तेज गेंदबाज ज़हीर खान के साथ उनकी पत्नी सागरिका घाटगे, हरभजन सिंह के साथ गीता बसरा, युवराज सिंह के साथ हेज़ल कीच के अलावा पूर्व कोच रवि शास्त्री और मुख्य चयनकर्ता अजीत भी अपने-अपने परिवसर के साथ शामिल हुए।

पहली बार रणजी ट्रॉफी जीतने वाली जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम से मिले आईसीसी प्रमुख जय शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अध्यक्ष जय शाह ने पहली बार रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने पर जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें शानदार प्रदर्शन पर बधाई दी है। जम्मू-कश्मीर ने खिताबी मुकाबले में आठ बार की विजेता कर्नाटक को हराकर सभी को हैरान कर दिया है। वहीं इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात कर जीत की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, रणजी ट्रॉफी में जम्मू और कश्मीर की जीत दिखाती है कि राज्य में क्रिकेट आगे बढ़ रहा है जो गर्व की बात है। अपनी यादगार जीत के बाद, खिलाड़ियों ने आईसीसी अध्यक्ष जय शाह से मिलने और उनके साथ यह खास पल साझा करने की इच्छा भी जताई थी। तब खिलाड़ियों ने बीसीसीआई सचिव रहते शाह के जम्मू-कश्मीर क्रिकेट के लिए किए गए कार्यों की भी प्रशंसा की थी। बीसीसीआई ने जम्मू-कश्मीर टीम को उसके इस सफलता पर बधाई दी। साथ ही जीतने वाली टीम से मिलने के लिए शाह को धन्यवाद दिया।

गौरतलब है कि जम्मू और कश्मीर टीम ने चैंपियन कर्नाटक के खिलाफ पहली पारी में बड़ी बढ़त के आधार पर रणजी ट्रॉफी 2025-26 का खिताब जीतकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। खिताबी मुकाबले की पहली पारी में 584 रन बनाने के बाद, जम्मू और कश्मीर ने कर्नाटक को 293 रन पर आउट करके 291 रनों की बढ़त हासिल की थी।

वहीं जम्मू-कश्मीर ने ओपनर कमरान इकबाल के नाबाद 160 रन और साहिल लोतरा के की शतकीय साझेदारी की सहायता से अपनी दूसरी पारी 4 विकेट प 342 रन बनाकर घोषित कर दी। ये मैच ड्रॉ रहा और पहली पारी की बढ़त के आधार पर जम्मू-कश्मीर को विजयी घोषित किया गया था। जम्मू-कश्मीर सरकार ने भी इस सफलता पर टीम की प्रशंसा करते हुए उसे इनाम दिया था।

वरुण के बचाव में उतरे मेंटर, उसके प्रदर्शन में कोई कमी नहीं

दुबई (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मिस्ट्री स्पिनर के नाम से लोकप्रिय वरुण चक्रवर्ती का प्रदर्शन इस बार टी20 विश्वकप में उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। वरुण चक्रवर्ती सुपर 8 के मैच में बल्लेबालों पर पूरी तरह से अंकुश नहीं लगा पाये जिससे उनके ओवरों में पहले से अधिक अधिक रन बने हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में वह प्रभावित नहीं कर पाये हालांकि इसके बाद भी वह भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वहीं वरुण के मेंटर प्रतीपन ने उनका बचाव करते हुए कहा है कि इस गेंदबाज के फार्मा को लेकर चिन्ता की कोई जरुरत नहीं है।

प्रतीपन ने कहा, आंकड़ों पर नजर डालें तो वरुण ने अच्छी गेंदबाजी की है। अगर पिच से किसी और को ज्यादा टर्न मिल रही होती और वरुण को नहीं, तो हम कुछ बदलाव की बात करते पर अभी ऐसा कुछ नहीं है। इसलिए वह परेशान नहीं हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि वरुण को अभी तकनीक में किसी भी प्रकार के बदलाव की जरुरत नहीं है। उनका फिलहाल किसी तकनीकी बदलाव की जरूरत महसूस नहीं की गई है। केवल एक दो मैच के आधार पर बदलाव सहीं नहीं है। उनके अनुसार अगर विकेट से ज्यादा टर्न नहीं मिल रही, तो गेंदबाज क्रीज और ट्रैजेक्टरी का इस्तेमाल कर कोण बनाकर बदलाव ला सकता सकता है। इसके अलावा ओवर द विकेट और राउंड द विकेट गेंदबाजी कर भी गेंदबाजी और सटीक बनायी जा सकती है। इंग्लैंड के खिलाफ वरुण का रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। पिछले साल पांच मैचों की टी20 सीरीज में उन्होंने 9.85 की औसत से 14 विकेट लिए थे, जिसमें एक बार पांच विकेट भी थे। तब उन्होंने जोस बटलर और लियाम लिविंगस्टोन जैसे बेहतरीन बल्लेबाजों को आउट किया था। इस बार भी उम्मीद है कि वह सेमीफाइनल और फाइनल में अपने प्रदर्शन से अंतर पैदा करेंगे।

टी20 वर्ल्ड कप: फिन एलन के नाम हुआ एक एडिशन में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड, इन दिग्गजों को पछाड़ा

कोलकाता (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता के इडेन गार्डेन में बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए टी20 विश्व कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में विस्फोटक शतक लगाया। इस शतकीय पारी के दम पर एलन ने न्यूजीलैंड को फाइनल में पहुंचाने के साथ ही कई रिकॉर्ड अपने नाम किए।

फिन एलन ने 33 गेंदों पर 10 चौकों और 8 छक्कों की मदद से नाबाद 100 रन बनाए। इस पारी के दौरान आठवां छक्का लगाते ही एलन एक विश्व कप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। एलन इस विश्व कप में अब तक 20 छक्के लगा चुके हैं। एलन ने इसी विश्व कप में 19 छक्के लगाने वाले शिमरोन हेटमायर और 18 छक्के लगाने वाले साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़ा।

इससे पहले एक विश्व कप में सर्वाधिक छक्का लगाने की उपलब्धि निकोलन पूरन (17 छक्के 2024 विश्व कप में) के नाम थी। अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज ने टी20 विश्व कप 2024 में 16 और क्रिस गेल ने 2012 में 16 छक्के लगाए थे। फिन एलन का यह शतक टी20 विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक है। एलन ने क्रिस गेल के सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड तोड़ा। गेल ने 2016 टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ 47 गेंदों पर शतक लगाया था। एलन टी20 विश्व कप के नॉकआउट मैचों में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। उन्होंने श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान द्वारा 2009 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ सेमीफाइनल में बनाए नाबाद 96 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ा।

टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के लिए शतक लगाने वाले एलन तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। ब्रैंडन मेक्कुलम 2012 में पल्लेकेले में बांग्लादेश के खिलाफ 123 और ग्लेन फिलिप्स 2022 में श्रीलंका के खिलाफ 104 रन की पारी खेल चुके हैं।

मैच पर नजर डालें तो दक्षिण अफ्रीका ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के 169 रन बनाए थे। 170 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने 12.5 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 173 रन बनाकर मैच 9 विकेट से जीत लिया। एलन के 33 गेंदों पर 100 रन के अलावा टिम साइफर्ट ने भी 33 गेंदों पर 58 रन बनाए। फिन एलन प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

सेमीफाइनल की हार टीम पर एक करारा प्रहार : कोच कॉनराड

कोलकाता । दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कोच शुकरी कॉनराड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल मुकबले में मिली करारी हार पर नाराजगी जतायी है। कोच के अनुसार ये हार उनकी टीम पर एक करारे प्रहार की तरह है। इस हार से एक बार फिर टीम के बड़े मुकाबलों मे दबाव में आने के आरोप लगाने वालों की बात को ही बल मिला है!। दक्षिण अफ्रीका को कोलकाता में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में 9 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। कॉनराड ने इस हार को बेहद दर्दनाक बताया है। मैच के बाद कॉनराड ने कहा, इस मैच में हमारी टीम मुकाबले में कहीं भी नजर नहीं आई। आपकी गेम में थोड़ी सी भी पकड़ होनी चाहिए पर हमें हमारे साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ। यह एक तरह से ऐसा था जैसे चेहरे पर कोई थप्पड़ मारा गया हो। कॉनराड ने कहा, आज रात बहुत कुछ ठीक नहीं हुआ पर शायद ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि वे बहुत अच्छे थे और उन्होंने हमें कभी अवसर नहीं दिया। मैं हार के लिए कोई बहाना नहीं बनाऊंगा। हम अच्छे नहीं थे और वे बहुत अच्छे थे। उन्होंने हमें आगे से रोक दिया, हमने विकेट खोये और हमें कोई मौका नहीं मिला। कोच ने कहा, हमारी टीम की गेंदबाजी की कमजो रही जिससे मैच हमारे लिए कठिन बन गया।वहीं न्यूजीलैंड की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, न्यूजीलैंड ने बहुत, बहुत अच्छा खेला। उन्होंने हमें बिल्कुल अवसर नहीं दिया और सच में बहुत अच्छा दबाव बनाया। उनके स्पिनर बहुत अच्छे रहे।गौरतलब है कि ग्रुप स्तर में न्यूजीलैंड को हरा चुकी दक्षिण अफ्रीका को सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 9 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा।

ऑल इंग्लैंड ओपन में लक्ष्य की जीत से शुरुआत, गत विजेता यूकी को हराया

लंदन । भारत के लक्ष्य सेन ने ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन ओपन 2026 में जीत के साथ शुरुआत की है। लक्ष्य ने पुरुष एकल के अपने पहले ही मुकाबले में गत विजेता चीन के शी यूकी को 23-21, 19-21, 21-17 से पराजित कर दिया। लक्ष्य ने पुरुष सिंगल्स के पहले दौर में यूकी को एक घंटे 18 मिनट तक चले मुकाबले में 23-21, 19-21, 21-17 से हरा दिया। लक्ष्य ने मुकाबले में शुरु से ही आक्रामक रुख अपनाकर विरोधी खिलाड़ी पर दबाव बनाया। इससे लक्ष्य ने 17-10 की बढ़त ले ली पर इसके बाद शी ने वापसी करते हुए स्कोर 18-17 पर ला दिया। लक्ष्य ने फिर से बेहतर खेल दिखाते हुए हुए तीन गेम अंक हासिल किए पर चीनी खिलाड़ी ने एक और मैच अंक बचाकर अपने को खेल में बनाने का प्रयास किया । दूसरे गेम में यूकी ने आक्रामक रुख अपनाया पर लक्ष्य ने 13-19 से पिछड़ने के बाद अच्छी वापसी की। उनका प्रयास मैच को निर्णायक मुकाबले तक ले जाने का था पर तीसरे और अंतिम गेम में भारतीय खिलाड़ी ने जबरस्त प्रदर्शन करते हुए 16-11 की बढ़त हासिल की और चार मैच अंक बटोरे। यूकी ने एक अंक बचाया पर वह अपनी हार नहीं टाल पाये।

ऑल इंग्लैंड ओपन में सात्विक-चिराग पहले ही राउंड में बाहर

बर्मिंघम । भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मलेशिया के कांग खाई जिंग और एरॉन ताई से सीधे गेम में हारने के बाद ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप के पहले ही राउंड में बाहर हो गई। यूटिलिटा एरिना बर्मिंघम में बुधवार को खेले गए मुकाबले में चौथी रैंक वाली भारतीय जोड़ी दुनिया की 33वें नंबर की मलेशियाई जोड़ी से 23-21, 21-12 से हार गई। सात्विक-चिराग ने अच्छी शुरुआत की और शुरुआती गेम के इंटरवल तक 11-6 की बढ़त बना ली, जिसके बाद मलेशियाई जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। 2024 के जूनियर वर्ल्ड चैंपियन कांग और एरॉन फिर आगे निकल गए और भारतीयों जोड़ी के दो मैच पॉइंट बचाने के बावजूद, आखिरकार टाई-ब्रेक में गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी इसी मोमेंटम को जारी रखते हुए मलेशियाई जोड़ी ने गेम पर अपना दबदबा बनाया। और सिर्फ पांच और पॉइंट देकर मैच आराम से जीत लिया। इस हार के साथ ही इस मशहूर टूर्नामेंट में भारत का पुरुष युगल में अभियान भी समाप्त हो गया।

गावस्कर का फाउंडेशन कर रहा गोल्फ इवेंट का आयोजन

-पूर्व क्रिकेटरों के साथ ही पेस, पादुकोण जैसे दिग्गज भी होंगे शामिल

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का चैंप्स फाउंडेशन 6 मार्च को डीपी वर्ल्ड सेलिब्रिटी गोल्फ इवेंट आयोजित करने जा रहा है। इसमें कई पूर्व क्रिकेटरों के अलावा अन्य खेलों के दिग्गज भी भाग लेंगे। ये इवेंट मुंबई के चेंबूर स्थित बॉम्बे प्रेसीडेंसी गोल्फ क्लब में होगा। इसमें दुनिया भर के नामी गोल्फर भाग लेंगे। ये फाउंडेशन परेशानियों से संघर्ष कर रहे पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की सहायता करता है। इस टूर्नामेंट में 100 से ज्यादा प्रतियोगियों के शामिल होने की संभावना है। इसमें पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह, जी.आर. विश्वनाथ, वेंकटेश प्रसाद, हरभजन सिंह, अजय जडेजा, पार्थिव पटेल, मुरली कार्तिक, एस. बद्रीनाथ, मुरली विजय और निखिल चोपड़ा भी शामिल होंगे। वहीं विदेशी क्रिकेटरों में इयोन मॉर्गन, माइकल वॉन और डेविड लॉयड रहेंगे। क्रिकेट के अलावा टेनिस स्टार लिएंडर पेस, बैडमिंटन दिग्गज प्रकाश पादुकोण और प्रोफेशनल गोल्फर नेहा त्रिपाठी, रिधिमा दिलावरी व गौरव घई भी इस इवेंट में भाग लेंगे। सुनील गावस्कर ने कहा कि चैंप्स फाउंडेशन इस सोच के साथ बनाया गया कि जिन्होंने खेल के जरिए देश का नाम रोशन किया, उन्हें जरूरत के समय अकेला न छोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि यह आयोजन सिर्फ गोल्फ नहीं, बल्कि खेल समुदाय को लौटाने का प्रयास है।वहीं पेस ने कहा कि खेल हमें अनुशासन, मजबूती और एकजुटता सिखाता है। चैंप्स फाउंडेशन इन्हीं मूल्यों का प्रतीक है।

वेस्टइंडीज टीम कोलकाता के होटल में फंसी, हेड कोच डैरेन सैमी ने की अपील

कोलकाता (एजेंसी)। वेस्ट इंडीज को उनके ट्रैवल शेड्यूल के बारे में कोई ऑफिशियल अपडेट नहीं दिया गया है, लेकिन जिम्बाब्वे टीम के सदस्यों का पहला बैच अब घर के लिए निकल चुका है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने के चार दिन बाद भी जब वेस्टइंडीज कोलकाता में फंसा हुआ है, तो उनके हेड कोच डैरेन सैमी ने एक्स पर एक पोस्ट किया है, जिसमें कहा गया है, 'मैं बस घर जाना चाहता हूं'।

पश्चिम एशिया में संकट के चलते वेस्टइंडीज उन टीमों में से एक है जो भारत में फंसी हुई हैं। ईएसपीएन क्रिकइंफो के मुताबिक शुरू में आईसीसी ने वेस्टइंडीज को बताया था कि टीम को लंदन के लिए एक चार्टर फ्लाइट से कैरिबियन वापस लाने की कोशिश की जा रही है। माना जा रहा है कि प्लान यह था कि वेस्टइंडीज हफ़्ते के बीच में भारत से फ्लाइट ले ले, हालांकि कोई पक्की तारीख नहीं बताई गई थी। हालांकि,

वेस्टइंडीज कोलकाता में ही है, जहां वे 1 मार्च को सुपर आठ के फाइनल मैच में भारत से हार गए थे।

पिछले वीकेंड शुरू हुए इस संकट की वजह से आम एयरस्पेस कॉरिडोर बंद होने से, आईसीसी को टीमों के लिए वापसी की फ़्लाइट का इंतजाम करने में एक बड़ी लॉजिस्टिक चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि बुधवार को जिम्बाब्वे के लिए अच्छी खबर आई, जब आईसीसी द्वारा उनके ट्रैवल इंतजामों में बदलाव करने के बाद उनकी टीम के सदस्यों का पहला बैच दिल्ली से घर के लिए रवाना हो गया। वेस्टइंडीज की तरह जिम्बाब्वे ने भी टी 20 वर्ल्ड कप में अपना आखिरी मैच 1 मार्च को दिल्ली में दक्षिण अफ्रीका से खेला था जिसमें वह हार गया था। जिम्बाब्वे को पहले 2 मार्च को निकलना था, लेकिन वह प्लान कैंसिल कर दिया गया। उनकी टीम के बाकी सदस्यों के ट्रैवल प्लान के बारे में कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं है। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने बुधवार को एक बयान में कहा, 'जिम्बाब्वे क्रिकेट कन्फर्म करता है कि आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेने वाली जिम्बाब्वे की सीनियर मेन्स टीम भारत से घर लौट रही है। हाल ही में आई दिक्कतों के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने दूसरे ट्रैवल अरेंजमेंट कर लिए हैं।' 'फ्लाइट की उपलब्धता और बदले हुए रूट की वजह से, टीम बैच में हारारे लौटेगी।' 'ज़िम्बाब्वे का ओरिजिनल ट्रैवल रूट दुबई से एमिरेट्स फ्लाइट से था, लेकिन इसे बदलना पड़ा। पता चला है कि जिम्बाब्वे अब अदीस अबाबा, इथियोपिया होते हुए हरारे जा रहा है।'

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का बांग्लादेश दौरा संकट में फंसा

लाहौर । मध्यपूर्व में जारी संघर्ष को देखते हुए पाकिस्तान की क्रिकेट टीम का बांग्लादेश दौरा संकट में पड़ता नजर आ रहा है। पाक टीम को 11 मार्च से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए बांग्लादेश दौरे पर जाना था। इसके लिए उसे 9 मार्च को बांग्लादेश पहुंचना था पर अब कहा जा रहा है पाकिस्तान की टीम इस दौरे को आगे बढ़ा सकती है। पिछले कुछ समय से बांग्लादेश बोर्ड (बीसीबी) के साथ पाक बोर्ड (पीसीबी) के संबंध बेहतर हुए हैं और ऐसे में इस दौरे को आयोजित करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। दोनो टीम के बीच मीरपुर मे 11, 13 और 15 मार्च को तीन एकदिवसीय मैच होने थे पर अब ये खेले जाएंगे या नहीं तय नहीं है। इसका कारण ये है कि अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमले के बाद से ही दुनिया भर में तनाव का माहौल है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की सीरीज तभी आयोजित होगी, जब यात्रा जोखित और सुरक्षा की चिंताएं समाप्त होंगी।ये भी कहा जा रहा कि वर्तमान मौजूदा क्षेत्रीय तनाव की वजह से यह टूर होगा या नहीं कहा नहीं जा सकता है। वहीं बांग्लादेश बोर्ड का कहना है कि उसे पीसीबी की ओर से अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गयी है। बीसीबी क्रिकेट ऑपरेशन्स के चेयरमैन नजमुल आबेदीन ने कहा कि कहा, अगर बात ऐसी हो जाती है कि वे यात्रा नहीं कर पा रहे तो इसमें कुछ नहीं किया जा सकता है पर अभी तक हमें उनकी ओर से कुछ नहीं कहा गया है।

अपने ही दामाद पर भड़के शाहिद अफरीदी

लाहौर। पाकिस्तान की टीम का जिस प्रकार से टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खराब प्रदर्शन रहा है उससे पूर्व क्रिकेटर भड़के हुए हैं। पूर्व दिग्गजों ने टीम की रणनीति के साथ ही कप्तानी और खिलाड़ियों के कमजोर प्रदर्शन पर सवाल उठाये हैं। टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को भी खराब प्रदर्शन के लिए आड़े हाथों लिया है। शाहीन जबकि उनके दामाद हैं। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में किसी भी टीम के खिलाफ बड़ी जीत नहीं दर्ज कर पाया। । सुपर-8 के मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ उसे बड़ी जीत चाहिये थी पर टीम मामूली अंतर से जीती और इस कारण सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गयी। इस मैच में अंतिम ओवर में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन से कसी हुई गेंदबाज की उम्मीद थी पर उन्होंने 22 रन दे दिये। इससे भी शाहिद खासे नाराज हैं। उन्होंने कहा कि शाहीन को इतने साल में ये समझ आ जानी चाहिए कि दबाव की स्थिति में कैसे गेंदबाजी करनी है। दांये हाथ के बल्लेबाज के सामने वाइड यॉर्कर डालना एशियाई पिचों पर फायदेमंद नहीं रहता है। अफरीदी ने यह भी कहा कि शाहीन बार-बार एक ही गलती दोहरा रहे हैं। उनका मानना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए खिलाड़ियों को इन बातों की समझ होनी चाहिए। वहीं पाक बोर्ड भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बेहद नाराज बताया जा रहा है और ऐसे में टीम में कई बदलाव होने तय है।

मोहम्मद कैफ ने पाकिस्तानी क्रिकेटर को सुनाई खरी-खरी, भारत के खिलाफ कर रहा था गलत बयानबाजी

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान भारत और पाकिस्तान के क्रिकेटरों के बीच बयानबाजी एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर द्वारा भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को लेकर की गई टिप्पणी पर अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। कैफ का मानना है कि इस तरह के बयान अक्सर सिर्फ मीडिया में चर्चा बटोरने के लिए दिए जाते हैं। उन्होंने साफ कहा कि भारतीय टीम को ऐसे बयानों पर ध्यान देने के बजाय अपने प्रदर्शन पर फोकस करना चाहिए।

आमिर के बयान पर कैफ का करारा जवाब

मोहम्मद कैफ ने पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर के उस बयान की कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा को 'स्लॉगर' बताया था। आमिर ने यह भी दावा किया था कि भारत टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच पाएगा। कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसे बयान अक्सर जानबूझकर दिए जाते हैं ताकि मीडिया में चर्चा बने। उनके मुताबिक आमिर जैसे अनुभवी खिलाड़ी को यह अच्छी तरह पता था कि भारत एक मजबूत टीम है और टूर्नामेंट के आगे के चरणों में पहुंचने की पूरी क्षमता रखती है।

'खबरों में बने रहने की कोशिश'

कैफ ने कहा कि कई बार खिलाड़ी अपनी लोकप्रियता बनाए रखने या सुर्खियों में बने रहने के लिए इस तरह के बयान देते हैं। उन्होंने भारतीय प्रशंसकों से अपील की कि ऐसे कमेंट्स को ज्यादा महत्व नहीं देना चाहिए। कैफ ने कहा कि अगर हर बयान का जवाब दिया जाएगा तो इससे उन लोगों को वही ध्यान मिलेगा जिसकी उन्हें तलाश रहती है। उनके अनुसार भारतीय टीम को अपने स्तर से नीचे जाकर प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है।

2024 टी20 वर्ल्ड कप की हार का भी किया जिक्र

कैफ ने बातचीत के दौरान टी20 वर्ल्ड कप 2024 में पाकिस्तान की संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) के खिलाफ मिली हार को भी याद किया। उन्होंने खासतौर पर उस मैच के सुपर ओवर का जिक्र किया, जिसमें पाकिस्तान को अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा था। कैफ ने आमिर की गेंदबाजी पर सवाल उठाते हुए कहा कि उस सुपर ओवर में जरूरत से ज्यादा वाइड गेंदें फेंकी गईं, जिसने पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। उनका मानना है कि दबाव की स्थिति में सही लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी करना किसी भी अनुभवी गेंदबाज के लिए बेहद जरूरी होता है।

पाकिस्तान क्रिकेट की स्थिति पर भी बोले कैफ

मोहम्मद कैफ ने पाकिस्तान क्रिकेट के मौजूदा ढांचे पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि

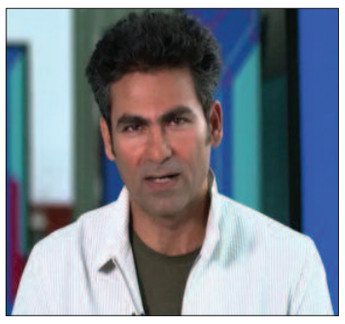

भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट सिस्टम में काफी अंतर है, जो दोनों टीमों के प्रदर्शन में भी दिखाई देता है। कैफ के अनुसार भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अपने घरेलू ढांचे, युवा खिलाड़ियों के विकास और प्रोफेशनल सिस्टम पर काफी काम किया है, जिसका फायदा टीम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिल रहा है।

भारतीय फैंस को दी खास सलाह

कैफ ने भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को सलाह दी कि उन्हें हर बयान पर प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है। उनका कहना है कि सोशल मीडिया के दौर में कई बार छोटी-छोटी बातों को भी बेवजह बड़ा बना दिया जाता है। उन्होंने कहा कि बेहतर होगा कि टीम और फैंस दोनों ही अपना ध्यान खेल और प्रदर्शन पर रखें, क्योंकि यही किसी भी टीम की असली पहचान बनाता है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान का प्रदर्शन

गौरतलब है कि पाकिस्तान की टीम टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर-8 चरण से आगे नहीं बढ़ पाई। लगातार दूसरे टी20 वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल तक न पहुंच पाने के कारण टीम को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में मोहम्मद कैफ का संदेश साफ है कि भारतीय टीम को बेवजह की बयानबाजी से दूर रहकर अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए। उनके मुताबिक मैदान पर प्रदर्शन ही किसी भी टीम का असली जवाब होता है।

सुबह की ये गलत आदतें सेहत को पहुंचा सकती हैं भारी नुकसान

कहीं आप भी तो नहीं करते ये गलतियां?

कहते हैं कि सुबह की पहली किरण सिर्फ सूरज की रोशनी नहीं, बल्कि नई ऊर्जा और संभावनाओं का उपहार लेकर आती है। हालांकि, आज की आधुनिक और भागदौड़ भरी जिंदगी में कुछ लोगों ने इस बेशकीमती समय को अपनी गलत आदतों की भेंट चढ़ा दिया है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार सुबह के समय हमारा शरीर 'रिकवरी मोड' से बाहर आ रहा होता है, ऐसे में नींद खुलते अक्सर लोग कुछ ऐसी गलतियां करते हैं जो शरीर को अंदर से खोखला बना सकता है। यह छोटी सी लापरवाही आपके मेटाबॉलिज्म, मानसिक स्वास्थ्य और पाचन तंत्र पर गहरा असर करती है।

अगर आप भी सुबह उठते ही भारीपन या तनाव महसूस करते हैं, तो इसका सीधा संबंध आपके मॉर्निंग रूटीन की उन गलतियों में है जो जाने-अनजाने में आपकी कार्यक्षमता और आयु को कम कर रही हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं कि वो कौन-सी आदतें हैं जिन्हें तुरंत बदलना जरूरी है।

सुबह उठते ही स्मार्टफोन का इस्तेमाल

नींद खुलते ही मोबाइल स्क्रीन की 'ब्लू लाइट' के संपर्क में आना आपकी आंखों और दिमाग के लिए बेहद हानिकारक है। जैसे ही आप सोशल मीडिया या काम के ईमेल देखते हैं, शरीर में 'कोर्टिसोल' (स्ट्रेस हार्मोन) का लेवल अचानक बढ़ जाता है। यह आदत आपको दिन की शुरुआत में ही मानसिक रूप से थका देती है और एकाग्रता में कमी का कारण बनती है।

खाली पेट चाय या कॉफी का सेवन

भारतीय घरों में 'बेड टी' का रिवाज आम है, लेकिन यह पाचन तंत्र के लिए एक बड़ा खतरा हो सकता है। खाली पेट कैफीन का सेवन शरीर में एसिडिटी और पित्त के असंतुलन को बढ़ाता है। इससे न सिर्फ पेट में जलन और कब्ज की समस्या होती है, बल्कि यह शरीर के पोषक तत्वों को अवशोषित करने की क्षमता को भी कम कर देता है।

पानी न पीना और डिहाइड्रेशन का जोखिम

रात भर की 7-8 घंटे की नींद के बाद हमारा शरीर पूरी तरह डिहाइड्रेट (पानी की कमी) हो जाता है। सुबह उठकर पानी न पीना आपके अंगों को सक्रिय होने से रोकता है। पानी की कमी के कारण किडनी और लीवर शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर नहीं निकाल पाते, जिससे त्वचा बेजान नजर आने लगती है और आप सुबह से ही सुस्ती महसूस करते हैं।

नाश्ता स्किप करना है बड़ी लापरवाही

सुबह का नाश्ता दिन का सबसे महत्वपूर्ण भोजन है, जिसे छोड़ने से ब्लड शुगर लेवल बिगड़ सकता है। जो लोग वजन घटाने के चक्कर में नाश्ता नहीं करते, उनका मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है और वे दोपहर में ओवरईटिंग करने लगते हैं। एक हेल्दी जीवन के लिए सुबह जल्दी उठें, गुनगुना पानी पिएं और पोषक तत्वों से भरपूर नाश्ता करें ताकि आप दिन भर एनर्जेटिक बना रहे।

सुबह खाली पेट किशमिश का पानी पीने के 7 जबरदस्त फायदे

किशमिश देखने में भले ही छोटी हो, लेकिन इसके फायदे सेहत के लिए बेहद बड़े हैं। आयुर्वेद और घरेलू नुस्खों में किशमिश को ताकत और पोषण का खजाना माना गया है। खासतौर पर जब किशमिश को रातभर भिगोकर उसका पानी सुबह खाली पेट पिया जाए, तो यह शरीर पर गहरा असर डालती है। किशमिश में आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम, विटामिन ब्र-कॉम्प्लेक्स और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जो शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं।

लिवर को करता है डिटॉक्स

किशमिश का पानी शरीर में जमा विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे लिवर की सफाई होती है और उसकी कार्यक्षमता बेहतर बनती है। नियमित रूप से सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से लिवर पर जमा गंदगी कम होती है, मेटाबॉलिज्म सुधरता है और शरीर अंदर से हल्का व साफ महसूस करता है।

पाचन तंत्र रहता है मजबूत

अगर आपको कब्ज, गैस या अपच जैसी पाचन संबंधी समस्याएं रहती हैं, तो किशमिश का पानी एक रामबाण उपाय साबित हो सकता है। यह आंतों की सफाई में मदद करता है, पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है और सुबह पेट साफ होने में सहायक होता है, जिससे दिनभर हल्कापन और आराम महसूस होता है।

खून की कमी (एनीमिया) में फायदेमंद

खून की कमी यानी एनीमिया की समस्या में किशमिश का पानी बेहद फायदेमंद माना जाता है। किशमिश आयरन का अच्छा स्रोत है और रोजाना इसका पानी पीने से शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ने में मदद मिलती है, जिससे कमजोरी, थकान और चक्कर जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।

त्वचा में आता है नेचुरल ग्लो

त्वचा में नेचुरल ग्लो लाने के लिए किशमिश का पानी बहुत कारगर माना जाता है। जब शरीर अंदर से डिटॉक्स होता है, तो उसका सीधा असर चेहरे पर दिखाई देता है। रोजाना किशमिश का पानी पीने से मुंहासे कम होते हैं, दाग-धब्बे हल्के पड़ते हैं और त्वचा साफ, स्वस्थ व चमकदार बनती है।

दिनभर बनी रहती है एनर्जी

दिनभर एनर्जी बनाए रखने में किशमिश का पानी काफी मददगार होता है। किशमिश में मौजूद नेचुरल ग्लूकोज और फ्रुक्टोज शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करते हैं, जिससे थकान, कमजोरी और सुस्ती दूर होती है। सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से दिनभर एक्टिव और तरोताजा महसूस होता है।

ब्लड प्रेशर रहता है कंट्रोल

किशमिश का पानी ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखने में भी सहायक होता है। इसमें पोटैशियम की मात्रा अधिक और सोडियम कम होता है, जिससे शरीर में नमक का संतुलन बना रहता है। नियमित रूप से किशमिश का पानी पीने से हाई ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और दिल की सेहत बेहतर बनी रहती है।

किशमिश का पानी कैसे बनाएं?

रात को 15-20 किशमिश एक गिलास पानी में भिगो दें
सुबह उठकर पानी को छान लें
इस पानी को खाली पेट पिएं
बची हुई भीगी किशमिश को चबा-चबाकर खा लें।
इन बातों का रखें खास ध्यान
दिन में सिर्फ 1 गिलास ही पिएं
डायबिटीज के मरीज सेवन से पहले डॉक्टर की सलाह लें
ज्यादा मात्रा में लेने से वजन बढ़ सकता है

हमेशा बिना सल्फर वाली किशमिश का इस्तेमाल करें।

अगर आप बिना दवा के सेहत सुधारना चाहते हैं, तो सुबह खाली पेट किशमिश का पानी एक आसान और असरदार घरेलू उपाय है। यह लिवर, पाचन, त्वचा और ऊर्जा हर स्तर पर शरीर को फायदा पहुंचाता है।

चेहरे पर होते हैं मुंहासे, जानें इनसे बचने के तरीके

हर कोई अपनी स्किन को साफ, चमकदार और बेदाग देखना चाहता है, लेकिन चेहरे पर अचानक आने वाले पिंपल्स या मुंहासे इस खूबसूरती को बिगाड़ देते हैं। अक्सर किसी खास मौके से पहले ही चेहरे पर एक बड़ा सा पिंपल निकल आता है, जिससे आत्मविश्वास भी कम हो जाता है।

किशोरावस्था से लेकर बड़ों तक, मुंहासों की समस्या आम है और ये किसी भी स्किन टाइप में हो सकती है। कई लोग महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन सही कारण जाने बिना समस्या बार-बार लौट आती है।

दरअसल, मुंहासे सिर्फ बाहरी गंदगी की वजह से नहीं, बल्कि शरीर के अंदर होने वाले बदलावों के कारण भी होते हैं। इसलिए जरूरी है कि पहले इसकी असली वजह समझी जाए और फिर सही उपाय अपनाए जाएं। यहां इस लेख में हम आपको इससे जुड़ी हर बात बताएंगे।

मुंहासे होने की वजह

मुंहासे तब होते हैं जब त्वचा के रोमछिद्र (पोर्स) तेल, गंदगी और मृत कोशिकाओं से बंद हो जाते हैं।

सबसे बड़ी वजह हार्मोनल बदलाव है, खासकर किशोरावस्था, पीरियड्स, प्रेग्नेंसी या तनाव के दौरान।

हार्मोन बढ़ने से त्वचा में सीबम (तेल) ज्यादा बनता है, जो बैक्टीरिया के साथ मिलकर पिंपल्स पैदा करता है।

इसके अलावा ऑयली स्किन, गलत स्किन केयर प्रोडक्ट्स, ज्यादा मेकअप, जंक फूड, डेयरी प्रोडक्ट्स का अधिक सेवन, नींद की कमी और स्ट्रेस भी कारण बनते हैं।

बार-बार चेहरे को छूना, गंदा तकिया कवर या मोबाइल स्क्रीन भी बैक्टीरिया बढ़ाते हैं, जिससे मुंहासे बढ़ सकते हैं।

इससे बचने के तरीके

दिन में दो बार माइल्ड, सल्फेट-फ्री फेसवॉश से चेहरा साफ करें।

ऑयल-फ्री और नॉन-कॉमेडोजेनिक प्रोडक्ट्स चुनें।

हफ्ते में 1-2 बार हल्का एक्सफोलिएशन करें, लेकिन ज्यादा स्क्रब न करें।

जंक फूड, ज्यादा मीठा और तला-भुना कम करें।

रोजाना 7-8 घंटे की नींद लें और तनाव कम करने के लिए योग या मेडिटेशन करें।

मुंहासे हो जाएं तो क्या करें?

पिंपल को फोड़ने या निचोड़ने से बचें, इससे दाग और इंफेक्शन हो सकता है।

सैलिसिलिक एसिड या बेंज़ोयल पेरोक्साइड युक्त क्रीम ट्रीटमेंट डॉक्टर की सलाह से लगाएं।

एलोवेरा जेल या टी ट्री ऑयल हल्के पिंपल्स में मदद कर सकते हैं।

मेकअप कम करें और त्वचा को साफ रखें।

लगातार बढ़ते मुंहासों के लिए क्या करें?

अगर मुंहासे बार-बार हो रहे हैं या दर्दनाक सिस्टिक एक्ने बन रहे हैं, तो त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श जरूर लें।

डॉक्टर ब्लड टेस्ट, हार्मोन जांच या विशेष दवाइयां दे सकते हैं।

लंबे समय तक खुद से दवा लेने से बचें।

सही इलाज, संतुलित जीवनशैली और नियमित स्किन केयर से मुंहासों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

आपके जोड़ों के दर्द का कारण कहीं कॉफी तो नहीं ?

सुबह उठते ही एक कप गरम कॉफी कई लोगों की आदत बन चुकी है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जरूरत से ज्यादा कॉफी पीना आपके जोड़ों (जॉइंट्स) के लिए हानिकारक हो सकता है? डॉक्टरों का कहना है कि सीमित मात्रा में कॉफी ठीक है, लेकिन अधिक कैफीन शरीर में सूजन और कैल्शियम की कमी बढ़ा सकती है, जिससे जोड़ों में दर्द और जकड़न की समस्या हो सकती है। खासकर उन लोगों को सावधान रहना चाहिए जिन्हें पहले से गठिया, यूरिक एसिड या हड्डियों की कमजोरी की समस्या है।

डॉक्टर ने बताए 5 चेतावनी संकेत - सुबह उठते ही जोड़ों में जकड़न: अगर रोज सुबह उठने पर घुटनों, उंगलियों या कंधों में अकड़न महसूस हो और कुछ देर चलने के बाद ही आराम मिले, तो यह सूजन का संकेत हो सकता है।

जोड़ों में हल्की सूजन या गर्माहट: जोड़ों को छूने पर गर्म महसूस होना या हल्की सूजन दिखाई देना शरीर में बढ़ती सूजन की ओर इशारा करता है। बार-बार दर्द या चुभन: अगर बिना ज्यादा मेहनत किए भी घुटनों, एड़ियों या कलाई में दर्द बना रहता है, तो कैफीन की अधिकता शरीर के मिनरल संतुलन को प्रभावित कर सकती है।

कैल्शियम की कमी के लक्षण: बहुत ज्यादा कॉफी शरीर से कैल्शियम बाहर निकाल सकती है। इससे हड्डियां कमजोर हो सकती हैं, जिससे बार-बार दर्द या थकान महसूस होती है। यूरिक एसिड बढ़ना: कुछ लोगों में ज्यादा कॉफी और डिहाइड्रेशन के कारण यूरिक एसिड का स्तर बढ़ सकता है, जिससे जोड़ों में तेज दर्द (गठिया जैसा) हो सकता है।

कितनी कॉफी सुरक्षित है?

विशेषज्ञों के अनुसार दिन में 1-2 कप ब्लैक कॉफी सामान्यत: सुरक्षित मानी जाती है। लेकिन अगर आपको पहले से जोड़ों की समस्या है तो मात्रा कम रखना बेहतर है। ऐसे में कॉफी के साथ कैल्शियम और विटामिन ष युक्त आहार लें, नियमित हल्की एक्सरसाइज करें। अगर दर्द लगातार रहे तो डॉक्टर से जांच जरूर कराएं। याद रखें हर आदत अच्छी है, जब तक वह संतुलन में है। अगर आपको भी सुबह कॉफी के बाद जोड़ों में दर्द या अकड़न महसूस होती है, तो इसे नजरअंदाज न करें। समय रहते सावधानी बरतना ही समझदारी है।

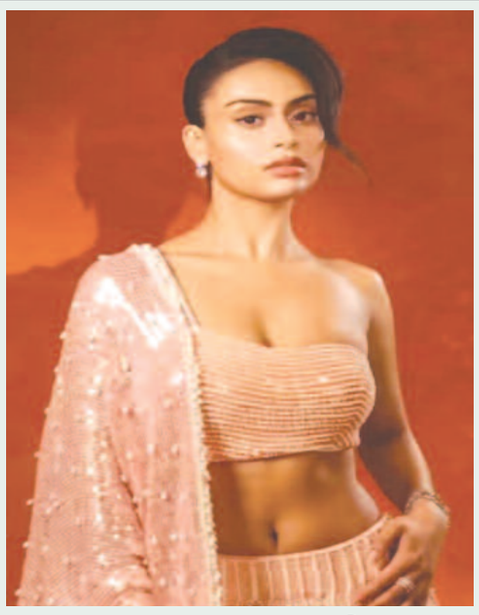

मनीष मल्होत्रा ने तैयार किया नया आउटफिट

अपनी टाइमलेस डिजाइनिंग और बारीक कारीगरी के लिए पहचाने जाने वाले फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने हाल ही में एक नया आउटफिट तैयार किया है। यह ड्रेस फिल्म कभी खुशी कभी गम के लोकप्रिय गाने बोले चूड़ियां में करीना कपूर द्वारा पहने गए आइकॉनिक ड्रेस से प्रेरित है। यह ड्रेस दो दशक बाद भी पॉप कल्चर का अहम हिस्सा बनी हुई है और भारतीय शादियों में आज भी इसके लुक को फॉलो किया जाता है। मनीष मल्होत्रा ने इस नए वर्जन की ड्रेस के लिए मॉडल के रूप में अजय देवगन और काजोल की बेटी न्यासा देवगन को चुना। उन्होंने न्यासा की तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की, जिसमें वह इस नए आउटफिट में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। मनीष ने पोस्ट में लिखा कि 2001 में रिलीज हुई करण जौहर की फिल्म ने भारतीय शादियों में संगीत की परंपरा को नई पहचान दी और बोले चूड़ियां गाना आज भी उतनी ही शिद्दत से याद किया जाता है। उन्होंने बताया कि वर्षों से उनके यहां इस गाने से प्रेरित आउटफिट तैयार किए जाते रहे हैं। इन्हें मॉडल अनीता कुमार से लेकर दुनिया भर के कई ग्राहकों ने पहना है। अब साल 2025-26 के नए कलेक्शन में न्यासा देवगन का यह लुक खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। अपने करियर को याद करते हुए मनीष ने कहा कि उन्होंने 1990 में कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग से शुरुआत की थी। फिल्मों के लिए डिजाइन किए गए उनके कई लुक बाद में आम भारतीय फैशन का हिस्सा बने और अलग-अलग पीढ़ियों में नई स्टाइल प्रेरणा बनकर उभरे। इसी वजह से उनके डिजाइन हमेशा टाइमलेस और यादगार माने जाते हैं। फिल्म कभी खुशी कभी गम में करीना कपूर का ग्लैमरस किरदार पॉपुलर कल्चर का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। उनके डांस, डायलॉग और स्टाइलिश आउटफिट आज भी सोशल मीडिया पर ट्रेंड करते हैं।

फिल्म 'अस्सी' ने दर्शकों के दिलों पर छोड़ी गहरी छाप

बॉलीवुड फिल्म निर्देशक अनुभव सिन्हा की नई फिल्म अस्सी की बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत भले ही धीमी रही हो, लेकिन फिल्म ने दर्शकों के दिल पर गहरी छाप छोड़ी है। देशभर में महिलाओं के साथ होने वाले यौन उत्पीड़न और उससे जुड़ी समाज की जहरीली मानसिकता पर यह फिल्म सीधी चोट करती है। कोर्टरूम ड्रामा, पीड़िता की पीड़ा और न्याय की लड़ाई को जिस बारीकी और संवेदनशीलता से फिल्म में दर्शाया गया है, उसने दर्शकों के साथ-साथ दिग्गज कलाकारों को भी प्रभावित किया है। गीतकार और लेखक जावेद अख्तर ने फिल्म की तारीफ करते हुए कहा कि अस्सी न सिर्फ भावनात्मक स्तर पर असर डालती है बल्कि कई जरूरी सवालों के जवाब भी देती है। उनके मुताबिक यह फिल्म समाज की कड़वी सच्चाइयों को बेहद प्रभावशाली तरीके से उजागर करती है। सामाजिक-राजनीतिक और रियलिस्टिक विषयों पर बनी फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाली तापसी पन्नू की परफॉर्मेंस खास तौर पर दर्शकों को भीतर तक झकझोर देती है। इसी तरह, मशहूर शेफ और कुकिंग शो मास्टरशेफ इंडिया के जज रणवीर बरार ने भी फिल्म की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि फिल्म विजुअल रूप से बेहद मजबूत है और अपनी प्रस्तुति के कारण दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती है। रिलीज के साथ ही फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। ओपनिंग डे पर अस्सी ने 1 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जबकि दूसरे और तीसरे दिन कुल 3.20 करोड़ का कारोबार किया। पहले हफ्ते में फिल्म 4.20 करोड़ रुपये का कलेक्शन जुटाने में सफल रही।

स्वास्तिका मुखर्जी की नई बंगाली फिल्म छेलेधोरा सुर्खियों में

नई बंगाली फिल्म छेलेधोरा आजकल सुर्खियों में है। यह फिल्म मां-बेटी के रिश्ते, अपराधबोध और आत्म-खोज की भावनाओं को गहराई से परखती है। फिल्म में स्वास्तिका बृष्टि नाम की तलाकशुदा महिला का किरदार निभा रही हैं, जो भावनात्मक रूप से बेहद जटिल, कमियों से भरी और असुरक्षाओं से घिरी हुई महिला है। इंडो-अमेरिकन प्रोडक्शन के तहत बनने वाली यह फिल्म आज से शूटिंग शुरू करेगी, जिसमें जानी-मानी अभिनेत्री स्वास्तिका मुखर्जी प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। स्वास्तिका के अनुसार, बृष्टि ऐसा किरदार है जिसे पहली नजर में हर कोई शायद पसंद न करे। वह कई बार भावनाओं में बहकर गलत फैसले लेती है, लेकिन अपनी बेटी के लिए उसका प्यार बेहद सच्चा और गहरा है। अभिनेत्री ने कहा कि यह कहानी उन दुर्लभ पलों को दर्शाती है, जब इंसान अपनी कमजोरी के बीच छिपी वास्तविक ताकत को खोजता है। कहानी में बृष्टि अपनी बेटी का जन्मदिन मनाने के लिए उसे बिना अनुमति अपने साथ ले जाती है। यह कदम वह केवल भावनात्मक आवेग में उठाती है, लेकिन इसके बाद घटनाएं अप्रत्याशित रूप से बदल जाती हैं, जब बच्ची वास्तव में किडनैप हो जाती है। इसके बाद बृष्टि एक ऐसी यात्रा पर निकलती है, जो सिर्फ अपनी बेटी की तलाश नहीं, बल्कि खुद को समझने और अपनी गलतियों का सामना करने की भी प्रक्रिया है। स्वास्तिका ने बताया कि कहानी मातृत्व के भावनात्मक संघर्षों को ही नहीं, बल्कि एक महिला की आत्म-खोज की परतों को भी उजागर करती है। कई बार माता-पिता अपनी गलतियों को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन मुश्किल हालात उन्हें उनके अंदर छिपी सच्चाई से रूबरू करा देते हैं। फिल्म इन्हीं संवेदनाओं को सशक्त रूप से सामने लाती है। निर्देशक शिलादित्य मौलिक के अनुसार, छेलेधोरा माता-पिता के रिश्तों पर आधारित कहानी है, जो एक रोड जर्नी के रूप में आगे बढ़ती है। यह सफर उतार-चढ़ाव, भावनात्मक मोड़ों और आत्म-स्वीकृति के पलों से भरपूर है। फिल्म माफी, हीलिंग और जीवन में दूसरे मौके की महत्ता को केंद्र में रखती है। मौलिक का मानना है कि कई बार बच्चे अपने माता-पिता के लिए ही नैतिक मार्गदर्शक बन जाते हैं, और यही पहलू फिल्म को अलग बनाता है। फिल्म की शूटिंग ईटानगर और जीरो वैली जैसे अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत स्थानों में होगी।

फिल्म 'एकूस्ड' को लेकर बेहद उत्साहित हैं कोंकणा सेन शर्मा

बॉलीवुड अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा अपनी नई फिल्म 'एकूस्ड' को लेकर बेहद उत्साहित हैं। 'एकूस्ड' कार्यस्थल पर महिलाओं के बीच पावर डायनामिक्स, यौन उत्पीड़न के आरोपों की जटिलता और मानवीय रिश्तों के धुंधले पहलुओं को गहराई से दिखाती है। फिल्म के प्रमोशन के दौरान उन्होंने बताया कि समाज में कई ऐसी कहानियां हैं, जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, जबकि उन्हें सामने लाना बेहद जरूरी है। कोंकणा का मानना है कि यह फिल्म सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि दर्शकों की सोच और पूर्वाग्रहों को चुनौती देने का काम करेगी। यह फिल्म 27 फरवरी को नेटफलिक्स पर रिलीज होने जा रही है।

कहानी एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है जिस पर अपने ही कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया जाता है। इस बारे में बात करते हुए कोंकणा ने कहा कि यह स्क्रिप्ट आम धारणाओं को उलट देती है। उन्होंने कहा, "हम ज्यादातर महिलाओं को पीड़ित की नजर से देखते हैं, आरोपी की नजर से बहुत कम। सही है कि अपराध ज्यादातर पुरुष करते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि महिलाएं ऐसा कर ही नहीं सकतीं। इस फिल्म में वही अनकहा पक्ष दिखाया गया है।" कोंकणा के अनुसार, फिल्म का सबसे रोचक पहलू यह है कि इसमें दो महिलाओं के बीच सत्ता के खेल, उम्र के अंतर, पद की असमानता और रिश्तों की जटिलता को बेहद वास्तविक तरीके से प्रस्तुत किया गया है।

फिल्म यह दिखाती है कि जब आरोपी और पीड़ित दोनों महिलाएं हों, तब समाज का नजरिया कैसे अचानक बदल जाता है। कोंकणा ने कहा कि एक शक्तिशाली पद पर बैठी महिला पर जब आरोप लगता है, तो लोग उस पर विश्वास करने में झिझकते हैं, और यही असमानता इस कहानी की परतों को खुलकर सामने लाती है। उन्होंने यह भी कहा कि इस फिल्म में कोई भी किरदार पूरी तरह सही या गलत नहीं है। कहानी 'ब्लैक एंड व्हाइट' नहीं, बल्कि 'ग्रे' क्षेत्र में चलती है, जहां हर व्यक्ति अपने-अपने निर्णयों और कमजोरियों के साथ खड़ा है। कोंकणा के अनुसार, यही तत्व फिल्म को वास्तविक और दर्शकों के लिए विचारोत्तेजक बनाते हैं। फिल्म यह सवाल उठाती है कि हमारी सोच, हमारे निर्णय और हमारे पूर्वाग्रह किन परिस्थितियों में कैसे बदलते हैं।

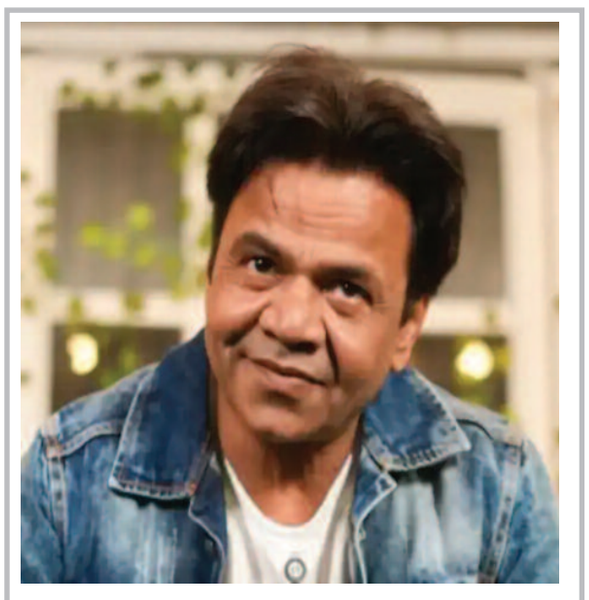

अपना नया यूट्यूब चैनल शुरू किया राजपाल यादव ने

हाल ही में अभिनेता राजपाल यादव को करोडों के कर्ज के मामले में जेल जाना पडा था। जेल से बाहर आते ही कलाकार ने काम पर वापसी की और वैनिटी वैन से अपना एक वीडियो साझा कर फैंस और शुभचिंतकों को दिल से धन्यवाद दिया। अब अभिनेता ने अपने करियर में एक बड़ा कदम उठाते हुए अपना नया यूट्यूब चैनल शुरू किया है, जिसके माध्यम से वे दर्शकों को नए अंदाज में मनोरंजन देने वाले हैं। अभिनेता ने घोषणा करते हुए बताया कि उनका आधिकारिक चैनल राजपाल नौरंग यादव अब शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि वे लंबे समय से इस नई शुरुआत की तैयारी कर रहे थे और अब यह दिन आ गया है। उनका लक्ष्य हर आयु वर्ग के लोगों को मनोरंजन उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि वे सिर्फ फिल्मों से ही नहीं, बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए भी लोगों को हंसाने और जोड़ने की कोशिश करेंगे। राजपाल ने अपने प्रशंसकों से अपील की कि वे इस डिजिटल सफर में भी उनका साथ दें, क्योंकि यह उनके जीवन की नई पारी है। फिल्मों की बात करें तो राजपाल यादव पूरी तरह कमबैक मोड में हैं। उनकी आगामी फिल्म भूत-बंगला 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म का पहला पोस्टर और गाना जारी हो चुका है, और दर्शकों में इसे लेकर उत्सुकता बढ़ रही है। बताया जा रहा है कि फिल्म हास्य से भरपूर होगी, और राजपाल की कॉमेडी टाइमिंग एक बार फिर दर्शकों को लुभाने वाली है। अभिनेता की मुश्किलें तब शुरू हुईं जब उन्होंने अपनी पिछली फिल्म के निर्माण के लिए 9 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। फिल्म फ्लॉप होने के बाद वे भारी कर्ज में डूब गए और मामला अदालत तक पहुंच गया। नतीजतन उन्हें तिहाड़ जेल में 13 दिन बिताने पड़े। इस कठिन समय में अभिनेता सोनू सूद उनके समर्थन में आगे आए और उनके लिए आर्थिक मदद जुटाने की पहल की। इसके बाद कई फिल्मी हस्तियों ने भी सहयोग दिया, जिससे राजपाल को राहत मिली और वे जेल से बाहर आ सके। राजपाल यादव ने कहा कि यह नई डिजिटल शुरुआत उनके लिए उम्मीद की किरण है। वे मानते हैं कि संघर्ष ने उन्हें मजबूत बनाया है और अब वे एक बार फिर दर्शकों को हंसाने और प्रेरित करने के लिए तैयार हैं। उनका कहना है कि वे इस मौके को पूरी ईमानदारी के साथ निभाएंगे और प्रशंसकों के समर्थन को हमेशा याद रखेंगे। अभिनेता ने हाल ही में 9 करोड़ रुपये के कर्ज मामले में 13 दिन तिहाड़ जेल में बिताए, अब दोबारा अपनी पेशेवर जिंदगी को नई दिशा देने में जुट गए हैं।

परफॉर्मेंस से पहले बादशाह ने लिया श्रेया घोषाल से आशीर्वाद

बॉलीवुड के संगीत निर्माता बादशाह ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह लोकप्रिय सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल के सेट पर देश की अग्रणी प्लेबैक सिंगर श्रेया घोषाल से मुलाकात करते नजर आए। वीडियो में बादशाह, लंदन के प्रतिष्ठित एरिना द ओ2 में अपने पहले सोलो कॉन्सर्ट को लेकर अपनी घबराहट व्यक्त करते हुए श्रेया से आशीर्वाद लेते दिख रहे हैं। वीडियो में बादशाह कहते हैं, 'मैं जिंदगी में पहली बार ओ2 में लाइव परफॉर्म करने जा रहा हूं। इतने बड़े एरिना में मैंने कभी सोलो परफॉर्म नहीं किया, इसलिए बहुत नर्वस हूं।' इस पर श्रेया मुस्कुराते हुए उनका मनोबल बढ़ाती हैं और कहती हैं, 'तुम शानदार हो, तुम्हें किसी टिप्स की जरूरत नहीं है। तुम कमाल करोगे।' इसके बाद बादशाह जब आशीर्वाद मांगते हैं, तो श्रेया आगे कहती हैं, 'बादशाह ओ2 में आ रहे हैं और सबको वहां होना चाहिए। उनकी स्टेज पर एनर्जी अलग ही लेवल की होती है। वह लीक से हटकर सोचते हैं और उनकी हर प्रस्तुति यूनिक होती है। ब्लॉकबस्टर गानों का बादशाह है ये, पार्टी तो यहीं से शुरू होगी।' वी में दोनों कलाकारों की दोस्ती और आपसी सम्मान साफ झलकता है। कुछ ही घंटों में इस वीडियो पर लाखों व्यूज और लाइक्स आ चुके हैं, और सोशल मीडिया पर लगातार कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। फैन्स बादशाह की इस उपलब्धि पर गर्व जताते हुए उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं। वीडियो पोस्ट करते हुए बादशाह ने कैप्शन में लिखा, 'मैंने आशीर्वाद मांगा और उन्होंने मुझे विश्वास दिया। जैसे-जैसे हम अपने पहले ओ2 कॉन्सर्ट के करीब पहुंच रहे हैं, मैं उनके इन शब्दों को अपने साथ मंच पर ले जाऊंगा और दर्शकों को अपना सब कुछ दूंगा।' उन्होंने फैन्स से 22 मार्च को ओ2 लंदन में होने वाले अपने सोलो कॉन्सर्ट का हिस्सा बनने की अपील भी की और लिखा, 'आइए और देखिए कि हम क्या तैयार कर रहे हैं।' बादशाह हिंदी, पंजाबी और हरियाणवी संगीत के सबसे लोकप्रिय कलाकारों में से एक हैं। उन्होंने 2006 में यो यो हनी सिंह के साथ अपने करियर की शुरुआत की थी और आज बॉलीवुड के शीर्ष संगीत निर्माताओं में गिने जाते हैं।

'डकैत: एक प्रेम कथा' का रोमांटिक ट्रैक 'रूबरू' रिलीज

अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर स्टारर आगामी एक्शन-थ्रिलर डकैत: एक प्रेम कथा का नया रोमांटिक गाना 'रूबरू' सोनी म्यूजिक साउथ के यूट्यूब चैनल पर जारी किया गया। गाने की शुरुआत जेल की घंटी की आवाज से होती है, जिसके बाद जेल के भीतर कैदियों और जेलर के बीच घटता एक छोटा-सा दृश्य दिखाया जाता है। इसी माहौल के बीच धीरे-धीरे फिल्म के लीड कलाकारों की एंट्री होती है और उनका रोमांटिक ट्रैक गाने को एक नया रंग देता है।

वीडियो में मृणाल ठाकुर को एक अमीर खानदान की लड़की के रूप में दिखाया गया है, जबकि अदिवि शेष एक साधारण और गरीब परिवार के युवक की भूमिका निभा रहे हैं। गाने में मृणाल का छुपकर अदिवि से मिलना और अदिवि का हर पल उनका इंतजार करना कहानी को भावनात्मक गहराई देता है। दोनों कलाकारों की सहज और स्वाभाविक केमिस्ट्री ने गाने को और भी आकर्षक बना दिया है। रिलीज के कुछ ही घंटों के भीतर यूट्यूब पर आए लाखों व्यूज और कमेंट्स यह साबित करते हैं कि दर्शकों ने इस रोमांटिक अंदाज को खूब पसंद किया है।

फैंस न सिर्फ अदिवि और मृणाल की ऑन-स्क्रीन बॉन्डिंग की तारीफ कर रहे हैं, बल्कि मृणाल ठाकुर के लुक ने भी सभी का ध्यान खींचा है। 'रूबरू' के बोल भास्कर भाटला रविकुमार ने लिखे हैं। गाने को भीम्स सेसिरोलियो और चिन्मयी श्रीपदा ने आवाज दी है तथा संगीत भी भीम्स सेसिरोलियो ने ही तैयार किया है।फिल्म डकैत- एक प्रेम कथा का निर्देशन शेनिल देव ने किया है। कहानी एक ऐसे प्रेमी जोड़े के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें युवक अपनी प्रेमिका से हुए विश्वासघात के बाद बदले की राह पकड़ लेता है। फिल्म में निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप भी एक अहम भूमिका में नजर आएंगे। गाने और ट्रेलर की लोकप्रियता के बाद दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। यह फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और फैंस बेसब्री से इसके इंतजार में हैं।

ईरान-इज़राइल युद्ध में मुंबई के युवक की मौत, भारतीय दूतावास ने दुख जताया

मुंबई (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में महायुद्ध शुरू हुए 5 दिन हो चुके हैं और इसका असर अब भारत पर भी पड़ा है। इस युद्ध में एक 25 साल के युवक दीक्षित की ड्रोन से मौत होने की खबर सामने आई है। जानकारी के अनुसार मुंबई के पश्चिमी उपनगर कांदिवली इलाके के रहने वाले दीक्षित सोलंकी की ओमान के तट पर मस्कट के पास एक कार्गो ऑयल टैंकर पर ड्रोन हमले में मौत हो गई। मूल रूप से दीव के रहने वाले 25 साल के दीक्षित सोलंकी कुछ समय पहले व्यापार के लिए मुंबई में बस गए थे। वह मुंबई के कांदिवली इलाके में रह रहे थे। ओमान के मस्कट के तट से 52 नॉटिकल मील दूर एक एक्सप्लोसिव से लदी ड्रोन बोट ने ऑयल टैंकर एमकेडी व्योम को टक्कर मार दी। इस भयानक धमाके में टैंकर के इंजन रूम में आग लग गई और दीक्षित की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि टैंकर पर सवार बाकी 25 क्रू मेंबर्स (जिनमें 16 भारतीय शामिल हैं) को सुरक्षित बचा लिया गया है।दीक्षित दीव के 25 साल के मछुआरे अमृतलाल सोलंकी का छोटा बेटा था। वह अपनी मां की मौत के बाद एक महीने पहले अपने घर लौटे थे और फिर ड्यूटी पर लौट गए थे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। इस बीच ओमान में भारतीय दूतावास ने दीक्षित सोलंकी की मौत पर गहरा दुख जताया है।

सरकारी हॉस्टल में रैगिंग के बहाने यौन उत्पीड़न, 10वीं के छात्रों पर पॉक्सो के तहत केस दर्ज

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक जिले से एक झकझोर देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक सरकारी हॉस्टल में रैगिंग के नाम पर कम उम्र के बच्चों के साथ कुकर्म का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने इस मामले में कक्षा 10 में पढ़ने वाले कई छात्रों के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और अप्राकृतिक कृत्य की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। आरोप है कि ये सीनियर छात्र अपने से छोटी कक्षाओं, मुख्य रूप से 5वीं और 6वीं के बच्चों को अपना निशाना बनाते थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक (एसपी) बालासाहेब पाटिल ने स्वयं मौके का मुआयना किया और जांच की कमान संभाली। जांच में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि पीड़ित बच्चों के साथ पिछले 6 से 7 महीनों से इस तरह की घिनौनी हरकतें की जा रही थीं। बच्चों ने हिम्मत जुटाकर 22 फरवरी को इस मामले की जानकारी हॉस्टल अधीक्षक को दी थी। हालांकि, प्रबंधन की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। आरोप है कि घटना की जानकारी होने के बावजूद हॉस्टल अधीक्षक ने पुलिस को सूचित करने के बजाय केवल छात्रों के माता-पिता को बुलाकर उन्हें घर ले जाने को कह दिया। मंगलवार को एक पीड़ित छात्र के अभिभावकों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी सीनियर छात्रों को हिरासत में लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिन्हें जल्द ही जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के समक्ष पेश किया जाएगा। इसके साथ ही, लापरवाही बरतने और अपराध को छिपाने के आरोप में हॉस्टल अधीक्षक सहित तीन कर्मचारियों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि इस हॉस्टल की क्षमता 60 छात्रों की है, जिसमें वर्तमान में 48 छात्र रह रहे थे। इस घटना ने हॉस्टल में बच्चों की सुरक्षा और प्रबंधन की निगरानी पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

पहाड़गंज में खिलौना गोदाम में लगी आग, चौथी मंजिल के गोदाम से दो शव बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य दिल्ली के हाड़गंज इलाके में बुधवार शाम एक इमारत की चौथी मंजिल पर लगी आग ने हड़कंप मचा दिया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) को आग लगने की सूचना शाम को मिली। आग इमारत की चौथी मंजिल पर बने अस्थायी ढांचे में स्थित खिलौनों के गोदाम में लगी थी। आग के कारण गोदाम में रखी सामग्री तेजी से जलने लगी। सूचना मिलते ही डीएफएस की 25 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। दमकल कर्मियों ने संकरी गलियों और अस्थायी ढांचे की वजह से कई चुनौतियों का सामना करते हुए आग बुझाने में कई घंटे खर्च किए। आग की भीषणता मुख्यत: प्लास्टिक और सिंथेटिक खिलौनों के कारण थी। दमकल कर्मियों ने लगभग 11 घंटे की मेहनत के बाद गुरुवार तड़के 3:20 बजे आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया। आग में दो जले हुए शव बरामद किए गए, जिनकी पहचान अभी नहीं हो सकी। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने कहा कि चौथी मंजिल पर अस्थायी ढांचे में गोदाम संचालित होना और संकरी गलियां आग पर काबू पाने में चुनौती रही।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में आतंकवाद को अस्तित्वगत खतरा करार दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर आतंकवाद के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति को दोहराया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रथम सचिव रघु पुरी ने कहा कि आतंकवाद किसी सीमा, राष्ट्रीयता या जातीयता को नहीं मानता। रघु पुरी ने आतंकवाद को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए एक अस्तित्वगत खतरा करार दिया। उन्होंने बताया कि यह चुनौती केवल एक देश की सीमा तक सीमित नहीं है और इसका सामना केवल सामूहिक अंतरराष्ट्रीय प्रयासों से किया जा सकता है। भारत ने सभी देशों से आतंकवाद के खिलाफ मिलकर कार्रवाई करने का आग्रह किया। पुरी ने कहा कि आतंकवाद वैश्विक स्थिरता और मानव सुरक्षा के लिए गंभीर जोखिम पैदा करता है और इसके खिलाफ हर स्तर पर ठोस कदम उठाना आवश्यक है।

कनाडा की पंजाबी मूल की यूट्यूबर नैंसी ग्रेवाल की चाकुओं से गोदकर हत्या, पुलिस कर रही जांच

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कनाडा में पंजाबी मूल की यूट्यूबर नैंसी ग्रेवाल की मॉन्ट्रियल के पास लासाल में उनके घर में चाकू मारकर हत्या कर दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस को सेंट-लूस क्रिसेंट में स्थित बिल्डिंग से इमरजेंसी कॉल आई थी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस को नैंसी घायल हालत में मिली। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया पर जहां उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उसके शरीर पर चाकू से गोदने के कई निशान थे और खून बहने से उसकी मौत हुई है। इस खबर से कनाडा और पंजाब में रहने वाले नैन्सी ग्रेवाल के परिवार में शोक की लहर है। मॉन्ट्रियल पुलिस मामले की जांच कर रही है। हत्या के असली कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

खरगे का सरकार पर वार, बोले- पीएम मोदी ने विदेश नीति का सरेंडर कर दिया

बीफ एक्सपोर्ट से जुड़ी कंपनियां सत्तारूढ़ दल को चंदा क्यों दे रही हैं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर मध्य पूर्व संकट से निपटने के उनके तरीके को लेकर तीखा हमला करते हुए इसे भारत के रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों का घोर उल्लंघन बताया और प्रधानमंत्री पर भारत की विदेश नीति को आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाया। एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट में, खरगे ने पश्चिम एशिया में बिगड़ती स्थिति और क्षेत्र में फंसे भारतीय नागरिकों की दुर्दशा पर सरकार की प्रतिक्रिया के बारे में कई सवाल उठाए। खरगे ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा भारत के रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों का घोर उल्लंघन सबके सामने है।

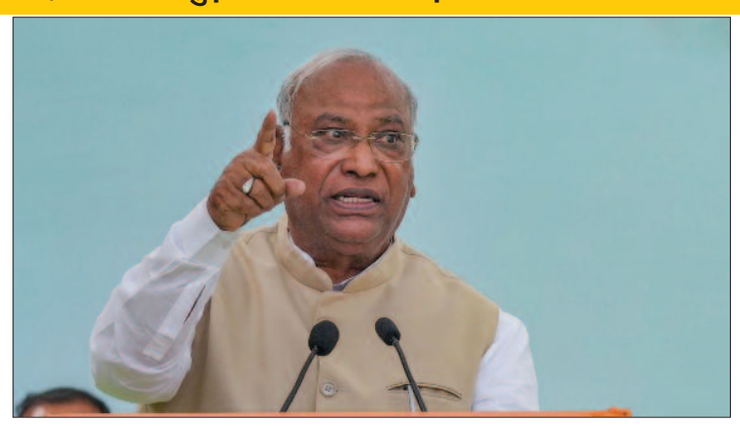

खरगे ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 से निहत्था लौट रहा एक ईरानी जहाज हिंद महासागर क्षेत्र में टॉरपीडो से क्षतिग्रस्त हो गया। खरगे ने कहा कि भारत का अतिथि एक ईरानी जहाज, जो हमारे द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 से निहत्था लौट रहा था, हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में टॉरपीडो से हमला किया गया। इस पर कोई चिंता या संवेदना व्यक्त नहीं की गई। प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं। उन्होंने सरकार की अपनी ही नीतियों पर चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि महासागर नीति और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के 'शुद्ध सुरक्षा प्रदाता' होने की नीतियों पर हमें उपदेश क्यों दे रहे हैं, जबकि आप अपने ही आंगन में हो रही घटनाओं पर प्रतिक्रिया नहीं दे सकते? खरगे ने होर्मुज की खाड़ी में फंसे भारतीय नौसैनिकों के मानवीय संकट पर प्रकाश डाला। उन्होंने सवाल किया कि होर्मुज की खाड़ी में भारतीय ध्वज वाले 38 वाणिज्यिक जहाज और 1100 नौसैनिक फंसे हुए हैं। कैप्टन आशीष कुमार समेत 2 भारतीय नौसैनिकों की कथित तौर पर मौत हो गई है। ऐसे में कोई समुद्री बचाव या राहत अभियान क्यों नहीं चलाया जा रहा है?

उन्होंने भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक प्रभावों पर भी चिंता जताई। उन्होंने पूछा कि आप कहते हैं कि कच्चे तेल और अन्य तेल का भंडार सिर्फ 25 दिनों का बचा है। तेल की बढ़ती कीमतों के साथ, हमारी ऊर्जा संबंधी आपातकालीन योजना क्या है, खासकर तब जब भारत सरकार ने रूसी तेल का आयात रोकने की मांग को लगभग स्वीकार कर लिया है? खाड़ी देशों के साथ अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं के व्यापार का क्या होगा? उन्होंने खाड़ी क्षेत्र में भारतीय नागरिकों के संबंध में विदेश मंत्रालय के 3 मार्च, 2026 के बयान का भी हवाला दिया।

तेजस्वी का दावा- मेरी भविष्यवाणी सच हुई, बीजेपी ने नीतीश कुमार को किया हाईजैक, अब जेडीयू खत्म

पटना (एजेंसी)। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि उन्होंने पहले ही भविष्यवाणी कर दी थी कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। तेजस्वी ने आगे कहा कि हमने पहले ही कहा था कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। मैंने मुख्यमंत्री परिवर्तन की बात पहले ही कह दी थी। महाराष्ट्र मॉडल अब बिहार में लाया गया है.। भाजपा पिछड़े नेताओं को सत्ता में नहीं रहने देती। भाजपा सिर्फ एक कठपुतली मुख्यमंत्री बैठाती है। तेजस्वी यादव ने कहा कि मैंने हमेशा कहा है, 'नीतीश जी को घोड़ा तो चढ़ाया है दूल्हा बनाकर लेकिन फेरा किसी और के साथ दिला रहा है'। भाजपा ने नीतीश कुमार को पूरी तरह से हाईजैक कर लिया है। नीतीश कुमार ने कहा है कि वह (राज्यसभा) जाना चाहते हैं। हम शुरू से कहते आ रहे हैं कि चुनाव के बाद भाजपा के लोग नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद पर नहीं रहने देंगे। आज वह बात सच हो गई है। जनता की आकांक्षाएं इस सत्ता परिवर्तन के खिलाफ हैं... जब नीतीश कुमार ने 2024 में हमारा गठबंधन छोड़ा था... तब भी हमने कहा था कि भाजपा जेडीयू पार्टी को खत्म कर देगी। यादव ने कहा कि हमें यह पहले से ही पता था। जब हमने 28 जनवरी, 2024 को कहा था कि जेडीयू का सफाया हो जाएगा, तो भाजपा को वे परिणाम नहीं मिले जिनका उन्होंने दावा किया था, यानी 400 सीटें। इसलिए, एक साल की देरी हुई। अन्यथा, वे उन्हें (जेडीयू को) बहुत पहले ही खत्म कर चुके होते। उन्होंने कहा कि निशांत को बहुत पहले आ जाना चाहिए था, लेकिन कुछ लोगों ने ऐसा होने नहीं दिया... अब आप देख रहे हैं कि ये लोग बिहार को कैसे बर्बाद कर रहे हैं, जो वे पहले से ही करते आ रहे हैं। हम भाजपा के खिलाफ लड़ेंगे और उन्हें हराएंगे।

नागरिकता के नाम पर मतुआ समुदाय को अनिश्चितता में धकेल रहा केंद्र: ममता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार नागरिकता देने के नाम पर मतुआ समुदाय के सदस्यों को ''अनिश्चितता और भ्रम'' की स्थिति में धकेल रही है। बनर्जी ने मतुआ समुदाय की कुलमाता वीणापाणि देवी, जिन्हें 'बड़ो मा' के नाम से जाना जाता है, की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए कहा कि केंद्र उन लोगों की पहचान पर सवाल उठा रहा है जो लंबे समय से देश के नागरिक हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र की भाजपा सरकार की साजिश के कारण हमारे मतुआ भाई-बहनों को अस्थिर और भ्रमित स्थिति में धकेला जा रहा है। नागरिकता देने के नाम पर राजनीति की जा रही है।'' उन्होंने कहा, ''उनकी पहचान पर ही सवाल उठाया जा रहा है। एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के जरिए उन्हें मतदाता सूची से जानबूझकर बाहर किया जा रहा है। जो लोग पीढ़ियों से इस देश के नागरिक हैं, जिनके वोट सरकारों को चुनते हैं, उन्हें फिर से 'नागरिकता' देने के नाम पर अब अनिश्चितता का सामना कराया जा रहा है।''

बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार समुदाय के अधिकारों को कमजोर करने वाले हर कदम का विरोध करती रहेगी। उन्होंने कहा, ''इस अन्याय को स्वीकार नहीं किया जाएगा। मेरे मतुआ भाई-बहनों और बंगाल के लोगों के अधिकार छीनने की कोशिशों के खिलाफ हमारा संघर्ष जारी रहेगा। हम बंगाल के लोगों को कोई नुकसान नहीं होने देंगे।''

बनर्जी ने कहा कि वीणापाणि देवी के साथ उनका ''व्यक्तिगत और आध्यात्मिक संबंध'' रहा है और वे एक मां की तरह उनसे स्नेह करती थीं। उन्होंने कहा, ''बड़ो मा वीणापाणि देवी की पुण्यतिथि पर मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि देती हूं और प्रणाम करती हूं। हरिचंद ठाकुर और गुरुचंद ठाकुर द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए, मतुआ महासंघ बंगाल के सामाजिक सुधार और नवजागरण का अविभाज्य हिस्सा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''बड़ो मा ने जीवन भर इन आदर्शों को पोषित किया। उनके नेतृत्व में मतुआ महासंघ सामाजिक समानता और बंधुत्व के स्तंभ के रूप में स्थापित हुआ।''

तमिलनाडु गठबंधन रहेगा बरकरार, 28 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

-सीएम स्टालिन और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के बीच निर्वाचन क्षेत्रों के बंटवारे पर लगी मुहर

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए डीएमके ने कमर कस ली है। सीएम एम के स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके ने एक विशाल गठबंधन तैयार किया है, जिसमें कुल 21 पार्टियां शामिल हैं। कांग्रेस फिर इस गठबंधन का हिस्सा है और इस बार 28 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार कर रही है।

सीएम स्टालिन और तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के सेल्वापेरुन्थागई के बीच गुरुवार को अहम बैठक हुई। इस बैठक में निर्वाचन क्षेत्रों के बंटवारे पर अंतिम मुहर लगी। डीएमके और कांग्रेस के बीच हुए समझौते के तहत ये फैसला लिया गया है कि कांग्रेस तमिलनाडु में 28 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसके अलावा, आगामी राज्यसभा चुनावों में भी कांग्रेस पार्टी के लिए एक सीट आरक्षित की गई है। डीएमके ने राज्यसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों की

घोषणा भी कर दी है। पार्टी ने वरिष्ठ नेता तिरुचि शिवा पर फिर भरोसा जताते हुए उन्हें राज्यसभा सांसद के रूप में बरकरार रखा है, जबकि कॉन्स्टेंटाइन रविंद्रन को पहली बार राज्यसभा भेजने का फैसला किया है। इस गठबंधन में डीएमके को दो, कांग्रेस को एक और डीएमडीके को एक राज्यसभा सीट मिली है।

डीएमके ने एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए लिखा है कि तमिलनाडु की राजनीति के इतिहास में ये पहली बार है जब एक ही गठबंधन, बिना टूटे और नई पार्टियों को शामिल करते हुए चार बार चुनावों का सामना कर रहा है। तमिलनाडु की राजनीति का अब तक का इतिहास रहा है कि विधानसभा चुनाव के लिए बना गठबंधन अगले चुनाव तक कभी टिक नहीं पाया। पार्टी ने दावा किया कि सीएम स्टालिन ने अपने अनूठे व्यक्तित्व और सौहार्दपूर्ण स्वभाव से ये नया इतिहास रचा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीएमके ने विपक्षी नेताओं पर भी तीखा हमला बोला है। पार्टी ने कहा कि विपक्षी नेता पिछले दो साल से गठबंधन टूटने की भविष्यवाणी कर रहे थे, लेकिन उनकी इच्छाएं अनसुनी रह गईं। डीएमके ने तंज कसते हुए कहा कि एडप्पादी पलानीस्वामी गठबंधन टूटने की उम्मीद लगाए बैठे थे, लेकिन आखिर में वह अकेले रह गए। पार्टी ने दावा किया कि सत्ताधारी दल के समर्थन की लहर को देखते हुए कई नए दल भी इस मोर्चे में शामिल हो रहे हैं।

खामेनेई की मौत पर कश्मीर में उबाल, महबूबा ने अमेरिकी और इजरायली नेताओं के पुतले फूंके

जम्मू (एजेंसी)। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की मौत और तेहरान पर हुए भीषण हमलों की गूंज अब कश्मीर की वादियों में पुरजोर तरीके से सुनाई दे रही है। इस घटनाक्रम ने घाटी के राजनीतिक और सामाजिक माहौल में भारी तनाव पैदा कर दिया है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने श्रीनगर में एक विशाल विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। इस दौरान उन्होंने अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को बुराई की ताकत करार दिया और उनके पोस्टरों को आग के हवाले कर दिया।

महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार के रुख पर तीखा हमला बोलते हुए गहरी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने अब तक न तो इन हमलों की निंदा की है और न ही ईरान की जनता के प्रति कोई सहानुभूति दिखाई है। भारत और ईरान के ऐतिहासिक संबंधों का हवाला देते हुए उन्होंने याद दिलाया कि ईरान ने हमेशा कश्मीर मुद्दे पर भारत के रुख का अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समर्थन किया है, जबकि अन्य कई मुस्लिम देश उस समय पाकिस्तान के पाले में खड़े थे। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि जब भारत कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का सामना कर रहा था, तब

ईरान ने ही संकट के समय कर्ज पर तेल देकर भारत की मदद की थी। उन्होंने कहा कि ऐसे वफादार दोस्त के मुश्किल वक्त में भारतीय नेतृत्व की खामोशी अत्यंत दुखद है। विरोध प्रदर्शन के दौरान महबूबा मुफ्ती ने वर्तमान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने प्रशासन द्वारा श्रीनगर के सांसद आगा रुहुल्लाह मेहदी और पूर्व मेयर जुनैद अजीम मट्टू के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर को तुरंत वापस लेने की मांग की। महबूबा ने आरोप लगाया कि पिछले तीन दिनों में विरोध प्रदर्शन करने वाली कई युवा लड़कियों और आम नागरिकों को हिरासत में लेकर जेल में डाल दिया गया है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि एक लोकतांत्रिक देश में हर नागरिक को विरोध करने का संवैधानिक अधिकार है और सरकार सबको चुप रहने पर मजबूर नहीं कर सकती। महबूबा मुफ्ती ने स्पष्ट किया कि कश्मीर के लोग और वैश्विक मुस्लिम समुदाय इस घड़ी में पूरी तरह ईरान के साथ खड़े हैं। उन्होंने मारे गए लोगों को शहीद बताते हुए उनकी बहादुरी को नमन किया। हालांकि, स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए उन्होंने कश्मीरी युवाओं से एक भावुक अपील भी की। उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण होना चाहिए, क्योंकि कश्मीर की अर्थव्यवस्था और पर्यटन अभी पटरी पर लौटना शुरू हुए हैं और किसी भी हिंसा से इन्हें नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। इस बीच, घाटी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और शिया बहुल इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात है।

देशभर में बम धमाकों की धमकी देने का आरोपी पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

अहमदाबाद साइबर पुलिस के बाद अब मुंबई पुलिस ने लिया हिरासत में

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के स्कूलों, स्टॉक एक्सचेंज और मेट्रो स्टेशनों समेत देश के विभिन्न स्थानों को बम से उड़ाने की धमकी देकर दहशत फैलाने वाले आरोपी को मुंबई पुलिस ने पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पिछले कुछ दिनों में देश के करीब 50 स्थानों को धमकी भरे ईमेल भेजे थे।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले के न्यू बराकपुर निवासी सौरव विश्वास (28) के रूप में हुई है। मुंबई पुलिस के मुताबिक आरोपी ने पिछले पांच दिनों के दौरान मुंबई, दिल्ली, गुजरात सहित कई राज्यों के महत्वपूर्ण संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों को बम धमाके की धमकी भेजी थी, जिससे सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया था।

पुलिस के अनुसार 27 फरवरी को सुबह करीब 8:46 बजे इंटरनेट के माध्यम से मुंबई के कई स्कूलों और मेट्रो स्टेशनों को एक धमकी भरा ईमेल भेजा गया था। ईमेल में अगले दो दिनों के भीतर बम विस्फोट करने की चेतावनी दी गई थी। धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं और कई स्थानों पर जांच अभियान चलाया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मुंबई के दिंडोशी पुलिस स्टेशन में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और ईमेल ट्रैकिंग की मदद से आरोपी तक पहुंचने में सफलता हासिल की। जांच के दौरान पता चला कि धमकी भरा ईमेल पश्चिम बंगाल के न्यू बराकपुर इलाके से भेजा गया था। इसके बाद दिंडोशी पुलिस की एक विशेष टीम आरोपी की तलाश में पश्चिम बंगाल पहुंची। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी इससे पहले 16 फरवरी 2026 को अहमदाबाद में भी इसी तरह का धमकी भरा ईमेल भेज चुका था। अहमदाबाद साइबर पुलिस ने उस मामले में पहले ही केस दर्ज कर रखा था और 1 मार्च 2026 को सौरव विश्वास को हिरासत में ले लिया था। इसके बाद मुंबई पुलिस ने आरोपी को अहमदाबाद से अपनी हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की।

पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसने यह धमकी भरे संदेश महज अफरा-तफरी फैलाने के उद्देश्य से भेजे थे या इसके पीछे किसी बड़े नेटवर्क या साजिश का हाथ है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और सुरक्षा एजेंसियां पूरे घटनाक्रम की गहराई से पड़ताल कर रही हैं।

खाड़ी देशों में फंसे महाराष्ट्र के नागरिकों को वापस लाने हेतु उठाए जा रहे कदम, मंगलवार को मुंबई पहुंचे 164 नागरिक

मुंबई (एजेंसी)। पश्चिम एशिया और खाड़ी देशों में युद्ध जैसे हालात दिन-ब-दिन खतरनाक होते जा रहे हैं। इजरायल-अमेरिका का ईरान के साथ चल रहा युद्ध इस समय पूरी दुनिया में फैल रहा है। इस युद्ध जैसे माहौल में एयरस्पेस बंद होने की वजह से महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पहल करते हुए दुबई और यूएई में फंसे महाराष्ट्र के नागरिकों को वापस लाने के लिए तुरंत कदम उठाए। इस मुश्किल हालात में फंसे महाराष्ट्र के नागरिकों की मदद के लिए मंगलवार रात दो विशेष विमानों का इंतज़ाम किया गया और 164 नागरिकों को सुरक्षित घर वापस लाया गया। मुंबई में सुरक्षित लौटे यात्रियों ने प्रशासन का शुक्रिया अदा करने के बाद जो अनुभव बताए, उनमें से कुछ बहुत डरावने और दिल दहला देने वाले थे। इनमें से एक युवक कहा कि वह मुंबई से अमेरिका जा रहा था। इस फ्लाइट में दुबई से उसकी कनेक्टिंग फ्लाइट थी। वह दूसरे यात्रियों के साथ उसमें बैठा भी था। हालांकि, प्लेन काफी देर तक रनवे के पास टेक-ऑफ का इंतज़ार करता रहा। कभी-कभी उन्हें तकनीकि खराबी का कारण बताया गया। हालांकि, कुछ देर बाद प्लेन को वापस टर्मिनल पर डायवर्ट कर दिया गया और सभी को उनके सामान के साथ उतार दिया गया। कुछ घंटों के इंतज़ार के बाद, उन्हें बताया गया कि युद्ध के हालात की वजह से सभी फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गई हैं। उसके बाद, एयरलाइन ने तुरंत एयरपोर्ट पर बसें भेजीं और कहा कि वे सभी पैसेंजर्स को एयरपोर्ट से होटल ले जा रहे हैं। उधर पूरे दुबई में टेंशन का माहौल था। होटल ढूंढने में भी कुछ घंटे लग गए। कई लोगों को बहुत परेशानी हुई, जिन्हें कमरा नहीं मिला, उन्हें होटल की लॉबी में सोफे पर सोना पड़ा। राहुल ने कहा कि कई भारतीय अभी भी वहां फंसे हुए हैं। इसलिए, इन पैसेंजर्स की दी गई जानकारी से यह साफ है कि इस युद्ध की वजह से इंटरनेशनल टूरिस्ट्स को बहुत परेशानी हुई है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने खाड़ी देश में फंसे महाराष्ट्र के लोगों के लिए एयरलाइन स्टार एयर की दो स्पेशल फ्लाइट्स रिजर्व की थीं। रविवार दोपहर को दो फ्लाइट्स ने फुजैरा एयरपोर्ट से कुछ ही मिनटों के अंदर उड़ान भरी। इन दोनों फ्लाइट्स से कुल 164 पैसेंजर मंगलवार रात करीब 10 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरे। इनमें पुणे के इंदिरा स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज के 84 स्टूडेंट्स और ठाणे, मुरबाड, अहिल्यानगर वगैरह के नागरिक शामिल थे। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने इन लोगों से फोन पर बात की थी और उन्हें भरोसा दिलाया था। एकनाथ शिंदे ने वादा किया था, आप सब सुरक्षित हैं, चिंता न करें, महाराष्ट्र सरकार और मैं खुद आपके साथ मजबूती से खड़े हैं। आपको सुरक्षित वापस अपने देश लाने की पूरी कोशिश की जाएगी। इसके बाद, उन्होंने सभी संबंधित एजेंसियों के लगातार संपर्क में रहकर इन 164 यात्रियों को वापस उनके देश लाकर अपना वादा निभाया।

उधर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यालय से भी फंसे हुए नागरिकों को भारत वापस लाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। महाराष्ट्र सरकार ने फंसे हुए नागरिकों की मदद के लिए एक खास वॉट्सऐप नंबर जारी किया है। राज्य सरकार ने फंसे हुए यात्रियों से मदद के लिए उस नंबर पर संपर्क करने की अपील की है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के ऑफिस ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। इस पोस्ट में लिखा है कि खाड़ी देशों में पैदा हुए युद्ध के हालात की वजह से वहां फंसे महाराष्ट्र के अलग-अलग नागरिकों से राज्य सरकार संपर्क में है। खुद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस लगातार अलग-अलग एजेंसियों के संपर्क में हैं और केंद्र सरकार से भी लगातार संपर्क में हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)